# तरुण छत्तीसगढ़

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

■ रायपुर,शनिवार 8 अप्रैल 2023 ■ वैशाख कृष्ण पक्ष -2 ■ वर्ष- 39 ■ अंक-010 ■ पृष्ठ-8 ■ डाक संस्करण 9 अप्रैल 2023 रू. 1.00

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
Twitter - Tchhattisgarh36
Instagram -tarunchhattisgarh.raipur

phone: 0771-2543112


## संक्षेप

### भाजपा कोरग्रुप की बैठक में बनेगी चुनावी रणनीति

**रायपुर, 8 अप्रैल** (मुख्य नगर संवाददाता)। भाजपा के कोरग्रुप की बैठक में भाग लेने के लिए छत्तीसगढ़ प्रभारी ओम माथुर, संगठन मंत्री शिव प्रताप एवं सहप्रभारी नितिन नबीन यहां पहुंच चुके हैं। छत्तीसगढ़ भाजपा के कोरग्रुप की बैठक आज शाम होने जा रही है। इस बैठक में संगठन को मजबूत बनाने सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा होगी। बैठक में प्रदेश के अध्यक्ष अरूण साव, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल एवं अन्य सक्रिय सदस्य भाग लेंगे। चालू वर्ष में चुनाव होने के कारण इस बैठक में अनेक मुद्दों पर चर्चा होगी। जशपुर जिले में गत दिनों चार लोगों की सामूहिक आत्महत्या की जांच के बाद भाजपा विधायक दल आज राजधानी लौट आया है। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल के अनुसार यह मौत भूख से हुई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सरकार की उदासीनता के चलते आदिवासी परिवार भूख से मर रहा है जो कि जनता के प्रति शासन की निष्ठुरता का परिचायक है। इस दल में रामविचार नेताम सहित अन्य सदस्यों को शामिल किया गया था। यह दल आज रिपोर्ट लेकर राजधानी पहुंचा।

### पहले भारतीय गवर्नर जनरल के प्रपौत्र भाजपा में शामिल

**नई दिल्ली 8 अप्रैल।** कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। देश के पहले भारतीय गवर्नर-जनरल सी राजगोपालाचारी के पोते और कांग्रेस के पूर्व नेता सीआर केसवन शनिवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। केंद्रीय मंत्री वीके सिंह, भाजपा सांसद अनिल बलूनी सहित तमाम नेताओं ने उनका पार्टी में स्वागत किया। भाजपा में शामिल होने के बाद सीआर केसवन ने कहा कि मैं आपको दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी-बीजेपी में शामिल करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं, खासकर उस दिन जब हमारे पीएम नरेंद्र मोदी तमिलनाडु में हैं। उन्होंने कहा कि उनकी उपस्थिति यहां सी राजगोपालाचारी सहित हमारे महान राष्ट्र के संस्थापक पिताओं और माताओं के लिए भाजपा के गहरे सम्मान को साबित करती है। सीआर केसवन ने कहा कि मैं अपने घर में ऐसे लोगों को जानता हूं जिन्हें पीएम आवास योजना से पक्का घर मिला है। 3 करोड़ घर बन चुके हैं।अमित शाह जी ने एक बार कहा था कि डीबीटी पहले डीलर ब्रोकर ट्रांसफर था, लेकिन अब यह डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर हो गया है।

# मुट्ठीभर लोग विकास कार्यों से बौखलाए हुए हैं: मोदी

■ नई दिल्ली 8 अप्रैल।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज तेलंगाना दौरे पर हैं। तेलंगाना में उन्होंने सिकंदराबाद और तिरुपति के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत एक्सप्रेस का निरीक्षण किया और स्कूली बच्चों से बातचीत की। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि तेलंगाना-आंध्रप्रदेश को जोड़ने वाली एक और वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई गई। यह ट्रेन एक प्रकार से आस्था, आधुनिकता और टूरिज्म को जोड़ने वाली है। इसके साथ ही आज यहां 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक के प्रोजेक्ट का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर काम कर रहे हैं।

मोदी ने कहा कि हैदराबाद में करीब 70 किलोमीटर का मेट्रो नेटवर्क बनाया गया है। आज यहां 13 एमएमटीएस सर्विस शुरू हुई

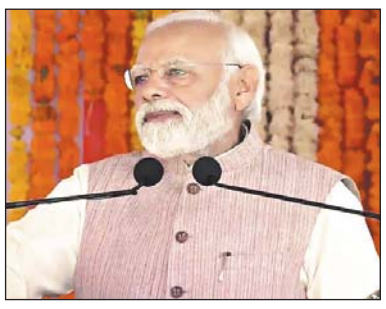

है, एमएमटीएस का तेज़ी से विस्तार हो सके जिसके लिए तेलंगाना के लिए 600 करोड़ रुपए रखे गए हैं। ये परियोजनाएं राज्य में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देंगी और बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि रेलवे के साथ ही केंद्र सरकार द्वारा यहां हाईवे के प्रोजेक्ट का तेज़ी से विकास किया जा रहा है। केंद्र सरकार तेलंगाना में आधुनिक नेशनल हाईवे के निर्माण के लिए जुटी है। मोदी ने कहा कि आज का नया भारत, 21वीं सदी का नया भारत, देश के कोने-कोने में तेजी से आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहा है। केंद्र सरकार भी तेलंगाना में हाईवे नेटवर्क का तेजी से विकास कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ मुट्ठीभर लोग विकास कार्यों से भौखलाए हुए हैं, ऐसे लोग जो परिवारवाद, भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार को पोषित करते रहे उन्हें काम करने वाले लोगों से परेशानी हो रही है। इन्हें देश, समाज के भले से कोई लेनादेना नहीं है। इन्हें सिर्फ अपने कुंबे को फलता-फूलता देखना पसंद है। तेलंगाना को ऐसे लोगों से सतर्क रहना ज़रूरी है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह तमिलनाडु के लिए दूसरी वंदे भारत ट्रेन की सौगात है। आज प्रधानमंत्री सिकंदराबाद स्टेशन को वर्ल्ड क्लास बनाने के लिए शिलान्यास करेंगे साथ ही सिकंदराबाद से महबूब नगर के बीच 13 नई एमएमटीएस सर्विस का फ्लैग ऑफ करेंगे।

# एनुअल स्टेट्स ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट जारी

■ रायपुर 8 अप्रैल।

स्कूल शिक्षा मंत्री डॉक्टर प्रेम साय सिंह टेकाम ने आज अपने निवास कार्यालय में एनुअल स्टेट्स ऑफ़ एजुकेशन रिपोर्ट 2022 ग्रामीण को जारी किया. मंत्री ने बताया कि असर द्वारा छत्तीसगढ़ की 28 ज़िलों में 1679 गाँव के 33,330 घरों तक पहुँचकर 3-16 उम्र के 64,131 बच्चों का सर्वेक्षण किया गया है. ग्रामीण क्षेत्रों में 5-16 उम्र वर्ग के बच्चों की पढ़ने गणित और अंग्रेज़ी पढ़ने लिखने की क्षमता का आंकलन किया गया है. महिला सर्वे 2021 अक्टूबर नवंबर में आयोजित किया गया था. जब महामारी के कारण कई महीनों स्कूल बंद रहने के कारण विद्यार्थियों का स्तर गिरा था. लर्निंग लॉस हुआ था. इसको देखते हुए शिक्षकों द्वारा किए गए विभिन्न नवाचार योजनाओं के चलते लर्निंग लॉस में व्यापक सुधार हुआ है. टेकाम ने कहा, पढ़ने लिखने समझने के कौशल में बच्चों में अपेक्षित सुधार देखा गया है. भाषा के मामले में कक्षा तीसरी के बच्चों का अनुपात जो कक्षा दो स्तर का पाठ पढ़ सकते हैं उसके आंकड़े में 12% की वृद्धि हुई है, जो 2021 के सर्वे में 12.4% था जो 2022 में बढ़कर 24.2% हो गया है. इसी तरह कक्षा पाँचवी और आठवीं में भी 10.6 और 7.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.इसके अलावा गणित में कक्षा पाँचवी में बच्चों का प्रतिशत 2018 में 26.9% था जो कोरोना के चलते 2021 में तेरह प्रतिशत हो गया था, लेकिन 2022 में इसमें 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और आंकड़ा 24.9% पहुँच गया है. अंग्रेज़ी में कक्षा पाँचवी के बच्चों की सरल अंग्रेज़ी वाक्य पढ़ने की क्षमता 2016 में लगभग 16% था तो वहीं कक्षा 8वीं के बच्चों में 2016 की तुलना में 2022 में 6.4% का सुधार हुआ है. इस तरह 2022 में 42.6% हो गया है.

रिपोर्ट की मानें तो विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपस्थिति में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया है. शिक्षकों की औसत उपस्थिति 2021 के 85.9 प्रतिशत से 2022 में 86.8% ही हुई है, जबकि विद्यार्थियों की औसत उपस्थिति 2021 के 59.1- बढ़कर 2022 में 70 .9% हो गई है.

### स्कूल जतन योजना से बदलेगी तस्वीर

शिक्षा मंत्री ने कहा शिक्षकों द्वारा किए जा रहे नवाचार के चलते ही शिक्षा गुणवत्ता में सुधार हो रहा है. गर्मी में भी जहाँ अंगना में शिक्षा कार्यक्रम को जारी रखते हुए समुदाय और माताओं को जोड़ा जाएगा. वहीं स्कूल जतन योजना के माध्यम से स्कूल के जीर्णोद्धार एवं मरम्मत पर ज़ोर दिया गया है, ताकी विद्यार्थियों को नए सत्र में स्कूल में पढ़ने के लिए अच्छा वातावरण मिल सके. मंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ पहला राज्य है, जहाँ बच्चों को स्थानीय भाषा में शिक्षा देने के लिए भाषायी सर्वे के आधार पर सुधारात्मक कार्य करने की दिशा में पहल की गई है।

# खड़े ट्रेलर से टकराई यात्रियों से भरी बस, 7 की मौत

**कोरबा 8 अप्रैल।** कोरबा जिले के नेशनल हाईवे 130 में आज सुबह 4 बजे एक बड़ा सड़क हादसा हो गया है। रायपुर से सीतापुर जा रही तेज़ रफ्तार मेट्रो बस बांगो थाना क्षेत्र के मड़ई के पास खड़े ट्रेलर से जा टकराई, टक्कर इतनी तेज थी कि बस के एक तरफ के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई और दर्जन भर से अधिक यात्री घायल हुए हैं। मृतकों में 3 पुरुष समेत 2 महिला व बच्चे शामिल हैं। बांगो पुलिस मौके पर पहुंच गई है और घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, कोरबा के बांगो थाना अंतर्गत नेशनल हाइवे पर मडई घाट के समीप यह हादसा हुआ। मेट्रोस्टार बस

एक खड़ी ट्रेलर को सामने से आ रही कार से बचने के प्रयास में बाएँ साइड से टक्कर मारी। हादसे में अब तक 7 लोगों के मौत की खबर है। घायलों का प्रारंभिक इलाज पौड़ी अस्पताल में चल रहा है, जबकि गंभीर रूप से घायल अन्य दो व्यक्तियों को कोरबा जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया है। घटनास्थल पर बांगो पुलिस और एंबुलेंस पहुंच कर घायलों को अस्पताल भेजा।

# अडानी मामले में बयान पर शरद पवार कायम

■ नई दिल्ली 8 अप्रैल।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार शनिवार को भी अडानी मामले में बयान पर कायम रहे। हालांकि, उन्होंने साफ कर दिया है कि इससे विपक्षी एकता को कोई खतरा नहीं है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कह दिया था कि अडानी समूह को निशाना बनाया जा रहा है। साथ ही उन्होंने जेपीसी जांच की मांग से भी खुद को दूर कर लिया था।

पवार ने कहा, जब अलग-अलग दल साथ आते हैं, तो अलग-अलग मत होना लाजमी है। ऐसी ही स्थिति जब हम मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर मिले थे, तब सावरकर मुद्दे पर बनी थी। मैं उसपर अपने विचार रखे और मुद्दा सुलझ गया। इसी तरह अलग-अलग विचार आते

हैं, तो चर्चाएं होती हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की गठित समिति जेपीसी से ज्यादा बेहतर नतीजे देगी।

उन्होंने कहा,जेपीसी की मांग हमारे सभी साथियों ने की, ये बात सच है मगर हमें लगता है कि जेपीसी में 21 में से 15 सदस्य सत्ताधारी पार्टी के होंगे। यहां ज्यादातर लोग सत्ताधारी पर्टी के हों वहां देश के सामने सच्चाई कहां तक आएगी। उन्होंने देश में अंबनी और अडानी के बारे में सोचने की जरूरत की बात कही है।

विपक्षी एकता टूटने को लेकर उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कौन यह दावा कर रहा है। मैंने केवल अपने विचार रखे हैं बस। कांग्रेस की तरफ से लगाई गए 20 हजार करोड़ रुपये की अनियमितताओं के आरोपों पर पवार ने कहा कि उन्हें इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, मैं इसके बारे में नहीं जानता। जब तक मेरे पास पूरी जानकारी नहीं होगी, मैं कुछ नहीं बोलूंगा।

एक चैनल को दिए इंटरव्यू में पवार ने साफ कर दिया है कि कारोबारी घरानों को सियासी रूप से घेरना बेकार है। उन्होंने बताया कि पहले भी टाटा-बिड़ला को लेकर चर्चाएं रही हैं। उन्होंने कहा, यह देश में कई सालों से हो रहा है। मुझे याद है कि कई सालों पहले, जब हम राजनीति में आए थे, तो अगर हमें सरकार के खिलाफ बोलना ही होता था, तो हम टाटा-बिड़ला के खिलाफ बोलते थे।

उन्होंने आगे कहा, निशाना कौन थे? टाटा-बिड़ला। जब हमने टाटा के योगदान को समझा, तो हैरान रह गए हम क्यों टाटा-बिड़ला कर रहे थे। लेकिन किसी को तो निशाना बनाना था, तो हम टाटा-बिड़ला को निशाना बनाते थे। आज टाटा-बिड़ला का नाम आगे नहीं है, दूसरे टाटा-बिड़ला सरकार के सामने आ गए हैं। इसलिए अगर इन दिनों आपको सरकार पर हमला करना हो, तो अंबानी और अडानी का नाम लिया जाता है।

हालांकि, इस मामले में महाविकास अघाड़ी में राकंपा की साथी कांग्रेस के सुर पवार से अलग नजर आ रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा, ये उनका व्यक्तिगत मत हो सकता है। कोयला घोटाले के मामले में भी कोर्ट की कमेटी बैठाई गई थी लेकिन विपक्ष के कहने पर जेपीसी की गई थी। अडानी मुद्दे पर जेपीसी होनी ही चाहिए। जबकि, संजय राउत ने साफ कर दिया कि इससे विपक्षी एकता में दरार नहीं आएगी।

# 15 साल में रमन सिंह ने क्या-क्या बयान दिए, पूरा किए क्या?

## शराबबंदी पर सीएम भूपेश बघेल ने रमन सिंह पर साधा निशाना

■ रायपुर 8 अप्रैल।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शराबबंदी को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि रमन सिंह ने 15 सालों में क्या-क्या बयान दिया, पूरा किया क्या? लॉकडाउन से समझ आया. लोग नकली शराब से मरे. हम नशाबंदी की तरफ बढ़ना चाहते हैं, लेकिन जब तक समाज इन्वॉल्व नहीं होता, तब तक संभव नहीं है. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि यह (शराब) सामाजिक बुराई है. बात केवल शराबबंदी की नहीं है, हम नशाबंदी की बात कह रहे हैं. हमने कोरोना काल लॉकडाउन के

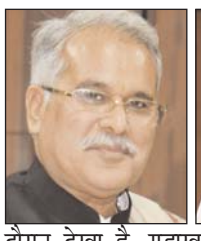

दौरान देखा है. गुडाखू जैसे नशा के लिए छोटे-छोटे दुकान में दस-पांच के डिब्बा को कई सौ रुपया में तो कहीं पचास रुपया में ख़रीद रहे थे. इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने अखबारों में छपे विज्ञापन पर तंज कसते हुए कहा कि आज फिर केंद्र का विज्ञापन आया है. लिखे हैं कि जगदलपुर एयरपोर्ट शुरू किए हैं, जबकि राज्य सरकार ने इसे शुरू करवाया. बिलासपुर भी बंद हो गया, उसे फिर से शुरू होना चाहिए. दूसरी बात सौभाग्य योजना का काम हमारे कार्यकाल में अधिक हुआ. सड़कों को देखें, तो हमारे कार्यकाल में ज्यादा अच्छा काम हुआ. श्रेय भारत सरकार लेना चाहती है. जबकि बीजेपी कहती है, यहां कोई काम नहीं हुआ है. सीएम भूपेश बघेल ने ईडी की सक्रियता पर कहा कि बीजेपी ईडी के बल पर चुनाव लड़ना चाहती है. वहीं ट्रेनों के रद्द होने पर कहा कि भारत सरकार एक ट्रेन वंदे भारत चलाकर बाकी ट्रेनें बंद कर रही है. छोटे-छोटे स्टेशनों पर ट्रेनें नहीं है. गरीबों के लिए ट्रेनें बीते दिनों की बात हो गई है।

### मुर्गी फार्म के कारण मक्खी-मच्छर और बदबू, ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

**बेमेतरा 8 अप्रैल।** बेमेतरा के ग्राम मुलमुला में संचालित एशिया के दूसरे नम्बर पर स्थापित वैंकट रमन मुर्गी फार्म के खिलाफ ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया है. मक्खी-मच्छर के साथ-साथ बदबू से परेशान सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुष मुर्गी फॉर्म को बंद करने गेट पर धरना में बैठ गए हैं. ग्रामीणों की आक्रोश देखते हुए भारी संख्या में मौके पर पुलिस बल तैनात है. ग्राम पंचायत मुलमुला के सरपंच तामेश्वर साहू ने बताया कि मुर्गी फॉर्म को बंद करना चाहिए।

# फार्मेसी काउंसिल चुनाव: रजिस्ट्रार के मैदान में उतरने से मचा बवाल

■ निर्वाचन कार्य से रजिस्ट्रार को पृथक किया गया : चुनाव अधिकारी

मुख्य नगर संवाददाता

**रायपुर, 8 अप्रैल।** छत्तीसगढ़ फार्मेसी काउंसिल के चुनाव में काउंसिल के रजिस्ट्रार डॉ. शेखर वर्मा के चुनाव लड़ने से नया पेच लग गया है। मतदान की अंतिम तिथि 10 अप्रैल है। यहां पर बैलेट पेपर से मतदान हो रहा है।

छत्तीसगढ़ फार्मेसी काउंसिल के निर्वाचन अधिकारी डॉ. पामभोई ने बताया कि फार्मेसी काउंसिल के कुल 23 हजार सदस्य हैं जिनमें 6 रिक्त पदों के लिए करीब 29 प्रत्याशियों ने नामांकन भरा है। ये सभी अलग-अलग पैनल से हैं। मतों की गणना 13 अप्रैल को की जाएगी। फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार के पद पर डॉ. शेखर वर्मा की नियुक्ति की गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार उन्हें अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। चूंकि डॉ. शेखर वर्मा भी चुनाव लड़ रहे हैं इसलिए सदस्यों को आपत्ति है कि वे रजिस्ट्रार होते हुए चुनाव नहीं लड़ सकते। इस संबंध में निर्वाचन अधिकारी डॉ. पामभोई का कहना है कि उन्हें पूरी निर्वाचन प्रक्रिया से अलग रखा गया है। सरकार द्वारा उनकी नियुक्ति चुनाव के बीच में कर दी गई है। फार्मेसी काउंसिल के निर्वाचित सदस्यों के लिए मतदान पिछले एक माह से चल रहा है। अभी तक कितने प्रतिशत मतदान हुआ है इसकी

जानकारी नहीं दी गई है। निर्वाचन अधिकारी के अनुसार 13 अप्रैल को मतगणना होगी जिसमें स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। मतदान बैलेट पेपर के माध्यम से हो रहा है। सूत्रों के अनुसार इसमें 200 से 300 बैलेट पेपर गलत पता होने के कारण वापस आ गए हैं। अनुमानतः 1500 सदस्यों ने ही बैलेट पेपर के माध्यम से मतदान किया है। वस्तुस्थिति की जानकारी मिलने के बाद सदस्य अब सक्रिय हो गए हैं। अवकाश होने के पश्चात भी यहां पर संपर्क तेज कर दिया गया है। अंतिम दिन बड़ी संख्या में मतदान होने की संभावना है। छत्तीसगढ़ फार्मेसी काउंसिल के सदस्यों के अनुसार यह संस्था फार्मेसी की स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षाएं एवं अन्य कार्यों का संचालन करती है। इसमें कुल 15 सदस्य होते हैं। 6 सदस्यों का निर्वाचन होता है। चार पदेन सदस्य होते हैं। जबकि पांच शासन द्वारा नामांकित किए जाते हैं। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य विभाग की राजनीति के चलते नामांकित सदस्यों का नामांकन नहीं हो पाया जिसके कारण कार्यकारिणी पूरी तरह से कार्य नहीं कर पा रही है। इस संस्था का नवीन कार्यालय कमल विहार में बनना प्रस्तावित है। आपसी विवाद के चलते यह कार्य भी रूका हुआ है।

## प्रतिबंधित दवा सेवन की पुष्टि होने पर भारत की संजीता चानू पर प्रतिबंध

jasclaudius@gmail.com

# काले कारनामे आज नहीं तो कल आते हैं सामने

✍ जसवंत क्लाडियस,तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

खेलकूद में राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विजेता बनने से ना सिर्फ खुद का नाम बल्कि प्रदेश व देश का नाम रौशन होता है। प्रत्येक खिलाड़ी की चाहत है कि वह अपने देश की ओर से विश्व स्तर की स्पर्धा में भाग ले और पदक प्राप्त करे। इसके लिए खिलाड़ी मैदान में लंबे समय तक पसीना बहाता है। 10 से 18 वर्ष की उम्र में जो कि दूसरे बच्चों, किशोरों के लिए घूमन-फिरने, मस्ती करने का दौर होता है तब वे एक खेल क्षेत्र में अपने आपको कैद कर लेता है। खेल की दुनिया में बड़ी उपलब्धि हासिल करना उनका उद्देश्य होता है। वे अनुशासन तथा समय की पाबंदी में बंधे होते हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी बनने और अपने देश के लिए इनाम जीतने की चाहत में अपने बचपन, किशोरावस्था को भूला देते हैं। अपने पसंदीदा खेल में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए सब कुछ त्याग देते हैं और सिर्फ खेल के नियम कानून, विजयी होने का तरीका जानने, समझने में जीवन को दांव पर लगा देते हैं। यह सब कुछ करके उन्हें राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जब सफलता मिलती है तो ना सिर्फ वह प्रतिभागी बल्कि पूरा देश, उनके अभिभावक, उनके प्रशिक्षक, चाहने वाले सभी उन पर गर्व करते हैं। लेकिन एक

खिलाड़ी का जमीन से आसमान तक का सफर बेदाग होना आवश्यक है। पदक हासिल करना बड़ी उपलब्धि है लेकिन उससे भी बड़ी उपलब्धि पदक प्राप्त का तरीका, उस तक पहुंचने का मार्ग साफ सुथरा होना जरूरी है। हमारे देश में स्वर्ण, रजत या कांस्य पदक जीतने वाले ऐसे कई खिलाड़ी हैं जिन्होंने गलत राह पर चलकर, खेल का नियमों का उल्लंघन करके सफलता पाई। परंतु उनकी चतुराई पकड़ में आ गई वे प्रतिबंधित दवा का इस्तेमाल करके ऊंचाई पर पहुंचे इसलिए उनसे पदक छीन लिया गया। भारत के खेल इतिहास में इस तरह का दुष्कृत्य दूसरी बार करके पकड़ में आने वाली एक मात्र प्रतिभागी भारोत्तोलक संजीता चानू हालांकि पहली बार वह निर्दोष साबित हुई। संजीता इस दशक की प्रसिद्ध महिला भारोत्तोलक हैं। उन्होंने 2011 के एशियन चैंपियनशिप में कांस्य और कामनवेल्थ चैंपियनशिप में 2012, 2015, 2017 में तीन बार देश के लिए स्वर्ण पदक जीता है। इसके साथ ही 2014, 2018 के राष्ट्रमण्डल खेलों में भी उन्होंने स्वर्ण पदक हासिल किया है।

प्रतिभाशाली संजीता को पहली बार 2017 में संयुक्त राज्य अमेरिका के एंटी डोपिंग एजेंसी ने एनाबोलिक स्टेराइड का सेवन करने का आरोप लगाया जिसके कारण 2018 में अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलक फेडरेशन ने उन पर चार वर्षों का प्रतिबंध लगा दिया। संजीता ने इस आरोप पर अंतर्राष्ट्रीय भारोत्तोलन फेडरेशन से अपील की जिसमें उन्हें 2020 में पाक साफ घोषित किया गया। सितम्बर-अक्टूबर 2022 में गुजरात में सम्पन्न 36वें राष्ट्रीय खेलों में संजीता ने रजत पदक जीता। नियमानसुार उनका परीक्षण हुआ जिसमें उन्हें एक बार फिर से अप्रैल 2023 के पहले सप्ताह में एनएडीए द्वारा दोषी करार दिया गया। इस बार संजीता पर आरोप है कि उन्होंने ड्रोस्टानोलोन जो कि एक तरह का एनाबोलिक एंड्रोजेनिक स्टेराइड है वर्ल्ड एंटी डोपिंग एजेंसी (वाडा) के द्वारा खिलाड़ियों के सेवन के लिए प्रतिबंधित है। उल्लेखनीय है कि ड्रोस्टानोलोन एक ऐसी दवा है जिसको महिलाओं के स्तन के कैंसर को अधिक फैलाव हो जाने पर प्रयोग किया जाता है। इसके पश्चात संजीता चानू पर भारत की नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी नाडा ने चार वर्ष का फिर से प्रतिबंध लगा दिया है। इस तरह संजीता ने युवा खिलाड़ियों के समक्ष एक गलत तरीके से प्रतियोगिता जीतने के उपाय को बताकर भारतीय खेल जगत को शर्मसार कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि हाल ही के दिनों में खेलकूद में प्रतिबंधित दवा के सेवन का मामला तेजी से बढ़ रहा है। पिछले वर्ष के ओलंपियन शिवपाल सिंह, कमलप्रीत कौर, धनलक्ष्मी सेकर और कामनवेल्थ में कांस्य पदक विजेता नवजीत कौर पकड़े गये और 2016 में पहली बार रियो ओलंपिक खेलों में भारत की तरफ से भाग लेने वाली महिला जिमनास्ट दीपा कर्मकार भी प्रतिबंधित दवा के सेवन में पकड़ी जा चुकी है। ऐसा कृत्य उचित नहीं है। इस पर लगाम लगाने के लिए संबंधित खेल के प्रशिक्षक व आहार विशेषज्ञों पर भी प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

## एक नजर

### दीपशिखा कॉलोनी में हनुमान जन्मोत्सव पर्यावरण संरक्षण करते हुए मनाया गया

**उतई, 8 अप्रैल।** दीपशिखा कॉलोनी उतई डूमरडीह में पर्यावरण संरक्षण करते हुए हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया जिसमे सुबह 9 बजे हनुमान मंदिर मे पूजा अर्चना सुंदर काण्ड पाठ समस्त कॉलोनी वासियों द्वारा किया गया 12 बजे से भंडारे का अयोजन किया गया जिसमे स्टील थाली का उपयोग किया गया जिससे पर्यावरण गौ माता डिस्पोजल सिल्वर थाली वेस्ट प्लास्टिक से कई समस्याए उत्पन्न होती है इसे देखते हुए स्टील थाली का उपयोग किया गया और सभी से अनुरोध किया गया है कि आप सभी प्लास्टिक डिस्पोजल और थर्मोकोल प्लेट का उपयोग न करे जिससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी थाली सक्षम जन फाउंडेशन द्वारा उपलब्ध कराई गईकार्यक्रम में समस्त कॉलोनी वासियों ने तन मन धन से सहयोग कर कार्यक्रम आयोजित कियाश्रीमती श्रद्धा पुरेंद्र साहू जी ईश्वर वर्मा जी श्री प्रमोद जैन,आशीष शुक्ला, प्रेमलाल धनकर,युवराज साहू,कन्हैयालालदेवांगन, धनसाय चतुर्विदाही,राधेश्याम साहू,नूतन साहू,संदीप साहू,धर्मजीत देवांगन, प्रीतम यादव,प्रेमलाल वर्मा,भुवन कुमार राजपूत,के.आर.सिन्हा,योमन साहू,श्रीमती कल्याणी साहू।

### जल बहिनियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सिदेसर में आयोजित

**कांकेर 8 अप्रैल ।** जल जीवन मिशन अंतर्गत कांकेर विकासखण्ड के ग्राम सिदेसर में आठ ग्रामों की जल बहिनियों का एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सरपंच श्रीमती प्रज्ञा बाई दुग्गा की अध्यक्षता में किया गया। सरपंच के द्वारा जल जीवन मिशन एवं जल बहिनियों के महत्व को बताते हुए जल गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रोत्साहित किया गया। जल बहिनियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से जल जीवन मिशन से संबंधित वीडियो क्लिप दिखाकर जल जीवन मिशन के संबंध में जानकारी दी गई। जिला समन्वयक निशा वामन द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति तथा पंप ऑपरेटर की भूमिका, जल बहिनियों के कार्य, जल कर और इसका रखरखाव इत्यादि की जानकारी दिया गया। ज्योति शांडिल्य द्वारा जल गुणवत्ता परीक्षण की संपूर्ण जानकारी देते हुए जल बहिनियों को परीक्षण करना सिखाया गया, साथ ही जल की अशुद्धि से होने वाले हानिकारक प्रभाव एवं बीमारियों से बचने की जानकारी दी। प्रायोगिक रूप से प्रशिक्षण देते हुए जल जीवन मिशन अंतर्गत निर्मित सोलर आधारित मिनी जल प्रदाय योजना को जल बहिनियों द्वारा जल का परीक्षण कर दिखाया गया। इस अवसर पर जल बहिनियों को प्रशिक्षण कार्यशाला का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

श्री वीरेन्द्र विश्वकर्मा के द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक कुमार सिंह तोप्पा द्वारा किया गया। कार्यशाला में जिला समन्वयक छत्रपाल साहू, शत्रुघ्न सिन्हा, देवकरण मंडावी, नेचुरल्स रिसोर्स मैनेजमेंट अनुराधा मेश्राम, सामाजिक सहायता संस्था से आशिका सहित ग्रामीणजन उपस्थित थे।

# मुख्यमंत्री ने गुरु नानक सरोवर स्थित मिलेट्स कैफे का किया लोकार्पण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**भिलाई, 8 अप्रैल।** मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने अपने प्रदेश के अभी भेंट-मुलाकात अभियान के तहत आज दुर्ग जिले के वैशाली नगर विधानसभा के गुरुनानक जी सरोवर के समीप मिलेट्स कैफे का लोकार्पण किया। इस अवसर पर वन मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री मोहम्मद अकबर, विधायक श्री देवेन्द्र यादव, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि मिलेट्स कैफे खुलने के बाद अब यहां के लोगों की थाली में पौष्टिक व्यंजन उपलब्ध होंगे, लोगों को स्वादिष्ट व्यंजन मिलने के साथ ही एक स्वस्थ छत्तीसगढ़ का सपना भी साकार हो सकेगा।भूपेश सरकार के वादा खिलाफी के विरोध में युवा जागृति संगठन नेतृत्व में सुपेला शराब दुकान हटाने के विरोध में युवा शक्ति संगठन के मदन सेन शारदा गुप्ता पारस जंघेल पुरोषतम देवांगन नीशु पांडे नवीन सिंह जुनैद खान सुनील शर्मा धनेश्वर चौहान पिंकू तिवारी सहित प्रमुख कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारी दी।

### मुख्यमंत्री से सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने की मुलाकात

**भिलाई, 8 अप्रैल ।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ मुलाकात की। सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी समस्याएं और मांगों को रखा। मुख्यमंत्री ने अनेक सामाजिक संगठनों को भवन निर्माण के लिए मौके पर ही स्वीकृति प्रदान की। सरयू यादव समाज के अध्यक्ष बोधन यादव ने गोधन न्याय योजना शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर वन मंत्री मोहम्मद अकबर, विधायक अरूण वोरा, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से चर्चा के दौरान तंबोली समाज को दुर्ग में 5000 वर्गफीट जमीन आबंटित करने तथा भवन के लिए 20 लाख रूपए की स्वीकृति दी। मुख्यमंत्री द्वारा ढीमर समाज को नगपुरा में जमीन आबंटित करने और शेड के लिए 50 लाख रूपए की स्वीकृति दी गई। देवांगन समाज को गया नगर के सामाजिक भवन के उन्नयन के लिए 25 लाख रूपए की स्वीकृति दी गई। चंद्राकर समाज को भवन संधारण के लिए 10 लाख रूपए की स्वीकृति दी गई। इसी तरह मुख्यमंत्री ने जन समर्पण सेवा समिति को 5 लाख रूपए स्वेच्छा अनुदान देने की घोषणा की तथा कौशिक नाई समाज की मांग पर उन्हें रीपा में रोजगार का अवसर उपलब्ध कराने की घोषणा की मुख्यमंत्री बघेल ने अधिकारियों को साहू समाज को जमीन आबंटित करने के निर्देश दिए। उन्होंने रजक समाज से पहले जमीन का रजिस्ट्रेशन कराने कहा। उन्होंने बौद्ध समाज, डॉ. अंबेडकर नगर विकास समिति के अंबेडकर सांस्कृतिक भवन के लिए 10 लाख रूपए की घोषणा की।

# जय हनुमान-जय बजरंग बली के जयकारों से गूंजा गांव धनोरा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**उतई, 8 अप्रैल।** बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व पर भव्य शोभायात्रा निकाला गया जो कि दरबार से शुरू होकर बजरंग पारा बाजार चौक मेन गली मोहल्ले शितला पारा कर्मा चौक गोल्डन चौक पुरे गांव में जुलूस घुमाया गया जगह जगह भक्तों के द्वारा पुजा अर्चना किया गया सभी भक्तों ने हाथ में केसरिया रंग झंडे लेकर जय जय बजरंगी बली जय सियाराम के नारे लगाते साथ साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु चल रहे थे सुबह से ही भक्तों का बाबा दरबार एवं महावीर उद्यान में पुजा पाठ करने के लिए भारी भीड़ रहा दरबार के श्री लक्ष्मण बाबा जी ने बताया कि महावीर उद्यान में विराजे गदाधारी हनुमान जी में सोमवार मंगलवार शनिवार के दिन फुटे चना गुड़ मिट्टी के बर्तन में कच्चा दूध कपरी पान मिश्रा एवं सवा गज लाल कलर का पताका चढहाने से सारे परेशानी दूर होते हैं एवं सभी मनोकामनाएं पूर्ण होते हैं मंगलवार शनिवार के दिन महावीर उद्यान में पुजा पाठ करके के लिए भक्तों का भीड़ लगा रहता है धर्म कुतर्क का विषय नहीं है यह तो श्रद्धा का विषय है पुर्ण श्रद्धा के साथ जिसने भी भक्ति की उसे प्रभू की कृपा प्राप्त होती है यह तो केवल अहसास किया जा सकता है सभी भक्त प्रभू की भक्ति में झूठ उठे दोपहर 2 बजे से खिचड़ी एवं हलुवा प्रसाद का वितरण किया गया जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया बाजे गाजे के साथ शोभायात्रा निकाला गया जो कि पुरे गांव में भ्रमण करते हुए महावीर उद्यान पहुंचकर गदाधारी हनुमान जी के पुजा पाठ करके पताका ध्वजा चढ़हाया गया इस शोभायात्रा में दरबार के श्री लक्ष्मण बाबा जी नंद पन्डा मनोज पटेल राजू यादव विनोद साहू जी गज्जू रायपुरिया बबलू साहू गुलाब साहू जी मनसुखा साहू चीन्टू साहू भोलू साहू जीवराखन ठेकेदार दिनेश साहू हरिश रैकवार डॉ धनेशवर साहू सुनील कहार बाबू लाल ठेकेदार कुणाल साहू संदिप सेन चंद्र कांत देवांगन कल्याण देवांगन रुपलाल टेलस नंदू साहू योगेश साहू मुनना गंधर्व वासुदेव सपरे उपसरपंच हेमंत तेली चेतन साहू प्रमोद सेन सुन्दर सपरे श्रीमती बबीता साहू सुनीता साहू देवकी साहू ललीता यादव लक्ष्मी साहू अंजू देवांगन देवश्री साहू संगीता सपरे टिकेशवरी सुलोचना ठाकूर कौशिलिया सेन हितेश पटेल दशरि बाई पटेल कु पुजा साहू कु डिम्पल कु वेदू कु नेहा कु सुरूची कु नेहा कु विननी साहू श्रीमती नीरा साहू एवं राजू बाबा सिवनी एम पी से आए एवं समस्त ग्राम वासी की विशेष सहयोग रहा यह जानकारी दरबार प्रति निधी चंद्र कांत कोसरे जी एवं श्री कुंजलाल साहू जी ने दी

### कलेक्टर ने रानीतराई में सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण का किया अवलोकन

**राजनांदगांव 8 अप्रैल ।** कलेक्टर श्री डोमन सिंह ने आज राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम रानीतराई में चल रहे छत्तीसगढ़ सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण 2023 कार्य का अवलोकन किया। कलेक्टर श्री सिंह ने प्रगणक दल के साथ ग्रामीणों से चर्चा की। उन्होंने ग्रामवासियों को सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण दल को सहयोग करने तथा आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की। उन्होंने इस सर्वेक्षण के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि शासन की योजनाओं का आकलन किया जाएगा तथा योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए सर्वेक्षण से प्राप्त डाटा का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी प्रगणक एवं पर्यवेक्षक तेजी के साथ इस दिशा में कार्य करें तथा निश्चित समयावधि में कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने सर्वेक्षण दल से फील्ड में आ रही दिक्कतों के बारे में जानकारी ली तथा समाधान के संबंध में चर्चा की। इस अवसर पर एसडीएम श्री अरूण वर्मा उपस्थित रहे।

### गांवों में अमृत सरोवर के निर्माण से हजारों ग्रामीणों को मिला रोजगार: संदीप अग्रवाल

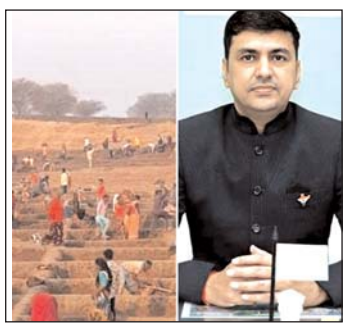

**कवर्धा, 8 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता) ।** जिलापंचायत कबीरधाम में ग्रामीण अंचलों में अमृत सरोवर के निर्माण कार्य में हजारों ग्रामीणों को रोजगार मिल रही है और अमृत सरोवर के निर्माण से जल संवर्धन और जल संचय के लिए भी उपयोगी साबित हो रही है । ग्रामीणों के चेहरे भी खुशी से खिल रहे है क्योंकि रोजगार मिल रही है । जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल ने बताया की शासन की योजनाओं का लाभ अच्छे से लोगो को मिले जिस पर हमेशा फोकस रहता है और 58 से अधिक गांवों में अमृत सरोवर का निर्माण हो चुकी है और गांवों में रोजगार मिलने से युवा , किसान महिलाए खुश है । सुबह से देर शाम तक शासकीय योजनाओं का लाभ अच्छे से मिले जिसके लिए गांवों का दौरा करते रहते है जिला सीईओ अग्रवाल और मीटिंग भी समय समय पर लेते रहते है और योजनाओं की समीक्षा भी करते रहते है ।

### जम्मू कश्मीर के दौरे पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष आशा तंबोली

**कवर्धा, 8 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता) ।** पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती आशा तंबोली और उनके पति श्याम तंबोली के साथ बेटे सुनीत तंबोली और बहु सहित बच्चे गुलमर्ग की शीतल हवाओं का आनंद ले रहे है और उन्होंने दूरभाष पर बताया की जम्मू कश्मीर के एनवायरमेंट को समझने का प्रयास कर रही है।

### सम्मान

### सांसद बघेल एवं डॉ. गोयल का सम्मान

**भिलाई, 8 अप्रैल।** दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल एवं वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ वीके गोयल का विगत दिवस भिलाई होटल में जन्मदिन पर सम्मान किया गया। अंतर्राष्ट्रीय चित्रकार एवं भिलाई इस्पात संयंत्र के अवकाश प्राप्त अधिकारी महेश चतुर्वेदी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कुसुम चतुर्वेदी सहित कपडे के थोक व्यवसायी सुरेश अग्रवाल, रॉबी गोयल, श्रीमती प्रीटी गोयल, चिराग बाबू आदि विशेष रूप उपस्थित होकर शहर की दोनों ही शख्सियतों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

### इंटीरियर डिजाइनर के घर से 45 लाख रुपये व 25 तोला सोने की चोरी

भिलाई, 8 अप्रैल। स्मृति नगर चौकी क्षेत्र इंटीरियर डिजाइनर के एक घर से 45 लाख रुपये नकद, 25 तोला सोना और आधा किलो चांदी के जेवर व एक 25 हजार रुपये की घड़ी चोरी हो गई। बदमाशों ने खिड़की का ग्रिल उखाड़ कर घर में चोरी की पुलिस ने अज्ञात आरोपित के खिलाफ प्राथमिकी कर उनकी तलाश शुरू कर दी है स्मृति नगर चौकी पुलिस ने बताया कि गुप्ता पटाखा दुकान के पीछे सड़क-24 स्मृति नगर में इंटीरियर डिजाइनर सौरभ जैन पत्नी ऋचा मिश्रा के साथ किराये के मकान में रहते है। गुरुवार दोपहर दो बजे पत्नी को मायके कादंबरी नगर दुर्ग में छोड़ा वहां से काम पर चले गए। रात करीब 11 बजे घर लौटे तो बेडरूम की अलमारी खुली थी और सारा सामान बिखरा था। अलमारी में रखे 45 लाख रुपये, 25 तोला सोना और आधा किलो चांदी के जेवर नहीं थे। सौरभ ने बताया कि व्यापारियों को भुगतान करने के लिए उन्होंने 45 लाख रुपये गिनकर घर में रखे थे वहीं दिसंबर 2021 में उसकी शादी हुई थी शादी में परिचितों और रिश्तेदारों ने उपहार में उसे सोने और चांदी के जेवर दिए थे ।

# बीएसपी ने दिया कौशल विकास योजना के तहत महिलाओं को प्रशिक्षण

**भिलाई, 8 अप्रैल।** सेल - भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड के सहयोग से निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तत्वावधान में नारी सशक्तिकरण के तहत कौशल विकास योजना में महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का अवलोकन महाप्रबंधक शिव राजन नायर के निर्देशानुसार सीएसआर टीम के विकास सहायक श्रीमती रजनी रजक, सहायक (सीएसआर) आशुतोष सोनी के द्वारा विगत दिनों निरीक्षण किया गया। राजहरा लौह अयस्क समूह बीएसपी के कौशल विकास योजना के तहत दुल्की

माइंस के ग्राम दुल्की में संचालित बांस शिल्प प्रशिक्षण में 25 महिलाएं प्रशिक्षण ले रही हैं। जिसमे कमकासुर, दुल्की कोस्मि, पुसे, वाडा, कट्टा पार की महिलाएं, जिसमें अधिकांशतः आदिवासी और बीपीएल (गरीबी रेखा के नीचे) वर्ग से संबंधित हैं। वे आज आत्मनिर्भर बन रही हैं। इस प्रशिक्षण के प्रशिक्षक श्री राहुल भगत जो जशपुर के विशिष्ट बांस शिल्पी है, बड़ी तन्मयता से बाँस से विविध घरेलू एवं सजावटी उत्पाद बनाना सिखा रहे है जैसे, ट्रे, मीरर फ्रेम, ब्रश होल्डर, कप स्टैंड, गुलदस्ता आदि के साथ बाँस की कुर्सी एवं राउंड टी टेबल, दैनिक ग्राम्य जीवन की बहुउपयोगी वस्तु जैसे टूकनी, चरिहा, सुपा, पर्री-पर्रा, झापी, झोऊहाँ भी बनाना सीखा रहे हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से आस-पास के ग्रामीणों में बहुत प्रसन्नता व्याप्त है और वे भिलाई इस्पात संयंत्र का आभार प्रकट कर रहे है। जो महिलाएं अब तक सिर्फ घर पर खाली बैठी थीं वे अब इस तरह के उत्पाद बना कर रोजगार प्राप्त कर स्वयं सिद्ध सशक्त बन परिवार को आर्थिक रूप से सहयोग भी करेंगी। प्रशिक्षण ले रही महिलाओं को प्रति माह (3000) तीन हजार रुपये प्रोत्साहन राशि मिल रही है। आगामी सप्ताह यह त्रैमासिक प्रशिक्षण पूर्ण होने जा रहा है।

### साहू समाज ने माधव का किया सम्मान

**राजनांदगांव।** ग्रामीण स्तरीय भक्त माता कर्मा जयंती समारोह ग्राम मचानपार में जिला साहू संघ राजनांदगांव के संगठन सचिव माधव साहू का श्रीफल व साल भेंट कर सम्मान किया गया ।साहू समाज मे तहसील व जिला के पदाधिकारी के रूप में लगातार समाज मे सेवा देने के लिए सम्मानित किया गया इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित समाज सेविका श्रीमती जयश्री साहू,श्रीमती पीलू साहू,ग्राम अध्यक्ष हेमचंद साहू,सचिव पूना निखिल साहू उनके सम्मान पर बधाई ज्ञापित किया।

### आडियल रिलीफ ट्रस्ट ने किया राशन किट का वितरण

**भिलाई, 8 अप्रैल।** रमजान प्रोजेक्ट 2023 के तहत आडियल रिलीफ ट्रस्ट संस्था दिल्ली की तरफ से शहर के अलग-अलग स्थानों पर गरीब परिवारों को रमजान के मुबारक महीने में राशन किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम के आयोजक साबिर भाई ने बताया कि इस फूड किट में 10 किलो आटा, 2 किलो दाल, 5 किलो चावल, 2 किलो चना, 1 किलो नमक, 1 किलो बेसन, 1 किलो खजूर सहित अन्य सामग्री शामिल है। हम उद्देश्य है कि वंचित परिवार के लोग भी अल्लाह की इबादत इत्मीनान से करें। जिनकी आमदनी कम और परिवार ज्यादा हैं उनका चयन कर हम किट वितरित करते हैं। ट्रस्ट से जुड़े नियाज़ अहमद ने बताया कि भिलाई के अंदर 300 फूड किट वितरण करने का का लक्ष्य है, हम उस ओर लगातार बढ़ रहे हैं। फूड किट का वितरण का वितरण प्रत्येक रमजान के महीने में किया जाता है ।

### बाइक चोर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

**भिलाई, 8 अप्रैल।** कुम्हारी थाना क्षेत्र बाइक चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी कुम्हारी रामनगर देवार पारा निवासी देवेन्द्र देवार ( 19 वर्ष ) ने चार माह पहले बाइक चोरी की थी छावनी सीएसपी आशीष बंछोर ने बताया कि आरोपी देवेन्द्र देवार चोरी की बाइक बेचने के फिराक में घूम रहा था।। मुखबिर से सूचना मिलने पर टीम को भेजा गया बाइक समेत आरोपी पकड़ा गया पूछताछ में चोरी स्वीकार करते हुए बताया कि 4 माह पूर्व जलाराम मिष्ठान्न के सामने खड़ी बाइक चोरी की थी।

### मोबाइल चोर गिरोह को पुलिस ने किया गिरफ्तार

**भिलाई, 8 अप्रैल।** खुर्सीपार पुलिस ने शातिर मोबाइल चोर गिरोह को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरोह में कुल तीन आरोपित हैं, जिनमें एक अपचारी भी शामिल है। आरोपितों के पास से चोरी के पांच मोबाइल जब्त किए गए हैं। पुलिस ने सभी आरोपितों के खिलाफ चोरी की धारा के तहत कार्रवाई की है। खुर्सीपार टीआई वीरेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि एमपीआर रोड खुर्सीपार के हनुमान मंदिर के पुजारी रामाश्रय मिश्रा ने अपने मोबाइल चोरी की शिकायत की थी। वे एक अप्रैल को मंदिर के बगलमें कपड़े धो रहे थे। साबुन खत्म होने पर अपना मोबाइल नल के पास रखे टेबल पर छोड़कर वे मंदिर के अंदर साबुन लेने के लिए गए थे इसी अज्ञात आरोपित ने टेबल रखे मोबाइल को चोरी कर लिया। घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। एक सीसीटीवी कैमरे से एक आरोपित का सुराग मिला। आरोपित के चेहरे के साथ ही उसका हेयर स्टाइल भी दिखा जिसमें आरोपित के सिर पर दो धारी वाली कटिंग थी उस आधार पर पुलिस ने पतासाजी शुरू की और आरोपित की पहचान शुक्ला टिंबर के पीछे खुर्सीपार निवासी शुभम दीप ( 22 ) के रूप में की गई। आरोपित को बाबा बालक नाथ मंदिर के पास से घेराबंदी कर पकड़ा गया।

# निशुल्क मोबाइल हेल्थ पैथ लैब से एक हजार से अधिक लोगों को मिली स्वास्थ्य जांच की सुविधा

**कवर्धा, 8 अप्रैल।** स्वस्थ समाज और बेहतर स्वास्थ्य जांच सुविधा के लक्ष्य के साथ भावना समाज सेवी संस्थान द्वारा संचालित निशुल्क मोबाइल हेल्थ पैथ लैब से क्षेत्रवासियों को लाभ मिल रहा है। राष्ट्रोत्कर्ष अभियान के तहत ग्राम रणवीरपुर में ऋग्वेदीय पूर्वाम्नाय गोवर्धनमठ जगन्नाथपुरी के पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज द्वारा भावना समाज सेवी संस्थान द्वारा संचालित इस मोबाइल हेल्थ पैथ लैब का शुभारम्भ कर जनता की सेवा में समर्पित किया गया था। केवल दो माह में इस मोबाइल हेल्थ पैथ लैब के माध्यम से अब तक 1000 से अधिक क्षेत्रवासियों को निशुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध की जा चुकी है।हमर गाँव,स्वस्थ गाँव के लक्ष्य के साथ भावना समाज सेवी संस्थान की संस्थापिका और कबीरधाम जिला पंचायत की सभापति भावना बोहरा द्वारा सराहनीय प्रयास करते हुए आमजनों को स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मोबाइल हेल्थ पैथ लैब का निःशुल्क संचालन किया जा रहा है।

इसके माध्यम से अब तक कबीरधाम जिले के ग्राम रणवीरपुर में 130 से अधिक, ग्राम बनिया में 168, ग्राम कुंआ में 160, ग्राम चोरभट्ठी में 150, ग्राम कांपादाह में 133, ग्राम बम्हनी में 50, ग्राम दुल्लापुर में 124, ग्राम दामापुर में 70 और ग्राम कुंडा में 164 से अधिक लोगों का निशुल्क स्वास्थ्य परिक्षण किया जा चुका है तथा उचित उपचार हेतु नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र एवं चिकित्सकों से सलाह लेने के सुझाव दिए गए। इस मोबाइल हेल्थ पैथ लैब के माध्यम से एक वर्ष में 30 हजार से अधिक लोगों तक इसका लाभ पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। भावना बोहरा ने कहा कि क्षेत्र में स्वास्थ्य उपकरण और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण क्षेत्रवासियों को हो रही परेशानियों को देखकर उसके समाधान हेतु प्रयास करने का मन में भाव आता था। आज हमारे लिए प्रसन्नता का विषय है कि इस सेवा के माध्यम से कई गांवों के ग्रामीण इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। ÷जन सेवा÷ और ÷स्वास्थ्य सुरक्षा%% की जिस भावना से हमने अपनी इस मुहिम की शुरुआत की, उसके उद्देश्य को हासिल करने में हम आप सभी के सहयोग से सफल होंगे। आज इस सेवा की शुरुआत होने से हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत जरूरतमंद लोगों को उनके गाँव में ही बेहतर स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध हो रही है। इससे उन्हें लम्बी दूरी तय करने की समस्या से भी निजात मिल रही है और उनके समय एवं पैसो दोनों की बचत हो रही है जिससे उन्हें मानसिक व आर्थिक संबल मिल रहा है।जरूरतमंद एवं गरीब लोगों की सेवा,सुरक्षा एवं सहायता के लिए अनवरत कार्य करने वाली भावना बोहरा ने बताया कि इस निशुल्क मोबाइल हेल्थ यूनिट के माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 30 हजार से अधिक लोगों को इसका लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। क्षेत्र के प्रत्येक ग्राम में जाकर वहां निवासरत लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ 20 से भी अधिक अलग-अलग, जटिल व सामान्य जांच निशुल्क किया जाएगा जो निजी लैब में लगभग 200 से 2000 रुपये तक में की जाती है, वह सुविधा अब लोगों को उनके क्षेत्र, मोहल्ले एवं गाँव में मिल रही है जिससे उनके चेहरों पर आई खुशी को देखकर मन को संतुष्टि मिलती है ।

# शराबबंदी पर सीएम ने कहा-मुझे राजस्व की नहीं, आप लोगों की चिंता ज्यादा है

**मेरे एक आदेश पर प्रदेश में शराबबंदी हो जाएगी, लेकिन कसम खाएं कि कोई नशा नहीं करेगा**

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता




**दुर्ग 8 अप्रैल।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शराबबंदी को लेकर बड़ा बयान दिया है। सीएम बघेल ने दुर्ग में भेंट-मुलाकात के दौरान सीएम बघेल ने कहा कि मुझे राजस्व की चिंता नहीं है। आप लोगों की चिंता ज्यादा है। लोग यहां पर कसम खाएं कि वह शराब छोड़ देंगे। गुड़ाखू नहीं करेंगे। मैं एक आदेश पर शराबबंदी कर देता हूं। उन्होंने कहा कि मेरे लिए मेरी जनता पहले है। उनकी जान की कीमत मेरे लिए ज्यादा है।

दरअसल, दुर्ग में भेंट मुलाकात के दौरान एक महिला ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से प्रदेश में शराबबंदी किए जाने की मांग की महिला ने कहा, शराब सेवन से कई परिवार परेशानी में हैं इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि शराब ही नहीं संपूर्ण नशा बंदी की बात होनी चाहिए उन्होंने कहा कि मेरे एक आदेश पर प्रदेश में शराबबंदी हो जाएगी, लेकिन लाकडाउन के दौरान हमने देखा है जब पूरा देश बंद था तो भी अवैध शराब की बिक्री हो रही थी, क्योंकि लोग इसका सेवन कर रहे थे.

उन्होंने कहा, लाकडाउन में शराब नहीं मिलने पर रायपुर में सैनिटाइजर का सेवन से तीन लोगों को मौत हो गई थी. बिलासपुर में भी एक दवा का सेवन से लोगों को मौत हुई थी.उन्होंने कहा, जनता के जान से बढ़कर कोई चीज नहीं है, लेकिन लोग भरोसा दिलाएं कि शराब सेवन नहीं करेंगे .मुख्यमंत्री ने कहा, शराब ही नहीं संपूर्ण नशाबंदी की बात होनी चाहिए द्य उन्होंने कहा, लाकडाउन में शराब ही नहीं लोगों ने गुड़ाखू भी ऊंची कीमत पर खरीद कर उसका सेवन किया नशाबंदी के लिए सामाजिक जागरूकता की जरूरत है।

भेंट-मुलाकात के दौरान एक महिला ने मुख्यमंत्री से कहा कि कका गैस सिलिंडर की कीमत करवा दो, इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इसकी कीमत केंद्र में बैठी सरकार तय करती है, राज्य सरकार नहीं,उन्होंने कहा कि पहले गई सिलिंडर के दाम बढ़ते थे तो स्मृति ईरानी और सरोज पांडेय धरना पर बैठ जाते थे,मुख्यमंत्री ने उक्त महिला से कहा कि दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल आएंगे तो उनसे कहना कि गैस सिलिंडर के दाम कम करवा दें।

## ग्राम गंजमंडी में मुख्यमंत्री ने दी कई विकास कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान आज दुर्ग शहरी विधानसभा के ग्राम गंजमंडी पहुंचे। उन्होंने गंजमंडी में क्षेत्र के विकास के लिए कई विकास कार्यो की सौगात दी। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने घोषणा की कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए बोरसी और पटरीपार में आत्मानंद स्कूल खोला जाएगा। उन्होंने नगर निगम दुर्ग के कार्यालय भवन का निर्माण और विधानसभा के विभिन्न वार्डो में बेडमिन्टन कोर्ट व खेल मैदानों का उन्नयन कराने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि जेल तिराहा से मिनी माता चौक तक फोरलेन सड़क और बघेरा में ब्रह्मकुमारी आश्रम के सामने सड़क निर्माण कराया जाएगा।

## एक नजर

## सुशील कसेर को भाजपा सोशल मीडिया के सह संयोजक की जिम्मेदारी

**छुरिया 8 अप्रैल।** भाजपा युवा मोर्चा राजनांदगांव के निवर्तमान सोशल मीडिया प्रभारी सुशील कसेर को भाजपा संगठन द्वारा बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।इन्हें भारतीय जनता पार्टी राजनांदगांव के सोशल मीडिया सह संयोजक व खुज्जी विधानसभा सोशल मीडिया टीम के प्रभारी के पद पर नियुक्त किया गया है। सुशील कसेर ने बताया यह जिम्मेदारी बड़ी है



निश्चित रूप से यह जिम्मेदारी बड़ी है मैं पूर्ण रूप से अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन करूंगा, सोशल मीडिया के माध्यम से कांग्रेस की मायावीय सरकार की नाकामी को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे, जनता ने मन बना लिया है निश्चित रूप से 2023 में भारतीय जनता पार्टी का छत्तीसगढ़ में कमल खिलेगा, सुशील कसेर ने सोशल मीडिया सह संयोजक व सोशल मीडिया टीम में विधानसभा प्रभारी के रूप मे नियुक्त किए जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह जी, प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव जी, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह जी,सांसद संतोष पांडेय जी, पूर्व सांसद मधुसूदन यादव जी, जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश पटेल जी, आई टी व सोशल मीडिया प्रभारी गिरी चावला जी, सोशल मीडिया संयोजक जय शर्मा जी व संगठन के शीर्ष नेतृत्व व वरिष्ठ नेताओं को आभार व्यक्त किया है।

## हनुमान जी दंगा करने व करवाने वाले दुष्टों का देर सबेर नाश करेंगे : रिजवी

**रायपुर 8 अप्रैल।** मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष तथा वरिष्ठ अधिवक्ता इकबाल अहमद रिजवी ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का भाजपा के 44वें स्थापना दिवस समारोह पर किए गए कथन कि ''हनुमान जी सभी प्रकार के दुष्टों का नाश करते हैं'' उसके पीछे मोदी जी का अनुभव भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने दुष्टों को सबक भी दिखाया है। अब वह लोग दुष्ट हैं या नहीं इसका फैसला तो ईश्वर ही करेंगे। दुष्ट भी तो ईश्वर के द्वारा ही बनाऐ जाते हैं तथा दुष्टों का नाश भी वही करता है। रिजवी ने कुछ घटनाक्रमों का हवाला देते हुए कहा है कि दंगा करने एवं करवाने वाले भी दुष्टों की श्रेणी में आते हैं तथा उन दुष्टों का नाश देर सबेर अवश्य होता है। रिजवी ने कहा है कि गोधरा, गुजरात एवं दिल्ली के दंगे भाजपा शासन काल में ही घटित हुए हैं जिनमें निर्दोषों को भी मौत के घाट उतार दिया गया था। गुजरात दंगों में खास करके अहमदाबाद के दंगों में मोदी मंत्रीमंडल की सदस्य माया कोडनानी तथा बाबू बजरंगी दिन दहाड़े दंगाईयों का नेतृत्व कर रहे थे तथा दंगाईयों का नंगा नाच तीन दिनों तक चलता रहा तथा इस बीच तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा गृहमंत्री अमित शाह का प्रशासनतंत्र मूकदर्शक एवं तत्कालीन शासन की नाकामी को दर्शाता है। इतिहास ऐसे दंगा करने एवं करवाने वालों को कभी माफ नहीं करेगा।

## भाजपा का हिमाचल से बुरा हाल कर्नाटक में होगा

**रायपुर 8 अप्रैल।** पूर्व पार्षद व पूर्व जोन अध्यक्ष नहरपारा, इंदिरा गांधी वार्ड रमेश आहूजा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पूरा जोर लगाने के बाद भी जिस प्रकार हिमाचल में डबल इंजन की सरकार फेल हो गई उसी प्रकार



कर्नाटक में भी भाजपा का गियर बाक्स काम नहीं करेगा लिहाजा भाजपा की गाड़ी जहां की तहां थम जाएगी। हकीकत तो यह है कि अब मोदी का सायलेंसर कार्बन से जाम हो गया है और भाजपा का एक्सीलेटर और पिस्टन धोखा दे दिया है। शाकब बैठ गया है। कर्नाटक चुनाव में सीट भी उड़ जाएगी। भाजपा का केवल ब्रेक काम कर रहा है। इसी कारण पार्टी के चक्के जाम हो गए हैं। आहूजा ने कहा है कि भाजपा पहली बार नरेन्द्र मोदी की सर्वाधिक 21 सभाएं कर्नाटक विधानसभा चुनाव में करने जा रही है। ज्ञात हो कि चुनाव मई में है। भाजपा को समझ आ गया है कि अब जीत आसान नहीं है। जगह-जगह से पंचर ट्यूब में सभाओं का सुलोसन लगाने का प्रयास किया जा रहा है। मल्लिकार्जुन खरगे के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद उनके गृह राज्य में यह पहला चुनाव है। खरगे इस अग्नि परीक्षा में पूरी तरह से सफल होंगे। भाजपा का दक्षिण में विजय का द्वार खुलने का सपना टूट जाएगा। वह औंधे मुंह करेगी। भाजपा का भरोसा यदुरप्पा बूढ़े हो गहैं। उनका जादू खत्म हो गया है। भाजपा को कोई भरोसे का युवा व लोकप्रिय चेहरा नहीं मिल रहा है। चुनाव घोषित होने के पहले 124 प्रत्याशियों की घोषणा करने का लाभ कांग्रेस को मिलेगा। कर्नाटक में सरकार का हैंडिल आम जनता कांग्रेस के हाथों में ही थमाएगी। भाजपा का हिमाचल से बुरा हाल कर्नाटक में होगा।

# वनांचल में शिक्षा से बना रहे हैं बच्चों का भविष्य : प्रेमसाय

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता




**मोहला 8 अप्रैल।** स्कूल शिक्षा एवं आदिम जाति कल्याण विभाग तथा सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने अंबागढ़ चौकी विकासखंड के ग्राम करमतरा में 68 लाख 64 हजार रूपए की लागत से नवनिर्मित नवीन हाई स्कूल भवन तथा मोहला विकासखंड के ग्राम आलकन्हार में 1 करोड़ 11 लाख रूपए की लागत से नवनिर्मित नवीन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम करमतरा में हायर सेकेण्डरी स्कूल उन्नयन और कन्या छात्रावास की घोषणा की। स्कूल शिक्षा डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने नये स्कूल भवन बनने पर सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि किसी क्षेत्र में स्कूल खोलना सौभाग्य की बात होती है, लेकिन स्कूल भवन बनना परम सौभाग्य की बात होती है। आप सभी वनांचल क्षेत्रों में यहां के बच्चों का भविष्य गढ़ रहे हैं वह सराहनीय कार्य है। यहां के बच्चे ने प्रयास, एकलव्य, नवोदय, नीट जैसे परीक्षाओं में सफलता पाई है। उन्होंने कहा कि इस विद्यालय के खुलने से आसपास के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी। कोरोना काल में सबसे ज्यादा नुकसान पढ़ाई में हुआ। उन्होंने कहा कि हमारे शिक्षकों के प्रयास से ऑनलाइन पढ़ाई और पढ़ई तुँहर द्वार से शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार होता रहा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शिक्षा के क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य किया है। प्रदेश में मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत स्कूल, आश्रम, छात्रावास भवन की मरम्मत के लिए प्राक्कलन मांगा गया है। इसे बच्चों को स्कूल में सुविधा होगी। स्कूल शिक्षा डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कहा कि स्कूल एवं शिक्षा के क्षेत्र में बहुत अच्छा काम किया है। प्रदेश में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल संचालित किया गया है। प्रदेश में लगभग 280 में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल संचालित है। जिससे हर वर्ग के बच्चों को समान शिक्षा मिल रही है। प्रत्येक विकासखण्ड में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोला गया है। जो अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम से पढ़ाई हो रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 101 नए आत्मानंद खुलेंगे। शिक्षा आज के समय में सबसे बड़ा हथियार है। जो समाज एवं परिवार में जाएगा तभी परिवार आगे बढ़ेगा। उन्होंने अभिभावक से बच्चों को स्कूल जरूर भेजने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पहला ऐसा राज्य जहां 4 हजार रूपए प्रति मानक बोरा के मान से तेन्दूपत्ता खरीदा जा रहा हैं। राज्य सरकार ने लघु वनोपज बढ़ावा देते हुए महुआ को 17 रूपए से बढ़ाकर 30 रूपए प्रति किलो ग्राम खरीदने का निर्णय लिया। जिससे वनवासियों को आर्थिक लाभ हुआ। इस मौके पर मंत्री टेकाम ने नवोदय, प्रयास, एकलव्य एवं नीट की परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मान पत्र दिया। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्राचार्य, प्रधानपाठक एवं शिक्षकों को सम्मानित किया। संसदीय सचिव एवं मोहला-मानपुर विधायक इंद्रशाह मंडावी ने कहा कि कुछ समय पहले नये जिला की सौगात मिली है और आज हाई स्कूल की सौगात मिली है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हमारे क्षेत्र का विकास हो रहा है। आज राज्य उन्नति के शिखर में पहुंचा है वह काबिले तारीफ है। इस मौके पर अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग श्रीमती तेज कुंवर नेताम, सदस्य जीव जंतु कल्याण बोर्ड संजय जैन, जिला पंचायत सदस्य बिरेन्द्र मसिया, अध्यक्ष जनपद पंचायत श्रीमती कुमारी जुरेशिया, एसडीएम हेमेन्द्र भुआर्य, जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव राजेश सिंह, सहायक जिला परियोजना समन्वयक सतीश ब्योहारे, सरपंच सुमन लाल गांवरे सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षक, स्कूल बच्चे एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। शिक्षा अधिकारी केके बंजारे ने स्वागत भाषण दिया। हायर सकेण्डरी स्कूल आलकन्हार के प्राचार्य और हाई स्कूल कमरतरा के प्राचार्य ने स्कूल का प्रतिवेदन पढ़ा।

# सचिव संघ की बेमुद्दत हड़ताल को जोगी कांग्रेस ने दिया समर्थन

**धमतरी/ नगरी 8अप्रैल।** जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे ) के जिला अध्यक्ष उत्तम साहू ने सचिव संगठन के हड़ताल को समर्थन दिया, उन्होंने धरना स्थल रावण भांठा मैदान में पहुंच कर ब्लाक अध्यक्ष अनित कुमार ध्रुव को समर्थन पत्र देकर उनके मांगों का समर्थन किया, इस मौके पर जिला अध्यक्ष ने कहा कि सचिव संघ अपने हक और अधिकार की मांग को लेकर विगत 16 मार्च से काम बंद कर हड़ताल पर हैं, इतने दिनों के बाद भी सरकार के तरफ से कोई पहल नहीं किया जा रहा है जिससे पता चलता है कि सरकार की अंहकार पूरे चरम पर है उन्होंने आगे कहा कि हड़ताल से पंचायतों में कामकाज पूरी तरह से ठप्प हो गया है जरूरतमंद ग्रामीणों के कार्य नहीं होने से उनकी परेशानियां बढ़ गई है, सरकार के हठधर्मिता का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है साथ ही शासन के महत्वकांक्षी योजना गोबर खरीदी रिपा कार्य गौठान के समस्त कार्य सहित मनरेगा जन्म मृत्यु पंजीयन राशन कार्ड प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण



सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सुखद सहारा पेंशन मुख्यमंत्री पेंशन राष्ट्रीय परिवार सहायता श्रद्धांजलि योजना पेयजल व्यवस्था शौचालय निर्माण वन अधिकार पट्टा वितरण स्वामित्व योजना सर्वेक्षण ग्राम सभा बजट सहित समस्त निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है हड़ताल के 24 दिनों के बाद भी सरकार के तरफ से कोई पहल नहीं होने से आम जनता को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है

इस मौके पर हड़ताली सचिवों में संतोष ध्रुव भोलाराम साहू राधेलाल मरकाम बिंदेश्वर यादव खूबचंद ध्रुव पीलाराम सेन प्रमोद महिलांगे लक्ष्मी साहू मदन सेन, रैन कुमार ध्रुव लखनराम मरकाम भीखराय कुलदीप आसतराम समरथ सुरेश कुमार ध्रुव सुखदेव भारती बलराम सोरी रोहित साहू, रेवत लाल साहू रामभरोस भूपेंद्र साहू, बलराम नरेटी, मिश्रीलाल नाग, प्रेमलाल ध्रुव, कोमल नेताम, परमानंद ध्रुव, विष्णुराम नेताम, ममता नेताम, यशोदा कोर्राम सहित सभी पंचायत सचिव उपस्थित रहे।

# साहू समाज को समाजिक समरसता बनाना जरूरी है: ताम्रध्वज साहू

**राजनांदगांव 8 अप्रैल।** आदर्श ग्राम सुरगी में 6 एवं 7 अप्रैल को दो दिवसीय तहसील स्तरीय मां कर्मा जयंती समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के तहत 6 अप्रैल को कलश शोभायात्रा एवं मां कर्मा मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा , प्रसादी खिचड़ी वितरण 7 अप्रैल को मां कर्मा की सामूहिक पूजा एवं ध्वजारोहण, आमंत्रित अतिथियों का स्वागत एवं संबोधन , सम्मान समारोह, प्रतिभा सम्मान ,वरिष्ठ नागरिक सम्मान, महाप्रसादी (खिचड़ी) भोजन भंडारा हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ताम्रध्वज साहू मंत्री गृह लोक निर्माण थे। प्रमुख अतिथि टहल सिंह साहू प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ साहू समाज, थानेश्वर साहू अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग छत्तीसगढ़ शासन, दीपक ताराचंद साहू समाज सेवी थे।कार्यक्रम कीअ अध्यक्षता भागवत साहू अध्यक्ष जिला साहू संघ राजनांदगांव ने किया ।विशेष अतिथि श्रीमती गीता घासी साहू अध्यक्ष जिला साहू संघ राजनांदगांव,लखन लाल साहू प्रदेश महामंत्री छत्तीसगढ़ साहू संघ,डॉ नीरेंद्र साहू संरक्षक जिला साहू संघ राजनांदगांव, मोतीलाल साहू संरक्षक जिला साहू संघ राजनांदगांव, श्रीमती अंजनी साहू प्रदेश साहू संघ व सह प्रभारी जिला साहू संघ राजनांदगांव, आनंद साहू अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ प्रदेश साहू संघ, महामंत्री जिला साहू संघ राजनांदगांव, श्रीमती मधु सुकृत साहू सदस्य पूर्व जिला पंचायत,हेमंत साहू अध्यक्ष तहसील साहू संघ डोंगरगांव ,कुलेश्वर साहू अध्यक्ष नगर साहू संघ राजनांदगांव, विशेष आमंत्रित अतिथि गण पदम कोठारी अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी, श्रीमती नीरा साहू उपाध्यक्ष जिला साहू संघ, शैलेंद्र साहू उपाध्यक्ष जिला साहू संघ, मदन साहू उपाध्यक्ष जिला साहू संघ श्रीमती तेजेश्वरी साहू उपाध्यक्ष जिला साहू संघ, मदन साहू उपाध्यक्ष ज़िला साहू संघ, माधव साहू संगठन सचिव जिला साहू संघ, घासी राम साहू समाज सेवी ,मिलाप साहू संयोजक न्याय प्रकोष्ठ ,मुनेश्वरी साहू संयोजिका नगर साहू संघ, सरिता साहू, लीना साहू ,राजेश्वरी साहू आतिथ्य में हुआ। मुख्य अतिथि ताम्रध्वज साहू गृह मंत्री ने सर्वप्रथम पुलिस चौकी सुरगी में भगवान हनुमान जी का पूजा अर्चना किया तत्पश्चात ग्राम सुरगी के शीतला मंदिर में पूजा अर्चना कर भूमि पूजन किया तत्पश्चात भक्त माता कर्मा के मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा में पूजा अर्चना किया और सामुदायिक भवन का लोकार्पण भूमि पूजन किया। मुख्य अतिथि ताम्रध्वज साहू गृह मंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भक्त माता कर्मा जयंती की आप सभी को बहुत-बहुत हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि साहू समाज के नियमावली का प्रकाशन कर के सभी गांवों में बटवाए और समाज के नियमावली को पढ़ें और सब के सब नियमावली का अमल करें। साहू समाज सबसे बड़ा समाज है पूरे प्रदेश में संख्या के बल में साहू समाज बड़ा है हम सभी को अपने विचार से भी बड़ा बनना होगा।

## मंत्री ने किया शीतला मंदिर सुरगी में भूमिपूजन

**राजनांदगांव 8 अप्रैल।** समीपस्थल ग्राम सुरगी में शीतला माता मंदिर पुजा अर्चना कर भूमि पुजन मुख्य अतिथि ताम्रध्वज साहू गृह लोक निर्माण धर्मस्य मंत्री अध्यक्षता पदम कोठारी जिलाध्यक्ष ग्रामीण कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव विशेष अतिथि भागवत साहू जिलाध्यक्ष साहु समाज राजनांदगांव मोती साहु संरक्षक साहू समाज योगेन्द्र दास वैष्णव महामंत्री जिला किसान कांग्रेस सुकृति दास साहु समाजसेवी तिलोक चन्द जैन समाजसेवी सरपंच आंनद साहू के अतिथि में भूमिपूजन किया तथा सरपंच आंनद साहू ने मंत्री जी अवगत कराया कि पहले सुरगी में 150तालाब था अभी 30तालाब है राजनांदगांव के राजा ने सुरगी से रानी सागर राजनांदगांव एवं टप्पा तक सुरंग बनाया था जिसके कारण सुरगी नाम ग्राम कहलाया सुरगी शीतला मंदिर में दो तालाब बीच होने के कारण दोनों तरफ प्रवेश द्वार मांग रखा पंचायत प्रतिनिधि एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहा।



## शादी का प्रलोभन देकर नाबालिग से दुष्कर्म

**मोहला 8 अप्रैल।** नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को अम्बागढ़ चौकी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, प्रार्थी मामला दर्ज कराया गया कि सात जनवरी की रात्रि नाबालिग पुत्री बिना बताए घर से कहीं चली गई है तथा शंका जाहिर किया कि मेरी पुत्री को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकर भगाकर कहीं ले गया होगा, कि सूचक की रिपोर्ट पर थाना अंबागढ़ चौकी में गुम इंसान क्रमांक 04/2023 एवं अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध अपराध क्रमांक 09/2023 धारा 363 भा0द0वि0 कायम कर जांच/विवेचना में लिया गया7 दौरान विवेचना के गुम बालिका को आरोपी पन्ना लाल साहू निवासी संबलपुर के कब्जे से बरामद कर महिला पुलिस अधिकारी से बालिका का कथन कराया गया, नाबालिग बालिका ने अपने कथन में बताया कि आरोपी उसे अपने प्रेम जाल में फंसाकर उसे घटना दिनांक 07.01.2023 को उसे शादी करने का प्रलोभन देकर भगाकर चेन्नई ले गया और लगातार दुष्कर्म करता रहा, दिनांक 05.04.2023 को आरोपी अपने घर आया था इस दौरान अंबागढ़ चौकी पुलिस आरोपी के घर पहुंचकर गुम बालिका को बरामद करना बताई7 प्रकरण में आरोपी पन्ना लाल साहू पिता खेदूराम साहू उम्र 24 साल निवासी संबलपुर थाना डोंगरगांव जिला राजनांदगांव के विरुद्ध धारा 366, 376(2)(ढ) भा0द0वि0, 4, 6 पॉक्सो एक्ट जोड़ी जाकर दिनांक 07.04.2023 को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया।



## भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने स्थापना दिवस पर समाज के वरिष्ठों का किया सम्मान

**रायपुर 8 अप्रैल।** 6 अप्रैल भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस पर भाजपा के सभी मोर्चा प्रकोष्ठों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम किए गए इसी कड़ी में



अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा जिला अध्यक्ष नासिर खान के नेतृत्व में मुश्लिम समाज के वरिष्ठों का सम्मान किया गया भाजपा जिला अध्यक्ष जयंती भाई पटेल ,प्रदेश कार्यकरणी सदस्य मिर्जा एजाज बेग , जिला उपाध्यक्ष अकबर अली एवं अमरजीत छाबड़ा की विशेष उपस्थिती में अल्पसंख्यक मोर्चा रायपुर जिला द्वारा शहर के मोतीबाग में स्थित महिला मुस्लिम हॉल में मुस्लिम समाज के वरिष्ठ नागरिकों जिनमे सूफी मौलाना इलियास,अकबर अली,मौलाना अमीर बेग,मौलाना सरफुद्दीन,मौलाना सलाम,इमरान अशरफी,हामिद गुड्डू,परवेज कुरेशी , जीशान, मो. मोबिन, मोजजन मेमन सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के वरिष्ठ गणमान्य नागरिकों का शॉल , श्रीफल एवं माला पहना कर स्वागत किया गया , इस अवसर पर जिला अध्यक्ष जयंती भाई पटेल ने कहा कि अब यह मिथक भी टूट चुका है जिसमे कहा जाता था कि अल्पसंख्यक समाज भाजपा के पक्ष में मतदान नही करता बहुत सी ऐसी विधानसभा लोकसभा के नतीजे भाजपा के पक्ष में आए हैं जहाँ अल्पसंख्यक समाज निर्णायक भूमिका में है लोगो मे जागरूकता की वृद्धि हुई है अब कोई भी समाज किसी राजनीति दल का परंपरागत मतदाता नही वह अपने हितों को जानता है और उसी अनुसार मतदान में अपनी भूमिका निभाता है हम आज भाजपा स्थापना दिवस में यहाँ पधारे समस्त वरिष्ठ गणमान्य नागरिकों का अभिनंदन एवं स्वागत करते है । प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मिर्जा एजाज बेग ने कहा कि भाजपा ने असल मायने में सर्वांगीण विकास की परिकल्पना को साकार करने कार्य किया है सबका साथ सबका विकास एक नारा मात्र नही भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसको धरताल पर चरितार्थ किया है राजनीतिक दलों द्वारा विभिन्न आडंबर किए जाते रहे परन्तु अल्पसंख्यक समाज को केवल वोट बैंक की तरह उपयोग किया उनके विकास और समृद्धि के लिए कोई प्रयास नही किए मगर आज केंद्र की भाजपा सरकार बहुत सी ऐसी योजनाएं चला रही है जिससे हमारे समाज को सबलता मिले , सामाजिक विकास हो और यही कारण है की अब भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा से जुड़ने वालो की संख्या में गुणात्मक वृद्धि हुई है ।

# कलश यात्रा एवं हवन-पूजन के साथ नवनिर्मित मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति स्थापित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**अंवरी 8 अप्रैल।** ग्राम सेमरा (भखारा)में प्राचीन दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर का दान दाताओं के सहयोग से नवनिर्माण किया गया है।जिसमें हनुमान प्रकटोत्सव के पावन अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई।साथ ही हवन पूजन कर श्री हनुमान जी की प्रतिमा को विधि विधान से स्थापित किया गया। बुधवार को दोपहर 2 बजे ग्राम सेमरा बी में सैंकड़ो महिलाओं एवं बालिकाओं ने हनुमान मंदिर से बाजे गाजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई।जो पूरे गांव का भ्रमण कर वापस मंदिर स्थल पहुंची।इस दौरान डीजे की धुन पर युवाओं ने जमकर नाचे।दूसरे दिन गांव में कामकाज बंद



रख गुरुवार को सुबह 11बजे से पंडित संजीव तिवारी गुजरा के द्वारा पूरे विधि विधान से हवन पूजन किया और मंदिर का उद्घाटन करदक्षिणमुखी हनुमानजी की प्राचीन प्रतिमा को स्थापित किया गया।पश्चात आरती कर खीर पूड़ी, चना का प्रसादी वितरण किया।शाम को 6 बजे से संगम मानस परिवार सेमरा तथा रात्रि में श्री प्रज्ञा मानस मण्डली कोपरा राजिम के द्वारा मानस गान एवं भजन संध्या का कार्यक्रम हुआ। पूरे कार्यक्रम में सरपंच बिनेश्वरी सिन्हा, ग्रामीण अध्यक्ष माधव राम साहू,नरोत्तम सिन्हा, दीनदयाल साहू, नारायण प्रसाद जोशी,कन्हैया लाल साहू, मोतीराम विश्वकर्मा, कन्हैया देवांगन, लखनलाल सिन्हा, ईश्वर साहू,लोकेश सिन्हा, मन्नूलाल यादव, डोमन सिन्हा, राजेन्द्र साहू,राजेश सिन्हा, लक्ष्मीकांत गजेंद्र, महेश देवांगन, दिलीप सेन, पुरषोत्तम सेन, बलराम साहू, भूपेंद्र ठाकुर, जितेंद्र ठाकुर, कुमार साहू, कुमलेश्वर साहू, देवचरण सिन्हा सहित मंदिर नवनिर्माण में जुड़े सदस्यों एवं ग्रामीण महिलाएं बड़ी संख्या शामिल हुए।

# भाजपा मंडल कार्यकर्ताओं ने मनाया स्थापना दिवस, किया वरिष्ठजनों का सम्मान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**नगरी/मगरलोड 8 अप्रैल।** विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी का 44 वां स्थापना दिवस भाजपा मंडल मगरलोड जिला धमतरी छत्तीसगढ़ के शक्ति केंद्र मोहदी के बुथ केंद्र बेलोरा में मंडल स्तरीय स्थापना दिवस 6 अप्रैल 2023 दिन गुरुवार को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया और इस अवसर को यादगार बनाने के लिए वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के लिए कमल पुष्प सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। मां भारती, महान पुरुषों के तैल चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर प्रदेश वा जिला भाजपा के निर्देशानुसार मंडल मगरलोड के सभी बूथों पर बुथ अतिथि के द्वारा बुथ अध्यक्ष निवास स्थान पर पार्टी का ध्वजा रोहन किया गया । सभी बूथों पर दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा एवम भारत के यशस्वी प्रधानमन्त्री विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी जी के उद्बोधन को सुना गया, जिसमें उन्होंने जनसंघ से लेकर भाजपा के इतिहास ,संघर्ष काल,वर्तमान एवम पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के उपलब्धि ,देश की जनता का भारतीय जनता पार्टी के प्रति अटूट विश्वास, विश्व पटल पर नए भारत की भूमिका,वर्तमान चुनौतियां ,भविष्य की कार्ययोजनाओं ,वर्तमान उपलब्धियों, नर सेवा ही नारायण सेवा जैसे मूलमंत्र, भाजपा नेताओं के सर्वोच्च बलिदान पर अपने विचार को साझा किया एवम हनुमान जन्मोत्सव और भाजपा स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित किए। तत्पश्चात् कमल पुष्प सम्मान समारोह कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन कार्यक्रम प्रभारी ग्राम पंचायत बेलोरा के सरपंच प्रतिनिधि रोहित यादव ने दिया, भाजपा मंडल मगरलोड अध्यक्ष विजय यदु द्वारा देवतुल्य कार्यकर्ताओं का अतिथियों का स्वागत सम्मान अभिवादन एवम पार्टी के लिए किए गए कार्यो के प्रति आभार माना,कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम जी द्वारा जनसंघ से लेकर भाजपा के विचारों,ध्येय,संकल्प, रीति नीति,उद्देश्य, एकात्म मानववाद दर्शन एवम आगामी कार्ययोजनाओं पर अपने विचार रखे। राष्ट्रीय मंत्री किसान मोर्चा पूर्व विधायक सिहावा पिंकी शिवराज शाह ने विपरीत परिस्थितियों में भी पार्टी को शून्य से शिखर तक ले जाने के लिए कठिन परिश्रम और अथक प्रयास भाजपा के यात्रा को बताया, प्रदेश पिछड़ा वर्ग मोर्चा के सदस्य सत्रुघ्न साहू ने कहा कि भाजपा के मुठ्ठी भर कार्यकर्त्ताओं के बदौलत जिनके त्याग और तपस्या से पार्टी यहां तक पहुंचा है उनका सम्मान भाजपा सदैव करती है ।

इनका अनुभव और पदचिन्हों पर चलकर राष्ट्रवादी विचारधारा और देश को सर्वोच्च सम्मान दिलाने का कार्य करेंगे।जिला भाजपा उपाध्यक्ष नरेश सिन्हा ने कहा कि दधीचि की तरह हड्डियों को जलाकर विघटनकारी शक्तियों से लोहा लेते हुए पार्टी को स्थापित किए हैं सभी को नमन है बताया की भाजपा का बीज जो बोया गया था आज वही वटवृक्ष बनकर देश को आगे बढ़ा रहा है, ऐसे वरिष्ठ जनों का अनुभव भाजपा की मूल पूंजी है। भाजपा मंडल मगरलोड प्रभारी राजेंद्र गोलछा ने कहा कि जिनके त्याग और बलिदान से पार्टी आज खड़ी है वह नींव का पत्थर है पार्टी ने 6 अप्रैल से 14 अप्रैल तक पार्टी के सेवा कार्ययोजना के बारे में और बुथ सशक्तिकरण अभियान पर समीक्षात्मक विचार व्यक्त किए। कमल पुष्प सम्मान समारोह में आए सभी देवतुल्य कार्यकर्ताओं ने भाजपा मंडल मगरलोड के इस आयोजन के लिए दिल खोलकर आशीर्वाद प्रदान किए और इस आयोजन को आज तक का एतिहासिक पल बताए।कार्यक्रम का संचालन भाजपा मंडल मगरलोड महामंत्री रामायण सिन्हा द्वारा,आभार प्रकट ग्राम पंचायत बेलोरा सरपंच लोकेश्वरी रोहित यादव द्वारा,समापन की घोषणा मंडल अध्यक्ष विजय यदु की अनुमति से ग्राम बेलोरा के स्थानीय समिति बुथ अध्यक्ष फनेन्द्र यादव ने किया।

## संपादकीय

# भाजपा का चार दशक का सफर

भाजपा की स्थापना को चार दशक से ज्यादा हो गया है। देखा जाए तो चार दशक का समय किसी पार्टी के विकास के लिए बहुत कम होता है। इतने कम समय में भाजपा ने जो कुछ हासिल किया है, वह उसके कार्यकर्ताओं व नेताओं की मेहनत का परिणाम है। दो सीट से 303 सीट प्राप्त करने का सपना किसी तरह से आसान नहीं था। उस पार्टी के लिए जिसके पास संसाधन नहीं थे,पूरे देश में जिनका संगठन नहीं था। प्रमुख राजनीतिक दल कांग्रेस उसे बरसों राजनीतिक अछूत बनाए रखा। उसे राजनीति की मुख्य धारा में आने नहीं दिया। भाजपा के लिए पहली चुनौती यह थी कि उसे राजनीति की मुख्य धारा में शामिल होना था। इस रास्ते में कांग्रेस ही सबसे बड़ी बाधा थी कांग्रेस जानती थी कि भाजपा जैसा हिंदूवादी संगठन जिस दिन राजनीति की मुख्य धारा में स्थान बना लेगी। उसकी स्वीकार्यता बढ़ते देश में देर नहीं लगेगी। यही वजह है कि वह अपना ब्रम्हास्त्र धर्मनिरपेक्षता का इस्तेमाल कर भाजपा को दूसरे दलों को दूर रखती थी। धर्मनिरपेक्ष कहलाने के लिए सभी दल भाजपा से कोई राजनीतिक संबंध नहीं रखते थे। इससे भाजपा राजनीतिक रूप से अछूत बनी रही। वह भारत की राजनीति में रहकर भी भारत की राजनीति में किसी काम की नहीं थी, किसी भी दल के लिए उसका कोई उपयोग नहीं था। इससे भाजपा को राजनीतिक रूप से कोई सफलता भी नहीं मिलती थी। भाजपा का लक्ष्य था कांग्रेस का विकल्प बनना। जब तक वह राजनीति के मुख्य धारा में नहीं आती उसके लिए कांग्रेस का विकल्प बनना मुश्किल काम था। उसे भारत की राजनीति की मुख्य धारा में आने का मौका वीपी सिंह के समय मिला। वामपंथी तो पहले से ही कांग्रेस के साथ होने के कारण राजनीति की मुख्य धारा में थे, वीपी सिंह न भाजपा को पहली बार राजनीति की मुख्य धारा में शामिल होने का मौका दिया। जब वीपी सिंह सरकार को भाजपा ने बाहर से समर्थन दिया। इससे भाजपा को देश की मुख्य धारा की राजनीति में अहम भूमिका निबाहने का मौका मिला। इसका फायदा उठाकर अटल बिहारी बाजपेयी व लालकृष्ण आडवानी ने राम मंदिर का मुद्दा उठाकर हिंदूवादी राजनीति की शुरुआत की। इससे भाजपा का हिंदी बेल्ट में जनाधार बढ़ा लेकिन उसका पूर्ण बहुमत की सरकार का सपना पूरा नहीं हुआ। भाजपा ने अटल-आडवानी के समय जिस हिंदूवादी राजनीति की नीव रखी थी। उस पर बुलंत ईमारत बनाने का काम अभी बाकी था। इस काम को पूरा करने के लिए एक ऐसे नेता की जरूरत थी। जो कांग्रेस की राजनीति को बदल देने में भाजपा की राजनीति का दौर ला सके। 2014 तक देश की राजनीति की राजनीति की दिशा मोटे तौर पर कांग्रस ही तय करती थी. बाकी दल उस दिशा में कांग्रेस के साथ चलने में ही अपना भला समझते थे। भाजपा के लिए गुजरात के सीएम नरेंद्र मोदी ऐसे नेता साबित हुए जिन्होंने भाजपा का सबसे शक्तिसाली दल बनाकर,भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का सपना साकार किया। भाजपा को कांग्रेस का विकल्प बनाने का काम अटल बिहारी बाजपेयी व लालकृष्ण आडवानी ने किया। दूसरा सपना पूर्ण बहुमत की सरकार को नरेंद्र मोदी ने साकार किया। दूसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाकर नरेंद्र मोदी तो भाजपा के ऐसे नेता हो गए। जिनका पार्टी में कोई मुकाबला ही नहीं था। सारे नेता उनके सामने बौने हो गए। पार्टी में वहीं हुआ जो पीएम मोदी ने चाहा। भारतीय राजनीति में इतने ऊंचे कद वाले नेता कम ही हुए हैं। ऐसे नेता जवाहर लाल नेहरी, इंदिरा गांधी ही थे। इसकी वजह यह है कि पीएम नेता जमीन से जुडे हुए, दूरदर्शी नेता हैं,वह जानते हैं कि जनता से कैसे संवाद किया जाता है,जनता को कैसे भरोसा दिलाया जाता है कि वही उनके लिए सबसे अच्छा काम कर सकते हैं। वह सबसे ईमानदार नेता है, वह देश में भ्रष्टाचार को दूर करने में यकीन करने वाले नेता हैं। वह गरीबों की तकलीफ दूर करने वाले नेता है। वह देश की सुरक्षा करने में सक्षम नेता है, वह देश की संस्कृति की रक्षा व संरक्षण करने वाले नेता हैं। उन्होंने दुनिया में देश का सम्मान बढ़ाया है। देश की गिनती दुनिया के बड़े व शक्तिशाली देशों में होती है तो उनकी विदेश नीति के कारण होती है। पीएम मोदी ने मात्र नौ साल में वह सब करके दिखा दिया है, जिसे बाकी दल असंभव मानते थे। पीए मोदी अगर आज कहते हैं कि हनुमान के लिए जिस तरह कुछ भी असंभव नहीं है, वैसे ही भाजपा के लिए कुछ भी असंभव नहीं है तो उस पर देश की जनता के साथ भाजपा कार्यकर्ता भी यकीन करते हैं तो यही नरेंद्र मोदी का जादू है।यह जादू 2014 के बाद से सर चढ़कर बोल रहा है।

## आज का राशिफल

**मेष : (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)**

आज का दिन आपको सामाजिक क्षेत्र से मान-सम्मान दिलाएगा। आप भी आज परोपकार में रुचि लेंगे। धार्मिक क्षेत्र पर भी दान पुण्य करने के अवसर मिलेंगे परन्तु दिखावे की वृत्ति भी रहेगी। ठाठ-बाट की जीवनशैली रहने पर समाज में आपकी पहचान धनी जैसी बनेगी। कार्य क्षेत्र पर आज समय कम देंगे फिर भी अल्प समय में दिन भर की पूर्ति हो जाएगी।

**वृष : (ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)**

आज का दिन आपको किसी न किसी रूप में लाभ देकर जाएगा। दिन के आरंभी भाग में आलस्य दिखाएंगे मेहनत से बचने की मानसिकता रहने से आवश्यक कार्यो में विलंब होगा जिससे घर के सदस्यों से फटकार भी सुनने को मिलेगी। दोपहर का समय कार्य व्यवसाय के लिये शुभ रहेगा प्रतिस्पर्धा कम रहने से इसका जमकर लाभ उठाएंगे धन की आमद आशासे अधिक होगी लेकिन सहकर्मी का व्यवहार आज परेशान करने वाला रहेगा फिर भी संध्या से पूर्व ही दिन भर की पूर्ति कर लेंगे।

**मिथुन : (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा)**

आज के दिन भी सेहत का साथ कम मिलेगा लेकिन बीते कल की तुलना में सुधार भी आयेगा। मध्यान तक कार्यो के प्रति लापरवाही करेंगे सोचने में ही समय खराब होगा मध्यान बाद व्यवसाय में अधूरे कार्य को पूर्ण करने की चिंता में रहेंगे प्रयास करने पर भी पूरे नही कर सकेंगे अधिकारी वर्ग से अनबन होगी। लेकिन थोड़ा बहुत धन लाभ जोड़ तोड़ कर कही न कही से अवश्य हो जाएगा।

**कर्क : (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)**

आज के दिन सुख शांति की चाह में रहेंगे लेकिन फल इसके विपरीत ही मिलेगा। आज दिन के पूर्वार्ध को छोड़ मध्यान बाद तक किसी न किस काम से भाग दौड़ लगी रहेगी। घर मे आज मन नही लगेगा लेकिन कई दिनों से लटके घरेलुकार्य आज एकसाथ सर पर आने से असहजता बनेगी फिर भी मध्यान तक धीरे धीरे काफी हद तक पूर्ण कर लेंगे।

**सिंह : (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)**

आज के दिन आपको कार्य क्षेत्र पर कल जैसी अनुकूलता नही मिलेगी फिर भी छोटे मोटे कार्यो में सफलता मिलने से धन की आमद निश्चित होगी। शरीर आलस्य में रहने के कारण आज ज्यादा उलझनों में पड़ने से बचेंगे घरलू कार्य भी चार बाते सुनने के बाद ही करेंगे। मध्यान तक दिनचार्य अस्त व्यस्त रहेगी मित्र अथवा रिश्तेदारी में जाने के कारण अन्य कार्यो में फेरबदल करना पड़ेगा।

**कन्या : (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)**

आज आप दिन के आरंभ से ही आलस्य में भरे रहेगें मध्यान तक कि दिनचर्या धीमी रहेगी इसके बाद भी काम तो करेंगे लेकिन ध्यान कही और ही रहेगा। कार्य व्यवसाय में धन लाभ के अवसर अवश्य मिलेंगे लेकिन आज सुख सुविधाओं को बढ़ाने पर आवश्यकता से अधिक खर्च करेंगे जिससे धन संचय नही हो पायेगा।

**तुला : (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)**

आज के दिन आपके हानि लाभ बराबर रहेंगे धन लाभ समय से थोड़ा विलंब से होगा जिससे थोड़ी असुविधा होगी इसके कारण कार्यक्रम में बदलाव भी करना पड़ेगा। मध्यान बाद दिनचर्या स्थिर बनेगी पर व्यस्तता भी बढ़ेगी कार्य क्षेत्र के साथ सामाजिक व्यवहारों के लिये भी समय निकालने से परेशानी आएगी घर के बड़ो का सहयोग मिलने से इसका भी समाधान हो जाएगा।

**वृश्चिक : (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)**

आज का दिन भी छोटी मोटी घटनाओं से अशांत बनेगा फिर भी बीच बीच में थोड़ी शांति भी रहेगी। प्रातः काल घर के सदस्यों से बीती बातो के कारण मतभेद रहेंगे केवल मतलब से ही व्यवहार करेंगे लेकिन मध्यान बाद स्थिति बदलेगी घर के सभी सदस्य स्वार्थ से एक मत होंगे बाहर घूमने पर्यटन के अवसर मिलने से भी कड़वाहट में कमी आएगी लेकिन घर के बुजुर्गो को आज संतुष्ट नही कर पाएंगे।

**धनु : (ये, यो, भा, भी, भू, ध, फा, ढा, भे)**

आज का दिन भी आपके लिये कुछ न कुछ लाभ देकर जाएगा दिन के आरंभ में कामो की गति धीमी रहेगी दैनिक कार्य भी आलस्य में करेंगे लेकिन मध्यान से पहले बाहर घूमने की योजना बनने पर शरीर मे चुस्ती आ जायेगी दिन का अधिकांश समय यात्रा पर्यटन में बीतेगा उत्तम भोजन वाहन सुख मिलने से मन प्रसन्न भी रहेगा लेकिन सेहत में नरमी आने से रंग में भंग पड़ने वाली स्थिति बनेगी।

**मकर : (भो, जा, जी, खी, खू, खा, खो, गा, गी)**

आज के दिन आपका स्वभाव बीते कुछ दिनों से संतोषि रहेगा। आज धन संबंधित उलझने रहने के बाद भी पारिवारिक कार्यो एवं आपसी संबंधों को अधिक महत्त्व देंगे। मध्यान तक घर मे कोई न कोई आपसे असंतुष्ट रहेगा लेकिन संध्या बाद खर्च करने के बाद नाराजगी प्रसन्नता में बदल जाएगी मनोरंजन सुख वृद्धि के लिये खर्च में कमी नही करेंगे।

**कुंभ : (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)**

आज का दिन आपके लिये शुभफलदायी रहेगा स्वभाव में थोड़ी चंचलता अवश्य रहेगी लेकिन इससे आस पास का वातावरण खुशनुमा ही बनाएंगे। कार्य क्षेत्र पर आज किसी के भटकाने से गलत निर्णय हो सकते है देखभाल कर ही कार्य करें व्यवसाय में चाहकर भी निवेश करना पड़ेगा इसका भविष्य में सामान्य लाभ मिल जाएगा। सेहत में आज सुधार रहेगा।

**मीन : (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)**

आज का दिन हानिकर रहने वाला है किसी भी कार्य मे जल्दबाजी से बचे सोच समझकर अनुभवी व्यक्ति की सलाह के बाद ही कोई कदम उठाए। कार्य व्यवसाय आज भगवान भरोसे रहेगा लाभ होते होते किसी अन्य के पक्ष में जाने से निराशा होगी। आज जहां से सहायता की उम्मीद लगाएंगे वही आपको टरकायेगा ज्यादा जोर देने पर आगे के लिये संबंध खराब होने का भर रहेगा।

# नफरती सोच एवं हेट स्पीच पर न्यायालय की सख्ती

**प्रासंगिक**

**ललित गर्ग**

राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक ताने-बाने को ध्वस्त कर रहे जहरीले भाषणों की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। संकीर्णता एवं साम्प्रदायिकता का उन्माद एवं 'हेट स्पीच' के कारण न केवल विकास बाधित हो रहा है बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता भी खण्ड-खण्ड होने के कगार पर पहुंच गयी है। अब तो ऐसा भी महसूस होने लगा है कि देश की दंड व्यवस्था के तहत जहां 'हेट स्पीच' को नये सिरे से परिभाषित करने की आवश्यकता है वहीं इस समस्या से निपटने के लिए 'हेट स्पीच' को अलग अपराध की श्रेणी में रखने के लिए कानून में संशोधन का भी वक्त आ गया है? राजनेताओं एवं तथाकथित धर्मगुरुओं के नफरती, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ भाषणों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार फिर कड़ी टिप्पणी की है। एक मामले पर दो दिनों तक चली सुनवाई में अदालत ने केंद्र सरकार से पूछा कि ऐसे नफरती भाषणों के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई हुई है? हालांकि सर्वोच्च न्यायालय पहले भी अलग-अलग मामलों की सुनवाई करते हुए राजनेताओं और धार्मिक संगठनों से जुड़े लोगों को सार्वजनिक मंचों से बोलते वक्त संयम बरतने की नसीहत दे चुका है, मगर इस प्रवृत्ति में कोई सुधार नजर नहीं आता।

कई बार तो ऐसा महसूस होता है कि समाज एवं राष्ट्र में उन्माद, अराजकता एवं अशांति पैदा करने के लिए नफरती भाषण देने की विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता एवं संप्रदायों के कतिपय स्वनामधन्य नेताओं में परस्पर होड़ लगी हुई। इस संबंध में धर्म संसदों में आपत्तिजनक भाषण, राजनीतिक सभाओं में घृणा एवं नफरती बोल एवं विभिन्न चैनलों पर बहस के दौरान आपत्तिजनक टिप्पणियां के दौरान हेट स्पीच के मामलों ने गंभीर एवं जटिल स्थितियों को जन्म दिया है। इस तरह भारत की गौरवमय संस्कृति को धुंधलाना, 'वसुधैव कुटुम्बकम' एवं सर्वधर्म सद्भाव के मंत्रों को ध्वस्त करना, भारत की एकता और अखण्डता को बांटना अक्षम्य अपराध है। इसलिये इनदिनों देश के ताजा मामलों में सर्वोच्च न्यायालय ने 'हेट स्पीच' एवं नफरती बयानों-भाषणों पर तल्ख टिप्पणी की है। दो न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि नेता जिस दिन राजनीति में धर्म का इस्तेमाल छोड़ देंगे, नफरती भाषण भी बंद हो जाएंगे। भारत के लोग दूसरे समुदायों के लोगों का अपमान न करने, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं सद्भावना कायम करने का संकल्प क्यों नहीं लेते? अदालत ने जवाहरलाल नेहरू और अटल बिहारी बाजपेयी का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके भाषणों को लोग दूर-दूर से सुनने आत थे। वैसी नजीर अब कोई नेता क्यों पेश नहीं करना चाहता। अदालत ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि लोग समुदाय विशेष को लेकर ही नफरती भाषणों के खिलाफ चुनिंदा तरीके से मुकदमें क्यों दर्ज कराते हैं। उनमें सभी समुदायों और पंथों के खिलाफ दिए गए नफरती भाषणों पर सख्ती क्यों नहीं दिखाई जाती।

सर्वोच्च न्यायालय लंबे समय से ऐसे भाषणों, बयानों और तकरीरों के खिलाफ सख्त रहा है। बात केवल मुस्लिम कट्टरता एवं नफरती बयानों की ही नहीं है, करीब दो महीना पहले महाराष्ट्र में आयोजित सकल हिंदू समाज की रैली को लेकर भी न्यायालय ने निर्देश दिया था कि राज्य सरकार सुनिश्चित करे कि वहां कोई नफरती भाषण न होने पाए। उस रैली की वीडियो रिकार्डिंग का भी आदेश दिया था। जब जगह-जगह धर्म संसद करके समुदाय विशेष के खिलाफ नफरती और भड़काऊ भाषण दिए गए थे, तब भी अदालत ने सरकार को सख्त लहजे में इस पर काबू पाने को कहा था। मगर राजनीतिक दलों के प्रवक्ताओं और नेताओं को शायद ऐसी अदालती आदेशों-निर्देशों की कोई परवाह नहीं है। खुद सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात का उल्लेख किया है कि टीवी चैनलों पर आए दिन राजनीतिक दलों के प्रवक्ता सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले वक्तव्य देते रहते हैं। राजनेताओं से किसी भी ऐसे आचरण की अपेक्षा नहीं की जाती, जिससे सामाजिक ताने-बाने पर बुरा प्रभाव पड़ता है। मगर इस दौर की राजनीति का स्वरूप कुछ ऐसा बनता गया है कि दूसरे धर्मों, संप्रदायों, समुदायों के खिलाफ नफरती भाषण देकर अपना जनाधार बढ़ाने का प्रयास किया जाने लगा है। निश्चित ही यह विकृत एवं घृणित सोच वोट की राजनीति का हिस्सा बनती जा रही है। जाहिर है, उसमें भाषा की मर्यादा एवं शालीनता का भी ध्यान नहीं रखा जाता। स्थिति की गंभीरता का अनुमान इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि अब तो राजनीतिक दलों के नेताओं के अलावा धार्मिक नेता भी अपने प्रवचनों में उत्तेजना और कटुता पैदा करने वाले शब्दों का ज्यादा इस्तेमाल करने लगे हैं। इस प्रवृत्ति पर अविलंब अंकुश लगाने की आवश्यकता है ताकि इस समस्या को नासूर बनने से पहले ही इस पर प्रभावी तरीके से नियंत्रण पाया जा सके। उम्मीद है कि विधि आयोग की रिपोर्ट पर केंद्र की ठोस कार्यवाही नहीं करने के बावजूद अब देश की शीर्ष अदालत हेट स्पीच के मुद्दे को लेकर जागरूक होते हुए उचित दिशा-निर्देश दे रही है।

पूरे विश्व में आज जब हिंदुस्तान का डंका बज रहा है, तो देश के भीतर और देश के बाहर बैठी 'भारत विरोधी शक्तियां' एकजुट होकर साम्प्रदायिक सौहार्द एवं राष्ट्रीय एकता के ताने-बाने को क्षत-विक्षित करना चाहती है। ऐसी शक्तियां किसी भी तरह भारत से विकास का एक कालखंड छीन लेना चाहती हैं। भारत के लोगों में सहन करने की अद्भुत शक्ति रही है, लेकिन विदेशी ताकतें एवं देश की विरोधी शक्तियां उन्माद एवं नफरत के बीज बौने के तरह-तरह के षड्यंत्र रचते रहते हैं। सोचने की बात तो यह है कि साम्प्रदायिक भावनाओं एवं नफरती सोच को प्रश्रय देने वाले सम्प्रदाय एवं समुदाय खतरे से खाली नहीं हैं। उनका भविष्य कालिमापूर्ण है। तभी सर्वोच्च न्यायालय में इन मामलों की सुनवाई कर रही बेंच की अगुवाई कर रहे जस्टिस जोसेफ ने संयम, सहिष्णुता एवं सौहार्द की उपयोगिता को व्यक्त करते हुए कहा, 'सहिष्णुता क्या है? सहिष्णुता का सही अर्थ किसी को बर्दाश्त करना नहीं, बल्कि मतभेदों को स्वीकार करना है।' जरूरत है कि हमारे समाज में ऐसे मतभेदों को स्वीकारते हुए मनभेद को न पनपने दे। निश्चित ही राजनीतिक एवं साम्प्रदायिक स्वार्थों के चलते देश को जोड़ने की बजाय तोड़ने के प्रयास हो रहे हैं, जो अक्षम्य है। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी से स्पष्ट है कि इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए सरकारों को संजीदगी दिखाने की जरूरत है। मगर विडंबना है कि ऐसे देश तोडक मामलों को रोकने की जरूरत नहीं समझी गई और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता एवं धर्मगुरु विद्वेष पर भाषण देते रहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की ताजा टिप्पणी को राजनीतिक दल एवं विभिन्न सम्प्रदायों के धर्मगुरु-धर्मनेता कितनी गंभीरता से लेंगे, यह कहना मुश्किल है। क्या भारत के लोग खुद ही संकल्प नहीं ले सकते कि वे दूसरे नागरिकों और समुदायों का अपमान नहीं करेंगे। आजादी के अमृत-काल में नफरत एवं उन्माद की आंधी को नियंत्रित करने के लिये विभिन्न धर्मों के बीच एकता, सौहार्द और समन्वय का उद्घोष करना होगा। तभी समूचा भारत नफरती सोच एवं हेट स्पीच के अशोभनीय-परिवेश से मुक्त होगा। तभी विनाश-शक्ति की अपेक्षा जीवन-शक्ति अधिक प्रभावशाली साबित होगी।

# ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों के लिए एक उमंग रणजीत सिंह फुलिया

**शिक्षादूत**

**– डॉ सत्यवान सौरभ**



सन 2004 में नौकरी से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर डॉ. रणजीत सिंह फुलिया ग्रामीण क्षेत्रों के, विशेषकर हरियाणा और आस -पास के छह राज्यों -- राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश के 700 से अधिक सरकारी और निजी विद्यालयों के छात्रों को पढ़ाने और मार्गदर्शन देने का काम कर चुके हैं। डॉ. रणजीत विद्यार्थियों को अंग्रेजी व्याकरण, अंग्रेजी बोलचाल, संप्रेषण कला के विभिन्न पहलू, सामान्य ज्ञान, इतिहास,भूगोल और भारत की राजनीतिक प्रणाली पर मार्गदर्शन भी देते हैं, ताकि छात्रों को आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी तैयार किया जा सके। ऐसे विशेषज्ञ और निस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले शिक्षक के रूप में आपकी निःशुल्क सेवाएं विशेषकर ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को एक नए उमंग- उत्साह और जज्बे से सराबोर कर रही हैं।

सन 1958 में, गांव अटावला, जिला पानीपत, हरियाणा में जन्मे डॉ. रणजीत सिंह फुलिया एक शिक्षाविद, लेखक और समाज सेवक हैं। आपने मुख्यतः सरकारी स्कूलों में शिक्षा ग्रहण की। आपके पिताजी का नाम श्री संत राम और माताजी का नाम श्रीमती भारती देवी था। दोनों ही भारतीय संस्कृति के उदात्त स्वरूप तथा मानवीय मूल्यों में गहरी आस्था रखते थे तथा उन्होंने बच्चों को भी ऐसे ही श्रेष्ठ संस्कार दिए।

आपका परिवार आर्य समाज की विचारधारा से प्रभावित था और संत-शिरोमणि सतगुरु रविदास, सद्गुरु कबीर आदि महापुरुषों की शिक्षाओं पर चलकर, अंधविश्वास तथा पाखंड से दूर था। बालक रणजीत बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि थे और पढ़ाई में बहुत रुचि रखते थे। आपने गांव के सरकारी स्कूल से मिडिल परीक्षा पास की और पड़ोसी गांव अदियाना के उच्च विद्यालय से मैट्रिकुलेशन परीक्षा प्रथम श्रेणी में और प्रथम रहकर पास की। आर्य कॉलेज, पानीपत से स्नातक की पढ़ाई करते हुए भी आप पूरे करनाल जिले में प्रथम या द्वितीय स्थान पर रहते थे तथा अनेक बार सम्मानित भी हुए।

आगे एमए की पढ़ाई के लिए बड़े भाई डॉक्टर राज रूप फुलिया के पास नई दिल्ली चले गए। दिल्ली विश्वविद्यालय से एम. ए. की पढ़ाई करते हुए ही आपने प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण कर सन 1980 में इन्डियन एयरलाइन्स में ट्रैफिक असिस्टेंट की नौकरी कर ली, जहां स्व. राजीव गांधी जी (तत्कालीन पायलट, बाद में भारत के प्रधान मंत्री बने) के सहकर्मी रहे। आपके सबसे बड़े भाई अनूप सिंह भारतीय वायु सेना में कार्यरत थे। बड़े भाई डॉक्टर राज रूप फुलिया सन 1980 में यूपीएससी द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षा पास कर इंडियन इकोनॉमिक सर्विस, सन 1981 में आईआरपीएस और फिर सन 1983 में आईएएस अधिकारी बन गए और अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा के पद से सेवानिवृत्त हुए।

रणजीत जी सन 1982 में प्रतियोगी परीक्षा पास कर, नेशनल इंश्योरेंस कंपनी में प्रथम श्रेणी अधिकारी नियुक्त हुए और वरिष्ठ शाखा प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल प्रबंधक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। बाईस वर्ष सेवा करने के बाद, सन 2004 में नौकरी से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर आप ग्रामीण क्षेत्रों के, विशेषकर हरियाणा और आस - पास के छह राज्यों -- राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश के 700 से अधिक सरकारी और निजी विद्यालयों के छात्रों को पढ़ाने और मार्गदर्शन देने का काम कर चुके हैं। डॉ. रणजीत विद्यार्थियों को अंग्रेजी व्याकरण, अंग्रेजी बोलचाल, संप्रेषण कला के विभिन्न पहलू, सामान्य ज्ञान, इतिहास,भूगोल और भारत की राजनीतिक प्रणाली पर मार्गदर्शन भी देते हैं, ताकि छात्रों को आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी तैयार किया जा सके।

डॉ. रणजीत जी दिल्ली विश्वविद्यालय से अनुवाद में डिप्लॉमा ( गोल्ड मेडलिस्ट) और भारतीय विद्या भवन से पत्रकारिता डिप्लोमा धारक हैं। इन्होने सन 2015 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से ÷हरियाणा में वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा प्रशासन÷ पर पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में *पीएच. डी.* की डिग्री भी प्राप्त की है। आप अंग्रेजी की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका *द वर्ल्ड रिन्यूअल* के सह - संपादक हैं और आप द्वारा लिखित एक सौ से अधिक लेख , साक्षात्कार, कविताएं आदि प्रतिष्ठित पत्र - पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। आप द्वारा छह पुस्तके अनूदित/संपादित होकर छप चुकी हैं।

विद्यार्थियों का विभिन्न विषयों में ज्ञान बढाने के उद्देश्य से डॉ. रणजीत जी ने अनेक टेस्ट पेपर तैयार किए हैं जिनके द्वारा छात्रों की बुद्धिमत्ता का आकलन करने के बाद, शैक्षिक पुस्तकों , शब्दकोशों, व्याकरण और सामान्य ज्ञान पर पुस्तकों आदि के रूप में वे हरियाणा, पंजाब, दिल्ली,राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश व मध्य प्रदेश के 700 से अधिक स्कूलों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों जैसे औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, महाविद्यालय और विद्यालय (सरकारी तथा निजी) आदि में दस हजार से अधिक छात्रों को सम्मानित कर चुके हैं। ये सभी स्वैच्छिक और निःशुल्क प्रयास , ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को अभूतपूर्व उमंग और उत्साह प्रदान करते हैं।

हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्र में खोले गए अनेक पुस्तकालयों में भी विद्यार्थियों को निःशुल्क मार्गदर्शन देते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी स्वैच्छिक और निःशुल्क सेवाओं के कारण आपको अनेक विद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है, जैसे *-÷फिफ्टी विलेजर्स सेवा संस्थान÷* और *÷कलाम आश्रम÷,* बाड़मेर, *÷टर्निंग प्वॉइंट* ÷ तारानगर, *नवोदय क्रांति* और *मंथन* ( दोनों सरकारी शिक्षकों के स्वैच्छिक समूह) तथा प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट, नारनौल द्वारा सन 2021 में उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान। अनेक विद्यालयों और शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा भी आपको सम्मानित किया गया है।

डॉ. रणजीत सिंह फुलिया विद्यार्थियों के आदर्श शिक्षक और अध्यापकों के सच्चे मार्गदर्शक के रूप में विख्यात हैं। ये अंग्रेजी भाषा को बड़े ही सरल तरीके से पढ़ाते हैं और हजारों विद्यार्थी इनसे इंग्लिश बोलचाल भी सीख रहे हैं। उन सभी विद्यार्थियों के वीडियो आपने सोशल मीडिया पर साझा भी किए हैं, जिनसे पूरे भारत देश के विद्यार्थी प्रेरणा ले रहे हैं। ऐसे विशेषज्ञ और निस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले शिक्षक के रूप में आपकी निःशुल्क सेवाएं विशेषकर ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को एक नए उमंग- उत्साह और जज्बे से सराबोर कर रही हैं।

# भुलावों में जीने वाले

**डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त' (व्यंग्य)**

मंत्री जी सेक्रेटरी के रग-रग से वाकिफ़ थे। उन्होंने सेक्रेटरी की चिंता का कारण पूछा। सेक्रेटरी ने कहा ङ्क साहब! पाँच साल पहले आप इसी तरह तैयार होकर भाषण देने गए थे और सौभाग्य से सांसद भी बन गए। लेकिन सच्चाई यह है कि आपका किया एक भी वादा पूरा नहीं हुआ। अब हम किस मुँह से जनता का सामना करेंगे? अगर कहीं जनता भड़क गयी तो लेने के देने पड़ जायेंगे। मंत्री जी सिगरेट का कश लगाते हुए बड़े इत्मिनान के साथ कहा ङ्क देखो सेक्रेटरी! यह जनता भी बड़ी अजीब होती है। यदि वे मुर्गमुसल्लम खा रहे हों और उनसे वह थाली छीन ली जाए तो वे रोटी-सब्जी खाने लगते हैं। अगर रोटी-सब्जी छीन ली जाए तो चावल-दाल खाने लगते हैं। और चावल-दाल छीन ली जाए तो पानी पीकर रह जाते हैं। जनता बड़ी जुगाड़ु होती है। ऐसे में अगर उनसे यह वादा कर दिया जाए कि हम घर के प्रत्येक सदस्य को दस-दस किलो चावल मुफ्त देंगे तो वे अपना मुर्गमुसल्लम भुलाकर फिर से हम पर विश्वास करने लगेंगे। यह जनता किसी सिगरेट से कम नहीं है। पाँच साल तक इनका जितना कश लगाया जा सकता है, लगाओ और किए हुए वादों को धुएँ के माफिक़ हवा में गायब हो जाने दो। जनता हमेशा आज में जीती है। इसलिए तुम चिंता मत करो। मेरे पास जनता को बहलाने के बहुत सारे वादे हैं। वादों के दो बिस्कुट फेंकते ही कुत्ते की तरह दुम हिलाते हुए मेरे आगे-पीछे हिलने-डुलने लगेगी। सो जल्दी करो, कहीं विपक्षी नेता आकर हमसे बड़ा वादा न कर जाएँ।

## सेहत : फेशियल ऑयल क्या है?

फेशियल ऑयल चेहरे पर प्राकृतिक चमक लाने और इसे हाइड्रेट रखने में मदद कर सकता है। ये तेल आमतौर पर पौधों के अर्क, एंटी-ऑक्सिडेंट, गैर-कॉमेडोजेनिक वनस्पति तेलों और एसेंशियल ऑयल्स से बने होते हैं, जो त्वचा को नरम, पोषित और संतुलित करते हैं। ये आपकी त्वचा को प्रदूषक कणों और सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से भी बचाते हैं। आइए आज हम आपको त्वचा की देखभाल के लिए फेशियल ऑयल के इस्तेमाल का सही तरीका बताते हैं।

फेशियल ऑयल चेहरे पर लगाया जाने वाला पोषक तत्वों से भरपूर तेल होता है। यह आपकी त्वचा में नमी और हाइड्रेशन से भरपूर बनाने में मदद करता है। यह तेल त्वचा में गहराई तक प्रवेश करता है और सीबम के उत्पादन को नियंत्रित करते हुए इसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की आपूर्ति करता है। यह चेहरे को चिकना किए बिना महीन रेखाओं और झुर्रियों को कम करने में भी सहायक है।

चेहरे के लिए ऐसे तेल चुनें, जो प्राकृतिक और जैविक अवयवों से बने हों और आपकी त्वचा को पोषण प्रदान करें। मिट्टी जैसी और ताजी सुगंध वाले तेल शुद्ध और अनरिफाइंड गुणों का संकेत देते हैं। अगर आपकी तैलीय या मुंहासे वाली त्वचा है तो जोजोबा, हेजलनट और पेरिला के अर्क वाले फेशियल ऑयल चुनें। यदि आपकी त्वचा रूखे प्रकार की है तो आर्गन, मराकुजा, अंगूर के बीज या सूरजमुखी तेल को चुनें।

फेशियल ऑयल का मुख्य उद्देश्य त्वचा को पोषण प्रदान करते हुए इसे हाइड्रेट और मॉइस्चराइज करना है। दूसरी ओर, एक फेशियल सीरम विभिन्न त्वचा की समस्याओं जैसे जलन, सूजन, महीन रेखाओं और झुर्रियों को दूर करने में मदद करता है। सीरम हल्के और पानी आधारित होते हैं।

# कम उम्र में स्कूल दाखिला अपराध से कम नहीं

**डॉ सूर्यकांत मिश्र**

बच्चों को संस्कारवान बनाने के साथ ही उनके भविष्य को स्वर्णिम दिशा देने की चिंता हर माता-पिता के जीवन में देखी और समझी जा सकती है । हम जिस सदी में जीवन यापन कर रहे हैं वह ऐसी ही चिंता को दूर करने के उद्देश्य से अलग-अलग तरह के शिक्षण संस्थाओं से भरी पड़ी है । हमने जिस समय अक्षर ज्ञान की शुरुआत की वह हमारी छह वर्ष की उम्र के रूप में थी । शाला प्रवेश के समय दाएं हाथ से सिर के ऊपर से बाएं कान को छूना कक्षा पहली में भर्ती की पात्रता मानी जाती थी । दूसरी बड़ी बात यह भी सामने आती थी कि छह वर्ष की उम्र में बच्चा शौच आदि के संबंध में समझदारी भी रखने लगता था । वह किसी कार्य को सीखने की उत्तम स्थिति में हुआ करता था । अब विगत दो-तीन दशकों से शाला प्रवेश की उक्त वैज्ञानिक पात्रता को जमींदोज कर दिया गया है । सवाल यह उठता है कि क्या वह तरीका उचित नहीं था ? जहां तक मैं समझता हूं इसे सभी स्वीकार करते हैं कि शाला प्रवेश अर्थात कक्षा पहली की शुरुआत इसी उम्र से होनी चाहिए । फिर कौन से कारण हैं कि हम अब बच्चों के उन्मुक्त बचपन को तपती भट्टी में झोंकने तैयार हो चले हैं ! ढाई से तीन साल की उम्र में हम उन्हें किंडर गार्डन में प्रवेश दिला रहे हैं । इससे भी एक कदम आगे हमारे पग प्ले स्कूल की ओर भी बढ़ चुके हैं , जहां दो वर्ष का बच्चा खुद को जेल और जेलरों के बीच असहज महसूस कर रहा है । यह वह उम्र होती है जब एक बच्चे का मस्तिष्क उतना सक्रिय नहीं होता है जितना ज्ञान अर्जित करने के लिए जरूरी है । बच्चों की शिक्षा की उम्र के विषय में हालिया सर्वे के निष्कर्ष बताते हैं कि बच्चों को बहुत जल्द स्कूल भेजने से उनके आचरण पर बुरा प्रभाव पड़ता है । शोध यह भी बताता है कि बच्चे को स्कूल भेजने की परिपक्व उम्र 6 साल स्व - नियंत्रण के गुण के चलते अच्छे परिणाम देती है । इस उम्र में बच्चे के अंदर सीखने के गुणों का विकास होने लगता है । आज की परिस्थिति में एक बच्चा 3 वर्ष की उम्र में नर्सरी ,4 वर्ष में केजी वन तथा 5 वर्ष में केजी 2 में पहुंच जाता है । अनेक ऐसे मामले भी सामने आते रहे हैं , जब एक बच्चा महज 5 वर्ष में कक्षा पहली में आ जाता है । इस उम्र में बच्चों की वह स्किल परिपक्व नहीं हो पाती है जिसके सहारे बताई गई बातों को समझ सके । एक और अध्ययन की बात करें तो ऐसे बच्चे जो 5 वर्ष की उम्र में कक्षा पहली में पढ़ रहे होते हैं वे अन्य बच्चों से काफी पीछे रह जाते हैं । आरटीई और अब नई शिक्षा नीति ( एन ई पी ) ने भी हमें यही बताया है कि कक्षा पहली में 6 वर्ष से पहले प्रवेश नहीं दिया जा सकेगा । हमारे देश की नवीन पीढ़ी में शामिल अत्याधुनिक माता-पिता ने ऐसी मिसाल भी पेश कर दिखाई हैं जब उनका बच्चा महज 4 से 5 साल की उम्र में कक्षा पहली की दहलीज पर खड़ा देखा जा सकता है । बच्चों के बचपन से खिलवाड़ का यह दृश्य महानगरों और छोटे शहरों के साथ ही अब ग्राम्य जीवन में भी सामने आने लगा है । नई शिक्षा नीति के तहत देश भर के स्कूलों में कक्षा पहली में प्रवेश की उम्र में समानता लाने के लिए बड़ा कदम उठाए जाने के दिशा निर्देश जारी किए गए हैं । इसके तहत कक्षा पहली में प्रवेश तब ही हो सकेगा जब बच्चा 6 वर्ष का हो चुका हो । सबसे गौरतलब बात यह है कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित केंद्रीय विद्यालयों में कक्षा पहली में प्रवेश की उम्र पहले से ही 6 वर्ष रखी गई है । अब इसी नियम को एन ई पी के साथ राज्यों में भी लागू किया जाना सुनिश्चित किया गया है । स्कूली शिक्षा के ढांचे को मजबूत करते हुए क्रांतिकारी परिवर्तन के सु- परिणाम आने वाले 2 से 3 वर्षों में दिखाई पड़ने लगेंगे । इससे पूर्व क्या यह जरूरी नहीं कि सरकार उन स्कूलों के नर्सरी के बच्चों तक अपने सिपह-सालारों को भेजे , जहां 2 से ढाई वर्ष के बच्चे भी प्रवेश पा चुके हैं । ऐसी स्थिति में आने वाले 2 से 3 वर्षों की 6 वर्ष की उम्र को यही बच्चे और उनके माता-पिता धता बताते दिखेंगे । सरकार को यह भी करना होगा कि एन ई पी के तहत यदि बच्चा 6 वर्ष का नहीं है तो केजी पास करने के बाद भी उसे इस उम्र तक घर में बैठा दिया जाए । कारण यह कि सरकार की वह संकल्पना जिसमें यह कहा जा रहा है कि प्रवेश की उम्र में समानता हो , उसे ऐसे ही बालक अंगूठा दिखाकर चिढ़ाते नजर ना आएं । जहां तक मैं समझता हूं ऐसे स्कूलों पर सरकार के कानून का चाबुक चलाते हुए उनकी नर्सरी और केजी क्लासेस को बंद करने की कार्यवाही से भी परहेज नहीं होना चाहिए । बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा पर चिंतनीय इस विषय के पीछे मुझे जो कारण नजर आता है वह केवल व्यापार से जुड़ा हुआ है । एक बार बच्चे को शाला प्रवेश देने के बाद वह नर्सरी के पौधे की तरह 15 वर्षों तक संस्थाओं को मीठे फल और फूलों की सुगंध देता रहता है । इस युग में जहां माता-पिता दोनों नौकरीशुदा हैं और एकल परिवार में रहते हैं , वहां एक नई जरूरत ने जन्म लिया है और वह है प्ले स्कूल अथवा झूला घर । इस तरह की शुरुआत से बच्चों का बचपना पूरी तरह कुम्हला रहा है । एक और सख्त कदम की जरूरत जान पड़ रही है , जो बच्चों को घर पर ही देखभाल के रूप में समझी जा सकती है । बच्चों की निगरानी बिना किसी दबाव के घर पर ही होने से उनका उन्मुक्त बचपन खिल उठेगा । प्ले स्कूल और झूला घर बच्चों के लिए माता-पिता के स्नेह पर ग्रहण लगाते ही देखे जा रहे हैं । नई शिक्षा नीति के तहत सरकार ने यह हिदायत भी दे रखी है कि 3 साल से कम उम्र के बच्चों को प्ले स्कूल में दाखिला ना दिया जाए ।

## एक नजर

### अपनी सरकार से ही संतुष्ट नहीं कांग्रेसी : रामू नेताम

**दंतेवाड़ा 8अप्रैल।** कांग्रेस के सारे नेता जिले में जनहित के कार्यों को छोड़कर ठेकेदारी में मस्त हैं, कभी जनता के मुद्दे के लिए एक बार भी किसी कांग्रेसी नेता ने आवाज नहीं उठाई है ,परंतु इनके व्यवसायिक हित पर आंच आई तो सरपंचों को भड़का कर आंदोलन की तैयारी कर रहे थे परंतु मीडिया में खबर आने के बाद बैकफुट में चले गए और पत्रकार वार्ता कर झूठी सफाई पेश कर रहे हैं ।उक्त बातें जिला पंचायत सदस्य और बीजेपी मंडल महामंत्री रामू नेताम ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कही हैं।रामू नेताम ने जारी विज्ञप्ति में कहा है कि कांग्रेस के जिला संगठन के सभी पदाधिकारियों ने ग्रामीणों के बरगला कर आंदोलन की रूपरेखा पूरी तरह तैयार कर ली ,आंदोलन में।शामिल होने वाले लोगों के लिए बालुद में बकायदा खाने पीने की व्यवस्था भी कर ली गई थी परंतु मीडिया में इनके बनावटी आंदोलन की खबर पहले ही प्रकाशित होने की वजह से और सरपंचों और ग्रामीणों का अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने की वजह से आंदोलन की बात से इंकार करते हुए सफेद झूठ बोला है ।रामू नेताम ने कहा कि कांग्रेस में कोई कार्यकर्ता अथवा पदाधिकारी एक दूसरे पर बिलकुल विश्वास नहीं करता जिसकी वजह ये अपने मीटिंग के दौरान मोबाइल भी बाहर रखवाते हैं ताकि कोई बात रिकार्ड न कर ले । ये हास्यापाद है जिस पार्टी में आपस में ही विश्वाश नहीं है उस पार्टी के लोग चाहते हैं कि जनता उन पर विश्वास करे । जिस पार्टी के पदाधिकारी ही अपनी सरकार के कार्यों से संतुष्ट नहीं हैं और आंदोलन करना चाहते हैं उस पार्टी को जनता देख रही है और समय आने पर अनुकूल जवाब देगी ।

### पीपीईएस सॉफ्टवेयर में डाटा प्रविष्टि के लिए अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षण

**कांकेर, 8 अप्रैल।** आगामी विधानसभा आम निर्वाचन को दृष्टिगत रखते हुए जिले के अधिकारी-कर्मचारियों को पीपीईएस सॉफ्टवेयर में डाटा प्रविष्टि के संबंध में एसडीएम एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी धनंजय नेताम की उपस्थिति में जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी तथा प्रोग्रामर, समग्र शिक्षा, और सहायक प्रोग्रामर, जिला निर्वाचन द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। एसडीएम श्री नेताम ने कहा कि बीमार एवं निशक्त कर्मचारियों का नाम पीपीईएस सॉफ्टवेयर में डाटा प्रविष्टि नहीं करने तथा एक ही नाम के अलग-अलग कर्मचारियों का डाटा प्रविष्टि करते समय सावधानी बरतने के लिए निर्देशित किये। मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से पीपीईएस सॉफ्टवेयर में अपलोड तथा डाटा एन्ट्री के संबंध में जानकारी दी गई तथा प्रविष्टि पूर्ण होने के पश्चात पुनः जांच कर सबमिट करने के प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर सभी विभाग के प्रोग्रामर, सहायक ग्रेड, डाटा एन्ट्री ऑपरेटर शामिल हुए।

### बेरोजगारी भत्ता के लिए जिले में 1048 आवेदन प्राप्त

**कांकेर 8 अप्रैल ।** बेरोजगारी भत्ता के लिए जिले के बेरोजगार युवाओं से ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किये जा रहें हैं तथा प्राप्त आवेदनों का जिले में सत्यापन भी शुरू हो चुका है। जिला रोजगार अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार कांकेर जिले में अब तक 1048 युवाओं द्वारा बेरोजगारी भत्ता के लिए आवेदन किया गया है, जिसका भौतिक सत्यापन किया जा रहा हैं।योजना अंतर्गत प्राप्त आवेदन पत्रों की जांच, सत्यापन एवं ऑनलाइन अपलोड करने के लिए जिले के सभी विकासखण्डों में सेक्टर बनाकर अधिकारी, कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। कांकेर विकासखण्ड अंतर्गत 07 क्लस्टर तथा नगरीय क्षेत्र में 04 क्लस्टर, भानुप्रातपपुर विकासखण्ड के ग्रामीण क्षेत्र में 05 एवं नगरीय क्षेत्र में 03 क्लस्टर, दुर्गूकोंदल विकासखण्ड में 04 क्लस्टर, चारामा विकासखण्ड में 09 क्लस्टर, कोयलीबेड़ा विकाखण्ड में 15 क्लस्टर, नरहरपुर विकासखण्ड में 12 क्लस्टर, अंतागढ़ विकासखण्ड में 10 क्लस्टर बनाये गये हैं।

**कांकेर विकासखण्ड**-कांकेर विकासखण्ड अंतर्गत 07 क्लस्टर तथा नगरीय क्षेत्र में 04 क्लस्टर बनाये गये हैं। धनेली कन्हार क्लस्टर में 15 ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है, इनमें धनेलीकन्हार, कापसी, मरकाटोला, भैराडीह, डोमाहर्रा, सुरेली, तेलावट, कोदागांव, कन्हारपुरी, अंडी, पोटगांव, तालाकुर्रा, केवटीनटोला, बाबूदबेना और ग्राम पंचायत कोकानपुर ग्राम पंचायत शामिल हैं।

# 11 वर्षों से न्याय पाने के इंतजार में परिजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**राजिम (पाण्डुका), 8 अप्रैल।** मामला गरियाबंद जिले के थाना छुरा क्षेत्र का हैं 23 जनवरी 2011 को नगर के 32 वर्षीय युवा पत्रकार उमेश कुमार राजपूत का उनके निवास स्थान पर ही शाम लगभग 6.30 बजे अज्ञात अपराधियों के द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जबकि उमेश राजपूत का घर थाने से महज कुछ फलांग की दूरी पर बीच नगर में स्थित है, घटना के बाद शुरुआत में स्थानीय पुलिस के द्वारा जांच की गई किंतु अपराधियों के नहीं पकड़े जाने पर उसके परिजनों ने उच्च न्यायालय बिलासपुर में याचिका दायर कर सीबीआई जांच की मांग की गई, जिस पर घटना के लगभग चार साल बाद उच्च न्यायालय ने सीबीआई जांच का आदेश दिया। और आज भी यह मामला सीबीआई न्यायालय में लंबित है और परिजन आज भी न्यायालय से न्याय की उम्मीद लगाये प्रतीक्षा में हैं।

परिजनों की मानें तो घटना भी सोचनीय और गंभीर प्रतीत होता है। उमेश राजपूत 23 जनवरी 2011 को अपने दैनिक कामकाज

में रोज की तरह लगा हुआ था सुबह नित्यक्रिया से निवृत्त होकर अपने गृहग्राम हीराबतर गया, तत्पश्चात दोपहर में हीराबतर से लौटकर पल्सपोलियो की रिपोर्ट जमा करने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छुरा गया, इसी क्रम में नगर के कई जनप्रतिनिधियों से मुलाकात भी की कुछ देर बाद घर से फोन करने के बाद वे आमापारा छुरा अपने निवास पर पहुंचे जहां कुछ देर में स्थानीय पत्रकार शिवकुमार वैष्णव और उसके पुत्र उमेश के घर पहुंचे जहां उमेश राजपूत अपने बैठक रुम में समाचार बना रहे थे और शिव वैष्णव उनके साथ बैठे थे वहीं घर पर उनकी पत्नी, पुत्री, कामवाली,वैष्णव का पुत्र उपस्थित थे इस बीच कोई बाहर से आवाज़ देता है कि उमेश राजपूत है क्या जिस पर कामवाली लड़की बोलते हैं भैया कोई आया है और उमेश घर के दरवाजे से बाहर नहीं निकला रहता है और धांय से आवाज होती है उमेश राजपूत कमरे में अरेबाप रे बोलते हुए फाटक बंद करता है पत्नी बाहर निकलती है तो कोई नहीं मिलता है आनन फानन में शिवकुमार वैष्णव और पड़ोसी अवधेश प्रधान मोटरसाइकिल में उमेश को घायल अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छुरा पहुंचाते हैं जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कुछ देर बाद उमेश के कमरे के बाहर रखे पायदान से एक धमकी भरा पत्र मिलता है जिसमें लाल कलर के पेन से लिखा होता है कि उमेश राजपूत आप समाचार छापना छोड़ दो,और छुरा छोड़कर चले जाओ नहीं तो मरे जाओगे, सवाल यह उठता है कि उमेश राजपूत को जब हत्यारे गोली मारा तो धमकी भरा पत्र क्यों लिखेगा, दुसरा पहलु है जब हत्यारा घर के अंदर घुसा ही नहीं तो पत्र उमेश के कमरे के पायदान के नीचे कैसे गया, तीसरा पहलु उमेश को गोली लगने के बाद दरवाजे से ही हास्पिटल ले जाया गया तो उसके बैठक के बेड पर समाचार पेड पर रखे पेन पर खून कैसे लगा,यह सबसे बड़ा सवाल खड़ा होता है। इस हत्याकांड मामले में कुछ संदेहियों का ब्रेन मेपिंग टेस्ट भी कराया गया था।हालांकि कि परिजनों की मानें तो सीबीआई जांच में थाना से गोली चला पर्दे का कपड़,धमकी भरा पत्र,मोबाइल, कम्प्यूटर जैसे कई सामान गायब मिले। इस बीच इस केस के याचिकाकर्ता उसके भाई परमेश्वर राजपूत को भी 14 अक्टूबर 2022 को उनके निवास स्थान ग्राम हीराबतर में घर के दरवाजे पर उमेश राजपूत जैसे गोलीमार हत्या करने की धमकी भरा पत्र डाला गया था जिसकी रिपोर्ट छुरा थाने में दर्ज कराई गई जिसका अपराधी अभी तक नहीं पकड़ा गया है। और आज भी स्व.पत्रकार उमेश राजपूत के परिजन भय के वातावरण में न्यायालय से न्याय मिलने की उम्मीद पर आस लगाये इंतजार कर रहे हैं।

# विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जेएसएस बीजापुर में स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**बीजापुर, 8 अप्रैल।** आज जन शिक्षण संस्थान बीजापुर में स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन किया गया। जन शिक्षण संस्थान बीजापुर कौशल विकास एंव उघमिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सम्प्रेषित संस्थान है। जिसका संचालन आईसेक्ट संस्था भोपाल द्वारा किया जा रहा हैं। संस्था का उद्देश्य जिले के कम पढ़े-लिखे नवसाक्षर 10 वीं, 12 वीं उर्त्तीर्ण छात्र-छात्राओं को उनकी रूचि अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार व स्व-रोजगार से जोड़कर उनके आय में वृद्धि कराना है। साथ ही उनकी स्वास्थ्य, शिक्षा आदि को सशक्त करना है जिससें उनका सर्वागीण विकास हो सके और समानतामूलक समाज की स्थापना हो।

इसी कड़ी में आज जे.एस.एस. से जुड़कर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हितग्राहीयों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परिक्षण एवं दवा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन में सहयोग मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग बीजापुर का रहा। जहां से डॉ श्री दिवाकर जायसवाल (आरएमए), डॉ श्री नीलकांत जोशी (आरएमए),संगीता उप्पल (आरएचओ), कु. स्मृति ठाकुर (आरएचओ), श्री सुनील तलांडी (आरएचओ) के नेतृत्व में सफल हुआ। उक्त कैम्प में लगभग 110 हितग्राहियों ने अपना हेल्थ चैकअप कराकर दवाई प्राप्त किये। कार्यक्रम के आयोजन में रवि साहू, योगेश ठाकुर, मोहन सिंह चौहान, नागेश दुर्गम, कुम्मर नागेश, योगेश मंचाल, बसंती गोनेट,शबनम बानो जन शिक्षण संस्थान के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

### विधायक बघेल ने किया बाइक चलाकर रैली का शुभारंभ

**राजनांदगांव।** तहसील स्तरीय भक्त मां कर्मा जयंती समारोह के पावन उपलक्ष में तहसील साहू संघ राजनांदगांव के युवा प्रकोष्ठ के संयोजक रमाकांत साहू के नेतृत्व में भव्य बाइक रैली निकाली गई। बाइक रैली ग्राम बघेरा से होकर मुढीपार, नवागांव, होते हुए बेगाटोला, सोमनी, खुटेरी भरेंगांव, मोखला ,आरला और ग्राम सुरगी कार्यक्रम स्थल पर समापन हुआ।बाइक रैली को विधायक डोगर गढ़ भुनेश्वर बघेल ने बाइक चलाकर झंडा दिखाकर किया ।बघेरा से रवाना रैली मे रमाकांत साहू ,गिरीश साहू, ओमप्रकाश साहू, मंथीर साहू, गंभीर साहू ,संदीप वर्मा , संख्या मे समाज के पदाधिकारि लोग उपस्थित रहे।बाइक रैली मे शामिल सभी सामाजिक लोगो का रमाकांत साहू ने आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

# जटिल नियमों में उलझा कर लाखों युवाओं को ठग रही कांग्रेसः गागड़ा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**बीजापुर, 8 अप्रैल।** बेरोजगार भत्ता देने का घोषणा के साथ कांग्रेस सरकार ने युवाओं को जटिल नियमों में उलझाया है ऐसे मापदंड रहा तो गिनती के ही बेरोजगार लाभ ले पाएंगे वहीं नियमों में सरलता लाने की मांग भाजयुमो नेता फुलचंद गागड़ा ने की है। प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य फुलचंद गागड़ा ने बेरोजगारों के साथ छलावा करने का आरोप कांग्रेस सरकार पर लगाया है उन्होंने बताया है कि बेरोजगारी भत्ता देने के नाम पर युवाओं को उलझाकर फसाने का कार्य सरकार ने किया है, जिस प्रकार का मापदंड बनाया गया है इसमें अधिक युवा वंचित रहेंगे कम लोग ही लाभ ले पाएंगे।गागड़ा ने बताया कि जिले में बारहवी से पोस्ट ग्रेजुएट तक के कुल 10,868 बेरोजगार युवा हैं लेकिन भत्ता देने के लिए बने मापदंड में कुछ ही युवाओं को लाभ मिलेगी। साथ ही कांग्रेस ने अपनी घोषणा पत्र में बताया था कि सरकार बनने के बाद से बेरोजगार भत्ता देंगे इसलिए सरकार से मांग है वे बीते चार वर्ष का भी बकाया भत्ता युवाओं को मिले। सरकार की मंशा स्पष्ट नही है युवाओं को लेकर इसलिए जटिल नियमों को रखा गया है वहीं बीते चार वर्ष का भत्ता युवाओं को मिलेगा इस पर सरकार की ओर से कुछ कहा नही गया है।

### भेड़ीकला में गांव-गांव चलो, घर-घर चलो अभियान

**राजनांदगांव।** ग्राम भेड़ीकला राजनांदगांव विधानसभा के भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के द्वारा गांव गांव चलो, घर-घर चलो अभियान चल रहा है जो 6 अप्रैल 2023 भाजपा स्थापना दिवस से लेकर 14 अप्रैल 2023 डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती तक यह अभियान चलेगा। जिसमें माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा ओबीसी वर्ग के लिए चलाए गए, महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में गांव-गांव घर-घर तक पहुंचाने का यह मुहिम चल रहा है जिसमें ओबीसी मोर्चा राजनांदगांव विधानसभा ग्रामीण मंडल के ग्राम भेड़ी कला के बुथ क्रमांक 84 एवं 85 में रथ पहुंचा। ग्रामीणों को पंपलेट मोदी जी के पिछड़ा वर्ग के लाभकारी योजना के बारे में बताया गया है जिसका प्रचार प्रसार वरिष्ठ भाजपा नेता व ग्राम पंचायत भेड़ी कला सरपंच कृष्णा साहू अपनी टीम के साथ प्रचार प्रसार करते हुए ।

# शिव मंदिर घाटी के नीचे और नेशनल हाईवे के समीप बनेगा एनीकट

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**बीजापुर 8 अप्रैल ।** कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार कटारा ने महादेव घाटी स्थित शिव मंदिर एवं वहां से कुछ दूर पर नेशनल हाईवे के नीचे स्थित पुलिया का निरीक्षण किया। इस दौरान जल संसाधन विभाग कार्यपालन अभियंता श्री एमएल टंडन सहित इंजीनियर एवं तकनीकी अमला मौजूद थे। कलेक्टर श्री कटारा ने मौके का निरीक्षण कर स्टीमेट बनाने एवं आवश्यक प्रक्रियाओं को जल्द पूर्ण कर निर्माण कार्य शुरु करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए है।

ज्ञात हो कि महादेव घाटी शिव मंदिर के नीचे जल-भराव की स्थिति रहती है एनीकट निर्माण से वर्ष भर पानी पर्याप्त

मात्रा में रहेगा। जिससे मंदिर आने वाले भक्तों को स्नान, पशुओ को पेयजल सहित जल स्तर में बढ़ोत्तरी होगी, शहर के लोगों ने पूर्व में भी कलेक्टर से एनीकट निर्माण की मांग करते आ रहे है मांग के अनुरुप कलेक्टर श्री कटारा ने एनीकट निर्माण हेतु सहमति दी थी।कार्यपालन अभियंता श्री एम.एल.टंडन ने बताया कि दो एनीकट बनना प्रस्तावित है जिसका स्टीमेट प्रस्तुत करने एवं टेंडर की प्रक्रिया के बाद एनीकट का निर्माण कार्य जल्द शुरु किया जाएगा, मंदिर के पास 45 मीटर लंबाई एवं ढ़ाई मीटर ऊंचाई का एनीकट बनेगा। इसी तरह नेशनल हाईवे के नीचे एनीकट बनने से एक किलोमीटर तक जल भराव वर्ष भर रहेगा।

### हार्ट अटैक से जवान की मौत

**बीजापुर।** मिंगाचल सी आर पी एफ 222बटालियन कैंप मे पदस्थ रविंद्र सिंह सिकरवार नामक एक जवान की हार्ट अटैक आने से मौत हो गई है जवान कहां का रहने वाला है इस बारे मे फिलहाल. जानकारी नहीं हो पाई है एमपी मुरैना के रहने वाले थे।

# जंगल में चल रहा था तस्करी का खेल, वनकर्मी तमाशबीन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**पत्थलगांव,8 अप्रैल।** ग्रामीणों की सर्तकता से लाखो की ईमारती लकडी जप्त करने मे पुलिस एवं वनविभाग की टीम को सफलता मिली है। यह पूरा खेल लुडेग के जंगल मे चल रहा था,बताया जाता है कि लाखो की लकडी तस्करी के दौरान वहा एक वनकर्मी भी मौजुद था,जिससे इस पूरे मामले को संदिग्ध मानते हुये वनविभाग की मिलीभगत का अंदेशा लगाया जा रहा है। इधर क्षेत्रिय विधायक रामपुकार सिंह ने भी इस मामले मे कडी आपत्ति दर्ज की है,उनका कहना है कि लगातार जंगलो का दोहन होने के कारण जंगल मे निवास करने वाले वन्यप्राणी रिहायसी ईलाको की ओर आ रहे है,जिसका खामियाजा जंगल के साथ-साथ रिहायसी ईलाके मे रहने वाले लोगो को भी उठाना पड रहा है,उनका कहना है कि जंगल पर्यावरण के लिए बेहद खास है,ऐसे मे वनविभाग उन्हे बचाने मे अपनी जरा भी दिलचस्पी नही दिखा

रहा। उन्होने भारी मात्रा मे ईमारती लकडी का जखीरा पकडवाने वाले ग्रामवासीयों को बधायी का पात् बताया। उनका कहना था कि जब वनविभाग के लोग गहरी नींद मे सोये हुये थे,उस दौरान ग्रामवासीयों की सर्तकता काम आयी,जिसके कारण लाखो की ईमारती लकडी की तस्करी का खुलासा हो सका। उन्होने तस्करो पर कडी कार्यवाही करने की मांग करते हुये जप्त वाहन को राजसात करने की मांग उठायी है। दरअसल यह पूरा मामला लुडेग के करीब जंगल का है,जहा एक जे.सी.बी. एक टैऊक्टर व लकडी काटने की मशीन के जरिये सागौन के हरे भरे पेडो को काटकर ट्रैक्टर मे लोड किया जा रहा था,जब ग्रामीणो ने मशीन चलने की आवाज सुनी तो उन्होने पत्थलगांव पुलिस को इस बात की सूचना दी। ग्रामीणो ने घटना स्थल पर जाकर पेड काट रहे लोगो का विडियो भी बनाया,जिसमे साफ तौर पर देखा जा सकता है कि जे.सी.बी एवं टैऊक्टर के माध्यम से जंगल के पेडो को काटकर उसकी तस्करी की जा रही थी।।

**पुलिस ने नहीं की देरः**हरे-भरे जंगलो को काटकर लकडी की तस्करी के मामले मे लुडेग के ही कुछ रसुखदार लोगो का नाम सामने आ रहा है,हालांकि पुलिस या वनविभाग ने अभी तक किसी प्रकार का मामला दर्ज नही किया है,परंतु पुलिस ने ईमारती लकडियों से भरी एक ट्रैक्टर एवं इस काम मे लगी जे.सी.बी मशीन की जप्ती बनाकर थाना मे खडे कर दिया है। थाना प्रभारी भास्कर शर्मा ने बताया कि ग्रामीणो की सूचना के बाद जंगल से दो वाहन एवं उसमे लदी लकडी जप्त करने के बाद लुडेग स्थित एक मकान मे भी दबिश दी गयी जहा से लगभग 6 टैऊक्टर ईमारती लकडी जप्त कर उसे थाना लाया गया है।।

**दस्तावेजों से कर रहे थे गुमराहः** मिली जानकारी के अनुसार ईमारती लकडी काटने के आरोपियों द्वारा अपना बचाव करने के लिए जलाउ लकडी ले जाने के दस्तावेज भी प्रस्तुत किये,परंतु ग्रामीणो की सर्तकता के आगे उनकी एक नही चल सकी। हरे-भरे सागौन के पेडो को काटकर ले जाने की बात सामने आते ही जे.सी.बी. एवं टैऊक्टर दोनो ही वाहन के चालक घटना स्थल से वाहन छोडकर फरार हो गये। बताया जाता है कि जंगल एवं स्थानीय निवास से बरामद ईमारती लकडियों की कीमत चालीस लाख रूपये से भी अधिक की है। दरअसल इन दिनो इस तरह का खेल पत्थलगांव ब्लाक के अधिकांश ईमारती लकडियों के जंगल मे चल रहा है,जहा वनविभाग एवं वनसमिती की लापरवाही के कारण तस्करो द्वारा धडल्ले से बेशकीमती लकडियों के जंगलो का सफाया किया जा रहा है।।

# चिकित्सक ने छन्नू के दोनों पैर बचा लिए, दिया नया जीवन

**रायपुर।** पचपेढ़ी नाका, कलर्स माल के आगे स्थित कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर (एनएबीएच, छ.ग. शासन व छत्तीसगढ़ विधुत मंडल से मान्यता प्राप्त) के संचालक व अंचल के प्रसिद्ध कॉस्मेटिक व रिकन्स्ट्रटीव सर्जन डॉ. सुनील कालड़ा ने राजनांदगांव निवासी छन्नू वर्मा को नया जीवन दिया है। प्रेसवार्ता में डॉ. सुनील कालड़ा ने बताया कि छन्नू जो कि प्राईवेट कंपनी में कार्यरत है उसका 8 जनवरी 2021 को रात्रि शि ट के दौरान फैक्ट्री में चलती हुई चेन में दोनों पैर आ गये थे व दोनों पैरों की दिशा बदल गई थी। उसी रात छन्नू को कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर में लाया गया एक बार तो डाक्टरों ने मना कर दिया की पैरों के बचने की उ मीद नही है क्योंकि राईट पैर उल्टा हो गया था व ले ट पैर की एंकल जाईट बोन लॉक हो गया था व कटकर बाहर आ गया था। फिर भी डॉ. कालड़ा ने कहा की कोशिश करते हैं और आज उसी का नतीजा है कि आज छन्नू वर्मा के दोनों पैर सही सलामत हो गये हैं। डॉ. सुनील कालड़ा छन्नू को नया जीवनदान दिया। डॉ. सुनील कालड़ा ने बताया कि छन्नू के पैरों की हड्डी चकनाचूर हो गई थी व पैर भी 12 सेंटीमीटर छोटे हो गये थे, जिसे हमने 12 सेंटीमीटर बढ़ाया है।ज्ञातव्य है कि विगत वर्षों से डॉ. सुनील कालड़ा कटे अंगों को जोड़कर जोकि एकमात्र सेंटर है। डॉ. सुनील कालड़ा ने पूर्व में भी दोनो हाथ व पैर कटे हुए जोड़े है जोकि एक मिसाल है।

# सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण व बेरोजगारी भत्ता सत्यापन कार्य का कलेक्टर ने लिया जायजा

**कांकेर 8 अप्रैल।** कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला ने आज कांकेर जिले के सुदूर नक्सल प्रभावित क्षेत्र कोयलीबेड़ा विकासखंड के महाराष्ट्र के सीमा से लगे गांवों में पहुंच कर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 01 अप्रैल से शुरू की गई सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण और बेरोज़गारी भत्ता के लिए प्राप्त आवेदनों का सत्यापन कार्य एवं क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों का जायजा लिया तथा अधिकारियो को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बेरोज़गारी भत्ता के लिए प्राप्त आवेदनों का ज़िले में सत्यापन कार्य शुरू हो गया है। कलेक्टर डॉ प्रियंका शुक्ला ने आज पखांजूर तहसील के बादे कालोनी पहुंच कर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किये जा रहे बेरोजगारी

भत्ता के सत्यापन कार्य का जायजा लिया। आवेदक असीमपाल से बातचीत कर उनके आर्थिक स्थिति, शिक्षा, परिवार के सदस्य, कार्य इत्यादि के संबंध में जानकारी लिया।

### रूरल इंडस्ट्रियल पार्क का निरीक्षण

कलेक्टर डॉ प्रियंका शुक्ला ने पखांजूर तहसील के सावेर गौठान एवं दुर्गूकोंदल तहसील के डांगरा गौठान के रूरल इंडस्ट्रियल पार्क का निरीक्षण किया। सावेर गौठान के रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में किये जा रहे निर्माण कार्यों- मल्टी एक्टिविटी सेंटर, दोना पत्तल निर्माण इकाई, फिश फिट का निरीक्षण कर कार्य में तेजी लाने के लिए जनपद सीईओ आशीष डे तथा ग्राम पंचायत के सरपंच श्रीमती मानी मंडावी को निर्देशित किया। कलेक्टर डॉ शुक्ला ने गौठान में कार्यरत महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं से भी बातचीत की और उन्हें अच्छा कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।कलेक्टर डॉ शुक्ला ने दुर्गूकोंदल तहसील के डांगरा गौठान के रूरल इंडस्ट्रियल पार्क का भी आज आकस्मिक निरीक्षण किया। इस गौठान में मिनी राइस मिल एवं प्रिंटिंग प्रेस इकाई का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें तेजी लाने के लिए एसडीएम भानुप्रतापपुर प्रतीक जैन एवं जनपद पंचायत दुर्गूकोंदल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय नारायण तिवारी को निर्देशित किया। पखांजूर एवं बादे तहसील में निरीक्षण के दौरान एस.डी.एम.पखांजूर मनीष साहू, तहसीलदार कुलदीप ठाकुर एवं खंड शिक्षा अधिकारी के.आर.सिन्हा भी मौजूद थे।

## एक नजर

### श्री हनुमान जन्मोत्सव पर शोभायात्रा अखाड़ा और शौर्य का प्रदर्शन

**महासमुंद।** श्री हनुमान जन्मोत्सव पर श्रीराम-जानकी मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में अखाड़ा प्रदर्शन, शौर्य प्रदर्शन, डीजे-धुमाल, श्री हनुमान द्वारा शिवजी का दूध से अभिषेक करते हुए, श्री हनुमान द्वारा सीना चीरते हुए श्रीराम-जानकी का दर्शन, राजा श्रीरामचंद्र द्वारा दरबार लगाते हुए झांकी आकर्षण का केंद्र रही। जय-जय श्रीराम के जयकारे के साथ लोग डीजे पर झूमते नजर आए। बजरंग दल द्वारा दिनभर भंडारे का आयोजन किया गया। शोभायात्रा श्रीराम-जानकी मंदिर, नीलकंठ चौक, दादाबाड़ा होते हुए अंबेडकर चौक, स्वामी चौक, नेहरू चौक, बरोंडा चौक, शास्त्री चौक होते हुए मां सतबहीनिया पर समापन किया गया। आयोजक समिति के अध्यक्ष बजरंग दल के जिला सुरक्षा प्रमुख छवि, गौरक्षा प्रमुख सुमन सेंद्रे, यतीन राव, विपिन शर्मा, टम्मा साहू, मनीष सरवैया, मनीष बंसल, प्रशांत श्रीवास्तव, लाल विजय सिंह, जिला मीडिया प्रभारी गुड्डा सिन्हा, यशवंत धनजी, जेके साहू, मनीष ध्रुव, शुभम बघेल, राहुल ध्रुव, राहुल गुप्ता, काव्या यादव, नेहा ठाकुर, सीमा राजपूत, श्रृष्टि तांडी, पायल मक्कड़, प्राची, जय साहू, एकता कुमार, हिमांशी, प्रहलाद सागर, भुनेश्वर कुमार, आकाश सोनी, हितेश सोनी, हिमांशु कुमार, सागर विभार, रौनक कुमार, कैलाश बाघ, मनोज विश्वकर्मा, ललित यादव, समीर यादव, सूरज यादव, शुभम यादव, ऋषि शर्मा, दीपक सारथी, दीपक प्रजाति, रूपेश पटेल, राहुल सगर, मनीष ध्रुव, खोमन तारक, शुभम तोडेंकर आदि उपस्थित रहे।

### परसदा में हनुमान जन्मोत्सव पर सुंदरकांड का आयोजन

**राजिम , 8 अप्रैल।** समीपस्थ ग्राम परसदा में हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम हर्ष व उमंग के साथ मनाया गया।सुबह भाटापारा हनुमान मंदिर में रोहित साहू,कुमा तारक, तिरिथ साहू व लोमश साहू द्वारा सुंदर कांड प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर गाँव के विभिन्न हनुमान मंदिर में भक्ति भाव के साथ पूजा अर्चना व हवन पूजा विधि विधान के साथ किया गया।वही हवन पूजन के पश्चात कार्यक्रम के अंत मे प्रसाद के रूप में खीर पुड़ी का वितरण किया गया।इस अवसर पर पूरन लाल साहू,डेरहू राम साहू,कुणाल साहू,सनत शर्मा,भरत वर्मा,अश्वनी वर्मा,भूषण वर्मा,मुस्कान साहू,खुशबू साहू व ग्रामवासी उपस्थित थे।

### छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने संयुक्त संचालक को ज्ञापन सौंपा

**राजिम।** छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी देवनाथ साहू के नेतृत्व एवं प्रदेश संयोजक सुधीर प्रधान व प्रदेश कोषाध्यक्ष शैलेंद्र पारीक की विशेष उपस्थिति में पदोन्नति के संबंध में संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग रायपुर को विभिन्न मांगों का ज्ञापन सौंपा।जिसमे दिनांक 10 मार्च 2023 को जारी अंतिम वरिष्ठता सूची की विसंगतियों से अवगत कराया गया। सभी विषय के योग्यता धारी सहायक शिक्षकों का नाम जोड़ते हुए त्रुटि रहित सूची जारी करने,वरिष्ठ शिक्षकों का नाम कनिष्ठ शिक्षकों के ऊपर करने, प्राथमिक शाला प्रधान पाठक के पद पर पदोन्नत सहायक शिक्षकों का नाम भी पदोन्नति सूची में शामिल किया गया है उसे विलोपित करने,01अप्रैल 2023 की स्थिति में अद्यतन रिक्त पदों की सूची विषयवार जिलावार जारी करने,पदोन्नति हेतु पद स्थापना जिला स्तर पर काउंसलिंग के माध्यम से करने,नवीन सेटअप के अनुसार प्रत्येक माध्यमिक शाला में प्रधान पाठक को छोड़कर शिक्षक के 5 पद स्वीकृत है लगभग सभी माध्यमिक शाला में कला के अंतर्गत समाजिक विज्ञान हिंदी आदि विषय के योग्यता धारियों को पदोन्नत करने, शिक्षक ग्रंथपाल को भी शिक्षकों की सूची में शामिल करते हुए पदोन्नति प्रदान करने आदि मांगों का ज्ञापन सौंपा गया।इस अवसर पर योगेश सिंह ठाकुर प्रदेश संगठन सचिव,पूरन लाल साहू प्रदेश संयुक्त मंत्री,ब्लॉक अध्यक्ष मगरलोड रमेश यादव,वीरेंद्र साहू ब्लॉक सचिव,नरेश साहू,दिनेश यादव आदि शामिल थे।

### नगरी ब्लॉक की ग्राम पंचायत सांकरा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

**धमतरी 8 अप्रैल ।** नगरी विकासखंड की ग्राम पंचायत सांकरा को राष्ट्रीय स्तर पर दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया है। ग्राम पंचायत सांकरा को यह पुरस्कार स्वस्थ पंचायत की श्रेणी में प्रदान किया गया है। जिले के कलेक्टर श्री ऋतुराज रघुवंशी और जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती रोक्तिमा यादव ने इस विशिष्ट उपलब्धि के लिए सांकरा पंचायत को शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। इस संबंध में बताया गया है कि दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार (डीडीयू पीएसवीपी) के तहत स्वस्थ पंचायत श्रेणी में स्वास्थ्य संबंधी उत्कृष्ट कार्यों के लिए जनपद पंचायत नगरी की सर्वाधिक जनसंख्या वाली ग्राम पंचायत सांकरा छत्तीसगढ़ में अव्वल नम्बर पर रही।

# अरोड़ा ने बताया, हनुमान जी क्यों कहलाए शंकर सुमन

**महासमुंद, 8 अप्रैल।** बालयोगी पं विष्णु अरोड़ा ने कहा कि हनुमान चरित्र से हमें सीख लेना चाहिए। हनुमान चरित्र से हमारे जीवन, व्यक्तित्व व समाज को प्रेरणा मिलती है।

दादाबाडा में चल रहे श्री मारुति महायज्ञ के मुख्य प्रवचनकर्ता पं विष्णु अरोड़ा ने हनुमान जन्मोत्सव पर हनुमान चरित्र को समझाते हुए भगवान हनुमान को शंकर सुमन कहने के पीछे के कारणों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने शिव पुराण का उल्लेख करते हुए कहा कि एक बार भगवान शिव व पार्वती बैकुंठ गए और नारायण से कहा कि जब समुद्र मंथन हुआ तो मुझे जहर पीना पड़ा और जब अमृत निकला तो मैं आपके मोहिनी स्वरूप का दर्शन नहीं कर पाया। भगवान शिव की मंशा समझ नारायण ने मोहिनी स्वरूप का दर्शन कराया। इस रूप को देखकर भगवान शिव मोहित हो गए और उनका तेज गिर गया। जिसे सप्तऋषियों ने पत्ते में एकत्र कर तपस्यारत अंजना के कर्ण माध्यम से प्रवेश कराया, इससे हनुमान का जन्म हुआ और शंकर सुमन कहलाए। यहीं पर उन्होंने उपस्थितजनों को व्याख्यान के माध्यम से बताया कि हमें समझने की जरूरत है। जो व्यक्ति मोहनी का अर्थ समझ लेगा उसे सारी बाते समझ आएगी। मोहिनी का अर्थ है मोह का नाश। मतलब मोह नही रहेगा तो विरक्ति का भाव आएगा। विरक्ति के भाव के बाद जो दिव्य तेज प्रगट हुआ वह ज्ञान था। ज्ञान की सात अवस्था होती है। ज्ञान को जीवन में उतारना चाहिए। जिसे सप्तऋषियों ने भोजपत्र में उतारकर उस दिव्य ज्ञान को माता अंजना को सुनाया। सुनने का माध्यम कर्ण का काम है। उस दिव्य ज्ञान को प्राप्त करने जो पुत्र हुआ वह हनुमान कहलाए। पं विष्णु अरोड़ा ने इसी तरह हनुमान के पवनपुत्र, केशरीनन्दन के नाम पड़ने का भी विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने इतिहास व शास्त्र के अंतर को भी उदाहरण सहित वर्णन करते हुए कहा कि दोनों बिलकुल अलग-अलग होता है। भारतीय ऋषियों ने शास्त्र लिखने की परंपरा डाली है, शास्त्र बार-बार पढ़ी जाती है। इसका हर काल में लाभ मिलता है। प्रवचन के बाद हनुमान चालीसा का पाठ किया गया बाद इसके प्रसादी का वितरण किया गया।

## श्री मारूति महायज्ञ में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने डाली आहुति

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**महासमुंद,8 अप्रैल।** शहर के दादाबाड़ा में आयोजित श्री मारूति महायज्ञ में यजमान विनोद सेवनलाल चंद्राकर व श्रीमती निर्मला चंद्राकर सहित सैकड़ों श्रद्धालूओं ने आहूति डाली। श्री मारूति महायज्ञ के यज्ञाचार्य पं पंकज महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ कराया।श्री मारूति महायज्ञ के दूसरे दिन आज शुक्रवार की सुबह यजमान विनोद सेवनलाल चंद्राकर व श्रीमती निर्मला चंद्राकर ने वैदिक पूजन करते हुए यज्ञ मंडप में स्थापित सभी देवी देवताओं की पूजा अर्चना की। मुख्य हवन कुंड में अग्नि स्थापना के लिए प्राकृतिक तरीके से सूर्यदेव के माध्यम से अग्नि प्रज्वलित किया गया। यहां यज्ञ के लिए 21 कुंड बनाए गए हैं। जिसमें सौ से अधिक जोड़े ने सुंदर कांड के 60 दोहे पर आहुति डाली। यज्ञ का सिलसिला करीब दो घंटे चला।

### भजन-कीर्तन में झूमे श्रद्धालु

श्री मारूति महायज्ञ के दूसरे दिन दोपहर दो बजे से भजन कीर्तन का कार्यक्रम हुआ। भजन कीर्तन में उपस्थित श्रद्धालु झूम उठे। हरिकेश मंगलम बागबाहरा की मंडलियों ने श्रीराम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में... सहित कई गीतों पर शानदार प्रस्तुति दी। जिससे माहौल भक्तिमय रहा।

### श्रद्धालुओं ने भंडारे में किया प्रसाद ग्रहण

छह अप्रैल से दस अप्रैल तक दादाबाड़ा में आयोजित श्री मारूति महायज्ञ के दौरान भंडारे का आयोजन किया गया है। महायज्ञ के दूसरे दिन भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इसके अलावा प्रसादी का भी वितरण किया गया। भंडारे में क्षेत्रवासियों का सहयोग मिल रहा है।

### बालयोगी विष्णु अरोड़ा का पुष्प वर्षा से स्वागत

श्री मारुति महायज्ञ के प्रवचनकर्ता बालयोगी पं विष्णु अरोड़ा आज शुक्रवार को महासमुन्द पहुंचे। श्री अरोड़ा का सर्वप्रथम त्रिमूर्ति कॉलोनी के पास स्वागत किया गया। बाद इसके यज्ञस्थल पहुंचने पर श्री अरोड़ा का यजमान विनोद सेवनलाल चंद्राकर व निर्मला चंद्राकर सहित समिति के सदस्यों ने स्वागत किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

# झरझरा मंदिर प्रांगण में सामुदायिक भवन के लिए 10 लाख की घोषणा

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**राजिम/पाण्डुका, 8 अप्रैल।** जिले के छुरा ब्लाक के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम मुरमुरा के डोगरी निर्जन पहाड़ी प्राकृतिक मनोरम दृश्य के बीच माँ झरझरा मंन्दिर मुरमुरा में तीन दिवसीय श्री हनुमान जी का भव्य मंन्दिर का लोकार्पन एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह एवं हनुमान जयंती के अवसर पर माँ झरझरा मंन्दिर मुरमुरा में मुख्य अतिथि के रूप में सरायपाली विधान सभा क्षेत्र के विधायक एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष तथा सर्व गाड़ा समाज प्रदेश अध्यक्ष किस्मत लाल नंद झरझरा मंन्दिर आगमन पर गांधी चौक में युवाओं ने पुष्प हार गुलाल से गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया गया एवं ग्राम मुरमुरा से लेकर झरझरा मंन्दिर तक बाइक रैली निकाली गई। नंद ने झरझरा मंन्दिर पहुच कर माँ झरझरा और हनुमान जी का आशिर्वाद प्रदान कर क्षेत्र की सुख समृध्दि की कामना कि गई और इस अवसर पर उन्होने भगवान हनुमान जी के बारे में वर्णन करते हुए बताया कि त्रेता युग में और रामायण जिसके वर्णन स्कीन्धा कांड में भगवान राम के साथ हनुमान जी के साथ परिचय हुआ और वहां से लेकर लंका कांड तक त्रेता युग तक राम के साथ रहे और उन्होने कहा कि हनुमान जी जब से जन्म लिए है तब से कभी मौत नही हुए है यह सबसे बड़ी विषेशता है हनुमान जी से बहुत कुछ हमें सिखने का आवशकयता है जिन्होने ऐसे कई बड़े बड़े कार्य किये परन्तु थके नही ।वही ग्रामीणो की मांग पर उन्होने सर्व सुविधा युक्त शीतला मंन्दिर परिसर पर समुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख की घोषणा कि गई ग्रामीणो ने सरायपाली विधायक श्री किस्मत ला नंद को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में प्रहलाद गंधर्व जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजिम , चम्मन साहू अध्यक्ष झरझरा विकास समिती मुरमुरा ,दिलीप साहू संरक्षक,गैदलाल साहू ग्रामीण अध्यक्ष ,अर्जुन सुन्दरानी ,अनिल कुमार साहू,दीपक ध्रुव,पुनऊ राम साहू ,जगदीश साहू ,रिखी राम गंधर्व,युवा सुरेन्द कुमार साहू ,विश्वनाथ साहू ,प्रकाश साहू ,खोरबाहरा साहू,तेजूराम साहू,गोपाल साहू , किशन ध्रुव ,हुम्मन यादव ,कामता साहू,लक्ष्मण साहू,सहित सैकड़ों कि संख्या श्रध्दालु भक्त गण उपस्थित थे ।

### पिता ने पुत्र पर किया कुल्हाड़ी से हमला

**राजिम, 8 अप्रैल।** जिले के फिगेश्वर थाना से जहां पिता ने अपने ही पुत्र को कुल्हाड़ी से किया हमला जहां बेटे की हालत गंभीर। पूरा मामला गरियाबंद जिले के फिगेश्वर थाना क्षेत्र से लगे ग्राम पंचायत छुईहा से है जहां शराबी पिता रामजी ध्रुव ने शराब के नशे में अपने ही पुत्र गणेशु ध्रुव के कुल्हाड़ी से जान से मारने की कोशिश बेटे की हालत गंभीर है। बता दें कि पिता ने अपने ही पुत्र के ऊपर कुल्हाड़ी से कई बार किया वार जिससे बेटे की हालत गंभीर को देखते हुए फिगेश्वर हॉस्पिटल में कराया भर्ती। हालत को बिगड़ते देख पीड़ित को रायपुर रिफर किया गयाऔर इस सब के कारण अवैध रूप से बनने वाली महुवा शराब बता दे कीफिंगेश्वर ब्लॉक में अवैध महुआ शराब का बिक्री किसी से छुपी हुई नही। और इसी ने शराब खोरी ने एक परिवार की आर्थिक स्थिति बरबाद तो कर दी।

# हिंदू पर्व के दौरान अशांति फैलाने की नाकाम कोशिश

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**सुकमा, 7 अप्रैल ।** जिले में एक युवक के द्वारा हिंदुआ को एवं हिंदूवादी संगठन वा भाजपा को सरेआम सोशल मीडिया में वीडियो बनाकर गाली गलौज एवं गौ मांस खाने का प्रदर्शन करने वाले युवक पर भाजपा जिला अध्यक्ष धनीराम बारसे ने बयान जारी कर उस युवक को कांग्रेस का कार्यकर्ता एवं कांग्रेस के संरक्षण से ही समाज में उन्माद फैलाने व दंगा करने के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। युवक के द्वारा जिस प्रकार से बजरंग दल एवं भारतीय जनता पार्टी के बारे में अपशब्द कहा गया एवं सामाजिक सौहार्द्र बिगाड़ा गया। उस युवक को कांग्रेस का ही संरक्षण प्राप्त था। सुकमा में लगातार कांग्रेस के इशारे पर हिंदू पर्व के दौरान अशांति फैलाने की नाकाम कोशिश की गई। पहले ही दिन हिंदू राष्ट्र का झंडा लगाने पर कांग्रेस के द्वारा कुछ युवकों को उकसाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। जबकि प्रदेश के सभी जगह में हिंदू राष्ट्र से संबंधित बैनर पोस्टर लगे थे। वहां किसी को भी किसी प्रकार की आपत्ति नहीं हुई।पहले ही दिन उन्माद फैलाने की कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की कोशिश को भारतीय जनता पार्टी ने सभी पक्षों को समझाइश देकर माहौल शांत कराने का कोशिश किया। उसके बाद पोस्टर में सिर्फ रामनगर लिखे जाने पर कांग्रेस के ही द्वारा षड्यंत्र कर कुछ लोगों को भड़काकर फिर से सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की नाकाम कोशिश की गई। एवं विवाद इतनी बढ़ गई कि पोस्टर जलाने का बात भी सरेआम किया गया। परंतु उस पर भी कांग्रेस के इशारे पर पुलिस प्रशासन ने एक पक्षीय कार्रवाई करते हुए हिंदुओं पर लाठीचार्ज किया। जिससे साफ होता है कि एक वर्ग को खुश करने के लिए वोट बैंक के कारण हिंदुओं को दबाने एवं दंगे कराने की रणनीति सुकमा जिले में बनाई गई। हिंदू भाइयों के पर्व पर भय का वातावरण बनाया गया। परंतु कांग्रेस के ही संरक्षण प्राप्त उनका तथाकथित कार्यकर्ता ने इस तरह से सुकमा के शांतिपूर्ण वातावरण में जहर घोलने का काम किया। कोंटा विधायक कवासी लखमा द्वारा भी हिंदुओं के खिलाफ बयानबाजी से तथाकथित उन्माद फैलाने वाले हिंदू धर्म के विरोधियों को उकसाने पर बल मिला जिसमें हिंदुओं के ही बीच में अपने बयानबाजी से हिंदू समाज को दो वर्गों में बांटने की बात कही गई। उन्माद फैलाने वाला युवक कांग्रेस की रैली में भाग लेते हुए एवं कांग्रेस के नेताओं के साथ उसका फोटो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। जिससे पूरी तरह से सिद्ध होता है कि उस युवक को कांग्रेस का संरक्षण प्राप्त था और वह कांग्रेस का दंगा भड़काने वाली गोपनीय विंग का कार्यकर्ता था। हिंदू धर्म में गौ माता पूजनीय हैं। गाय का मांस आखिर उस युवक तक पहुंचा कैसी इसकी भी जांच होनी चाहिए। अवैध गौ मांस भी कांग्रेस के संरक्षण से अवैध तरीके से बेचा जा रहा है। जिससे हिंदू धर्म में लगातार रोष व्याप्त हैं। एवं हिंदू धर्म को लगातार राजनीतिक षड्यंत्र के तहत टारगेट किया जा रहा है । सुकमा जिला में उन्माद फैलाने की साजिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी एवं भारतीय जनता पार्टी इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की कड़ी निंदा करती है एवं समाज में सभी को शांति बनाए रखने की अपील करती है।

# विस्फोटक के साथ 2 नक्सलियों को किया गिरफ्तार

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**सुकमा, 8 अप्रैल।** जिला सुकमा पुलिस द्वारा चलाये जा रहे पूना नकम अभियान के तहत् सुकमा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इस नक्सल उन्मूलन अभियान के अनुक्रम में दिनांक 07.04.2023 को थाना कुकानार क्षेत्र के जंगल पहाड़ी में नक्सलियों द्वारा भारी मात्रा में विस्फोटक बनाने की आसूचना मिलने पर थाना कुकानार से जिलाबल व डीआरजी की संयुक्त पार्टी जिला सुकमा व जिला दंतेवाड़ा के सीमावर्ती ग्राम कुन्ना के कांवडपारा व पेदापारा के जंगल-पहाड़ी की और नक्सल सचिंग हेतु रवाना हुए थे। अभियान के दौरान ग्राम सुन्ना के जंगल पहाड़ी के पास कुछ संदिग्ध व्यक्ति पुलिस पार्टी को आते हुये देख लुकने छूपने की कोशिश करने लगे, जिन्हे पुलिस पार्टी द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया। संदेहियों से भागने का कारण पूछने पर संतोषजनक उत्तर नहीं दिये, जिनसे कड़ाई से पूछताछ करने पर अपना नाम क्रमशः 01. मुचाकी सुखराम उर्फ हड़मा पिता महादेव उम्र 28 वर्ष 02. माड़वी कोसा पिता मासा उम्र 30 वर्ष दोनों निवासी ग्राम कॉलेगडच्या थाना कटेकल्याण जिला दंतेवाड़ा (छ0ग0) का होना बताया तथा प्रतिबंधित नक्सली संगठन में कटेकल्याण एरिया कमेटी अंतर्गत मुचाको सुखराम एलओएस सदस्य ( ईनामी 01 लाख रूपये छग शासन द्वारा) एवं माड़वी कोसा मिलिशिया कमाण्डर ( ईनामी 01 लाख रूपये उ0ग0 शासन द्वारा) के पद पर कार्य करना बताया। नक्सल संगठन में कार्य करना बताये जाने से गहन पूछताछ किया गया। पुछताछ के आधार पर उनके निशानदेही पर 01 नग टिफिन बम (आईईडी) लगभग 08-10 किलोग्राम, 12 नग इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 01 नग इलेक्ट्रिक मल्टीमीटर, लगभग 60 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट, बैटरी, इलेक्ट्रिक वायर, स्वींध, फटाका जूता, 01 नग काला पिट्ठू बैग, 03 नग इंजेक्शन, दवाईया, नक्सली साहित्य एवं अन्य दैनिक उपयोगी सामान बरामद किया गया। उनसे बरामद उक्त विस्फोटक सामाग्री के बारे में पूछताछ करने पर दोनों ने बताया कि इन सामानों को बड़े नक्सली लीडर जगदीश, मड़कम सोमडू, हेमला भीमा, जयलाल, प्रदीप के कहने पर पुलिस को क्षति पहुंचाने की नीयत से पुलिस के आने-जाने वाले रास्ते में आईईडी प्लांट करने के मकसद से उपयोग में लाया जाता है आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर उक्त कृत्य विधि के विरुद्ध पाये जाने सेदोनो नक्सलियों के विरुद्ध थाना कुकानार में अपराध क्रमांक 04/2023 धारा 34 भादवि 4, 5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही करते हुए आज दिनांक 07.04.2023 को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल दाखिला किया गया।इस कार्यवाही में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी तोंगपाल श्री लोमेश वर्मा के नेतृत्व में थाना प्रभारी तोंगपाल निरीक्षक संदीप टोप्पो, थाना प्रभारी कुकानार निरीक्षक शशिकांत सिन्हा, थाना प्रभारी केरलापाल निरीक्षक मनीष आदि थे।

## समाचार संक्षेप

### भाकपा व आदिवासी महासभा ने तेंदूपत्ता की मूल्य वृद्धि सहित 11 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

सुकमा, 8 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। 7 अप्रैल को जिले भर के पार्टी कार्यकर्ता एवं आम जनता जिला मुख्यालय स्थित सीपीआई कार्यालय के सामने धरना व सभा करके रैली के माध्यम से जाकर ज्ञापन सौंपा। इस रैली में पार्टी के प्रमुख नेतागण उपस्थित रहे। विशाल रैली के माध्यम से सरकार को तेन्दूपत्ता मूल्यवृध्दि करने की मांग को अवगत कराया गया। मांगे इस प्रकार हैं 1.तेंदूपत्ता का प्रति गड्डी स06 रुपया किया जाने 2. तेंदूपत्ता का मजदूरी व बोनस की राशि नगद दिया जाय तथा खाता प्रणाली बंद किया जाने, 3.तेंदूपत्ता फड़ मुंशी को ?15000 व सहायक सहायक को ?13000 दिया जाने4. तेन्दूपत्ता बूटा कटाई, उल्टाई पल्टाई का दैनिक मजदूरी 380 दिया जाने,5.तेंदूपत्ता तोड़ते समय साँप,बिच्छू, कीड़े मकोड़े काटने से या अन्य आकस्मिक दुर्घटना से मृत्यु होने से तत्काल ?500000 तथा घायल होने से ?300000 दिया जाने, तथा बीमा राशि अलग से दिया जाने,6. तेंदूपत्ता फड़ हर गांव में खोला जाने,7.रजिस्ट्रेशन, जीएसटी के नाम से सरकार वसूली बंद हो,8. पत्ता पूरा खरीदी किया जाने, 9. तेन्दूपत्ता का परिवहन स्थानीय वाहनों से किया जाने, 10.स्थानीय बेरोजगारों को ही चकर के पद पर नियुक्ति किया जाने तथा स्थानीय मजदूरों से ही बोरा भर्ती करवाया जाने, 11. विगत वर्ष 2019 से जिन समितियों एवं फडो का बोनस राशि लंबित है, उसे बोनस राशि को तत्काल भुगतान किया जाने की मांग को लेकर विशाल रैली सभा का आयोजन जिला मुख्यालय में हुआ। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव कामरेड मनीष कुंजाम, जिला सचिव रामा सोडी, अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के जिला अध्यक्ष देवाराम सोडी, राष्ट्रीय परिषद सदस्य मंजू कवासी, महिला फेडरेशन के जिला अध्यक्ष कुसुम नाग, अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के सचिव पी भीमा, पार्टी के ब्लॉक सचिव गंगाराम नाग, यूथ फेडरेशन के अध्यक्ष शैलेंद्र कश्यप, राज्य के महासचिव देवाराम मंडावी, एआईएसएफ के प्रदेश अध्यक्ष महेश कुंजाम, महिला महिला फेडरेशन के सचिव आराधना मरकाम, लीना पोयम, राजेश नाग, हान्दाराम कावासी हड़मा मरकाम, मंगडू कवासी, मुन्ना भाई सहित पार्टी के प्रमुख कार्यकर्ता व आम जनता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

### महुआ पेड़ के विवाद पर चाचा की हत्या करने वाला गिरफ्तार

**सुकमा, 7 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** दिनांक 06.04.2023 को थाना छिन्दगढ़ क्षेत्रांतर्गत ग्राम गंजेनार में महुआ पेड़ के विवाद में ग्रामीण की हत्या के संबंध में प्रार्थी देवाराम कश्यप साकिन गंजेनार के रिपोर्ट पर थाना छिन्दगढ़ में अपराध क्र. 17/2023 धारा 302 भादवि के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की संवेदनशीलता की दृष्टि से आरोपी की त्वरित गिरफ्तारी हेतु श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय सुकमा श्री सुनील शर्मा, अति. पुलिस अधीक्षक श्री किरण चव्हाण के मार्गदर्शन तथा श्री परमेश्वर तिलकवार, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी सुकमा के पर्यवेक्षण एवं निरीक्षक एकेश्वर नाग, थाना प्रभारी छिन्दगढ़ के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना स्थल निरीक्षण कर व चश्मदीद गवाहों के कथन के आधार पर घटना के आरोपी बुधाराम नाग पिता स्व. सोमारू नाग उम्र 49 जाति धुरवा निवासी ग्राम गंजेनार थाना छिन्दगढ़ को चन्द घण्टे में ही दिनांक 06.04.2023 को हिरासत में लिया गया तथा उसके द्वारा इस्तेमाल किया गया कुल्हाड़ी एवं घटना के समय पहने हुए मृतक के खून लगे हुये कपड़ों को बरामद किया गया। आरोपी के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने से आरोपी को विधिवत् गिरफ्तार कर आज दिनांक 07.04.2023 को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया। इस कार्यवाही में निरीक्षक एकेश्वर नाग थाना प्रभारी छिन्दगढ़, सहायक उप निरीक्षक सुरेन्द्र कश्यप, प्रधान आरक्षक चन्दन नेगी, शेख शरीफ, चन्द्रकुमार मरकाम, सहदेव नेताम, आरक्षक मनोज साहू, बैजनाथ मांझी, धनीराम भाला एवं सहायक आरक्षक महादेव नेगी, जोगाराम पोयाम का विशेष योगदान रहा।

### पर्वतारोहण, आपदा प्रबंधन एवं व्यक्तित्व विकास शिविर में शामिल होने दल रवाना

**सुकमा, 7 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** कलेक्टर श्री हरिस एस ने पर्वतारोहण आपदा प्रबंधन एवं व्यक्तित्व विकास शिविर में जाने वाली स्काउट गाइड दल से चर्चा कर इस शिविर में सक्रिय भागीदारी निभाने और प्रशिक्षण का लाभ लेने की शुभकामनाओं के साथ ही मंगलमय यात्रा की कामना की। इस दल में 2 गाईड और 1 स्काउट का एक दल कुल्लू मनाली के शिविर में शामिल होगी। वहीं स्वामी आत्मानंद स्कूल केरलापाल, गादीरास, तोंगपाल के 3 स्काउट, 3 गाईड और 1 गाईडर का दल गदपुरी (हरियाणा) के शिविर में शामिल होगी।भारत स्काउट गाइड के दल एवं जिला प्रभारी श्री आशीष राम ने कलेक्टर से सौजन्य से मुलाकात कर एडवेंचर कैम्प में शामिल होने वाले बच्चों और शिविर में प्रदान की जाने वाली प्रशिक्षण से अवगत कराया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर बंजारे, जिला मिशन समन्वय श्री एसएस चौहान, भारत स्काउट गाइड के संगठन आयुक्त श्रीमती अपर्णा राय, गाईडर शान्ति मरकाम, स्काउटर नारायण प्रसाद साहू उपस्थित थे।

### शिक्षक से प्रधानपाठक बनने के लिए काउंसिलिंग की तिथि निर्धारित

**पत्थलगांव, 8 अप्रैल।** शिक्षको को लंबे समय से अपनी पदोन्नति का इंतजार था,राज्य शासन ने उनके इस इंतजार को अब खत्म कर दिया है। कार्यालय संयुक्त संचालक सरगुजा संभाग की ओर से शिक्षको की पदोन्नति के लिए काउंसलिंग की तिथी निर्धारित कर दी गयी है,जिसमे दिव्यांग शिक्षको को प्राथमिकता के पहले चरण मे रखा गया है। कार्यालय संयुक्त संचालक सरगुजा संभाग से मिली जानकारी के अनुसार काउंसलिंग का समय दो पाली मे निर्धारित किया गया है,प्रातः 10 बजे से पहली पाली की शुरूवात होगी,वही दोपहर 2 बजे से द्वितीय पाली की शुरूवात होगी,जिसमे समस्त प्रकार के दिव्यांग श्रेणी एवं गंभीर बिमारी से पीडित कर्मचारी टी.संवर्ग के समस्त कर्मचारी दिनांक 10.04.2023 को समय 9 बजकर 20 मिनट पर उपस्थित होंगे। उसके अलावा दिव्यांग श्रेणी एवं गंभीर बिमारी से पीडित कर्मचारी ई.संवर्ग दिनांक 12.04.2023 को समय दोपहर 1 बजे उपस्थित होंगे। काउंसलिंग सुबह 10 बजे से प्रारंभ की जायेगी।

# चार वर्ष बाद भी मांग नहीं की पूरी, आंदोलन रहेगा जारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**भानुप्रतापपुर, 8 अप्रैल।** पूरे प्रदेश में पंचायत सचिव भीषण कष्टों का सामना कर रहे हैं। आज उनके द्वारा वर्षों से अपनी मांगों को लेकर धरना, प्रदर्शन, आंदोलन किया जा रहा है। विगत 15 वर्षों में भारतीय जनता पार्टी के शासन काल में भी सचिवों द्वारा अपनी मांगों को लेकर धरना, प्रदर्शन, आंदोलन किया गया। किंतु भाजपा सरकार ने भी इनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया।

विगत विधानसभा चुनाव के पूर्व वर्तमान में बैठी हुई सरकार के नेताओं द्वारा पंचायत सचिवों से वादा किया गया था कि अगर हम सरकार में आ गए तो 10 दिन के अंदर आपकी सारी मांगे पूरी हो जाएगी। वह सरकार में बैठे, उनको सरकार चलाते हुए 4 वर्ष हो गए किंतु पंचायत सचिवों की जो मांगे हैं। वही की वही है। पंचायत सचिव का आज भी शासकीय करण नहीं किया गया हैं। पंचायत सचिव अगर सेवानिवृत्त होते हैं। तो आगे उन्हें किसी के घर में मजदूरी करनी पड़ेगी या फिर ठेला चलाना पड़ेगा या चौकीदारी करनी पड़ेगी। जो वर्षों तक पंचायतों की सेवा किए। शासन की सभी महत्वपूर्ण कामों को किए। आज उनका भविष्य अंधकार में है। प्रदेश सरकार को चाहिए कि अपने वादा अनुसार तत्काल प्रदेश के समस्त पंचायत सचिवों का शासकीय करण करते हुए उनके भविष्य निधि, उनके पेंशन का निवारण तत्काल करें।

उपरोक्त बातें शिवसेना प्रदेश महासचिव चंद्रमौली मिश्रा द्वारा पखांजूर में कोयलीबेड़ा ब्लॉक के पंचायत सचिवों के आंदोलन में पहुंचकर पंचायत सचिवों के आंदोलन को समर्थन देते हुए कहा गया। उन्होंने कहा कि आज दूसरों का भविष्य बनाने वाले पंचायत सचिव अपने भविष्य के लिए मारे मारे फिर रहे हैं। देखने में यह आया कि कई पंचायत सचिव जो रिटायर होने के बाद दूसरे के घर में चौकीदारी कर रहे हैं। मजदूरी कार्य कर रहे हैं। यह बहुत ही भारी विडंबना है। प्रदेश सरकार को चाहिए कि वह तत्काल अपने वायदा अनुसार प्रदेश के समस्त पंचायत सचिवों का शासकीय करण करते हुए उन्हें अन्य विभागों की तरह पेंशन, ग्रेच्युटी एवं अन्य समस्त सुविधाएं दिलाएं और उनके उज्जवल भविष्य का निर्धारण करें।

शिवसेना पूरे प्रदेश में पंचायत सचिवों द्वारा अपनी मांगों को लेकर किए जा रहे आंदोलन का समर्थन किया जा रहा है। शिवसेना द्वारा पूरे प्रदेश से पंचायत सचिवों की मांगों को पूरा करने हेतु मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ को पत्र लिखा जा रहा है।

## एक नजर

### बुजुर्गों का हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

**बलौदाबाजार, 8 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आरोग्य योजना के अंतर्गत नगर के वृद्धाश्रम में वृद्ध जनों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन एवं खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ अभिजीत बनर्जी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से किया गया। आश्रम में सभी वृद्ध जनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमें बी पी, शुगर, नेत्र की जाँच की गई। इसमें 1 शुगर के नए मरीज सहित 4 मोतियाबिंद और एक कार्निया डैमेज के मिले जिनके उपचार की व्यवस्था की जा रही है। इस स्वास्थ्य परीक्षण में डॉ श्रिया गिदोडा, डॉ अविनाश केसरवानी, वेगेश्वर यदु, रोहित वर्मा, अम्बा साहू, कन्या टंडन ने सहयोग किया।

**बलौदाबाजार, 8 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** 7 अप्रैल को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय दीपक कुमार झा के निर्देशानुसार एवं सचिंद्र चौबे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में थाना पलारी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सेमरिया एवं थाना सिमगा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बछेरा एवं थाना राजादेवरी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम करमेल में आग्रह कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें यातायात जागरूकता एवं यातायात नियमों के संबंध में उपस्थित ग्रामवासियों को विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया।

### सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण में आई तेजी, जिपं सीईओ ने किया निरीक्षण

**बलौदाबाजार, 8 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण 2023 का कार्य 1 अप्रैल से जिले के सभी जनपद पंचायतों में प्रारंभ हो गया है। इसके साथ मे ही कार्य मे तेजी आयी है। कलेक्टर रजत बंसल के निर्देश पर सभी अधिकारी फील्ड में उतरकर सर्वेक्षण कार्यो का जायजा ले रहे है। इस सिलसिले में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोपाल वर्मा ने विकासखंड पलारी के ग्राम बिनोरी सहित जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतो में किये जा रहे सर्वेक्षण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुपरवाइजर, प्रगणक दल को 30 अप्रैल 2023 तक सर्वे कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। जिला पंचायत सीईओ ने प्रगणक दलों से चर्चा की और सर्वेक्षण हेतु निर्धारित प्रपत्र का अवलोकन किया। उन्होंने प्रगणक दलों को सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण कार्य को त्रुटि रहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सर्वेक्षण के लिए वार्ड पंचों की जिम्मेदारी, मकानों का नंबरिंग, सर्वे की प्रक्रिया, मोबाइल एप, पोर्टल में ऑनलाइन एंट्री एवं मैनुअल एंट्री के बारे में आवश्यक निर्देश दिए।

# पुराना अंडरब्रिज बंद, लोगों को आने-जाने में हो रही परेशानी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**डोंगरगढ़, 8 अप्रैल।** कालका पारा, रेलवे चौक, बुधवारी पारा को जोड़ने वाली अंडरब्रिज को बंद कर दिया गया है जिससे लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. वहीं दूसरी ओर धर्मनगरी की जनता व व्यपारियों ने रेलवे की नीति को दोगला बताते हुए कहा है कि राजनीतिक दबाव के चलते नवरात्र पर्व के दौरान अंडरब्रिज से आवागमन प्रारम्भ करा पब्लिक को झुंनझुंना पकड़ाने जैसा प्रतीत होता है अगर पुल की हालत इतनी नाजुक थी तो फिर चालू क्यों किया गया? जिससे कई प्रकार के सवाल खड़े होने लगे है. वहीं लोगों में आम चर्चा है कि अंडरब्रिज को चालू करने के कार्य के लिए एक ठेकेदार को 50 हजार का बिलिंग किया गया है. अब सवाल उठता है कि जब पुल की हालत नाजुक थी तो किसके दबाव में आकर रेलवे प्रशासन ने जर्जर पुलिया की अंडरब्रिज को नवरात्रि पर्व पर चालू कर राजनेताओ सहित जनता की सहानुभूति लूटी।

### जनता कर रही ठगा महसूस

रेलवे चौक, खंडूपारा, बुधवारीपारा, कालका पारा के लोगों ने बताया कि रेलवे के पुराने अंडरब्रिज से आवागमन शुरू होने से शासन की तारीफकी जा रही थी पर नवरात्र पर्व खत्म होते ही अंडरब्रिज के बंद हो जाने से ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं.

### काफी पुराना है ब्रिज

जानकारों कि माने तो इस पुराने अंडरब्रिज का निर्माण को लगभग 50 वर्ष हो चुके है और पुलिया जर्जर हालत में है जिसे नवनिर्माण की आवश्यकता है और शीघ्र ही पुनः निर्माण नहीं किया गया तो बड़े हादसे की अनहोनी से इंकार नहीं किया जा सकता.

### जिम्मेदारी उठाने कोई तैयार नहीं

अंडरब्रिज बंद हो जाने पर जनता सहित व्यपारी संघ ने फिर से चालू करने निवेदन किया गया तो पता चला कि डोंगरगढ़ के ईएन ने जिला कलेक्टर को पत्र लिख बताया गया कि पुल की हालत जर्जर होने की वजह से पुनः निर्माण कराया जाना है इस कारण बंद किया जा रहा है क्या राज्य शासन अंडरब्रिज शुरू करने पर होने वाले हादसे की जिम्मेदारी लेगी। जवाब ना।

### ग्रामीणों को दी गई यातायात नियमों की जानकारी

**बलौदाबाजार, 8 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** निपनिया पुलिस सहायता केंद्र थाना भाटापारा ग्रामीण के द्वारा आग्रह कार्यक्रम ग्राम ( खपरी एस) रखा गया। निपानिया पुलिस सहायता केंद्र प्रभारी द्वारा खपरी (एस) के ग्रामीणों को वरिष्ठ नागरिकों को आग्रह करते दुर्घटना को नजर रखते हुए ग्रामीण के द्वारा मालवाहक गाड़ी से सवारी लाना ले जाना बंद करने की निवेदन एवं चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट लगाकर चलाने के लिए एवं अपनी गाड़ी के संबंधित कागजात ड्राइविंग लाइसेंस इंश्योरेंस एवं आरसी बुक को बनवा कर रखने की सलाह दी गई दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी नहीं चलने की आग्रह एवं ग्राम को आदर्श गांव बनाने के लिए जुआ सट्टा दारू की रोकथाम करते हुए नशा मुक्त समाज बनाने की निवेदन किया गया इस आग्रह कार्यक्रम पर ग्राम के वरिष्ठ नागरिक एवं बुजुर्ग एवं गांव की महिला समूह के द्वारा संपन्न किया गया।

# तेज अंधड़ से विशाल नीम का पेड़ हुआ धराशायी

### रेलवे चौक की तीन दुकानों में गिरी शाखाएं

**डोंगरगढ़, 8 अप्रेल।** शुक्रवार की शाम लगभग 5.30 बजे मौसम ने मिजाज बदलते हुए अंधड़ वाला तूफ़ान आया कि रेलवे चौक में स्थित विशाल नीम पेड़ की शाखायें तीन ओर से गिरकर तीन दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया. हालाँकि इस हादसे में जनहानि नहीं हुई परंतु दुकानों के ऊपर पेड़ की शाखाओ के गिरने से जानमाल का नुकसान होता इसमें आश्चर्य नहीं होता. नीम के पेड़ के तीन फाड़ हो गए है. बताया जाता है कि तेज अंधड़ आते ही पेड़ की एक शाखा के गिरते ही दुकानदारो ने दुकान से बाहर निकल अपनी जान बचाई. वहीं अंधड़ तूफ़ान के चलते पेड़ की दो विशाल शाखाएँ तीनो दुकानों को चपेट में लेते हुए गिर गई जिसमें पिंटू जनरल स्टोर, गुप्ता आटा चक्की व पटियाला किराना की दुकान क्षतिग्रस्त हुई है. हादसा होने के बाद पिंटू जनरल के संचालक मिक्की भाटिया ने प्राईवेट जेसीबी बुलाकर पेड़ की शाखाओ को हटवाने का कार्य किया.

# कलेक्टर ने योग शिक्षिका प्रियंका वर्मा को किया सम्मानित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

**भाटापारा, 8 अप्रैल।** शेखावाटी क्षेत्र में एन ए पी एस राष्ट्रीय योग गौरव सम्मान 2023 का आयोजन सूर्यमंडल के टैगोर स्मृति भवन में हुआ। आर्गेनाइजेशन के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश सैनी के निर्देशन में हुआ। जिसमे योग की विभिन्न प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के बारे में पत्रकार वार्ता में भाजपा किसान मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर सुमन कुलहरी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने योग को जन जन पहुंचाने की जो मुहिम चलाई है, उस मुहिम को साकार बनाने के लिए और विश्व पटल पर प्रचार प्रसार करने के लिए एकजुट होकर कार्य कर रहे है। योगाचार्य ने बताया कि हमारी थीम है योगा फॉर नेचुरल लाइफ। यह कार्यक्रम अपने आप में एक आकर्षण का केंद्र है, क्योंकि इसमें योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिभाएं भाग लेने के लिए पहुंची। साथ ही इस कार्यक्रम का आयोजन शेखावटी की धरा को गौरान्वित करने के लिए अपने आप में एक महत्वपूर्ण भूमिका था। हमारी संस्कृति हमारे संस्कार पधारो मारे देश की अनूठी पहल को साकार करते हुए कार्यक्रम का विशेष ढांचा तैयार किया गया था। इस कार्यक्रम में विशेष व्यक्तित्व के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य के बलौदाबाजार भाटापारा जिला की योग शिक्षक प्रियंका वर्मा को भी इस शुभवसर पर सम्मानित किया गया। कु. प्रियंका वर्मा शहर भाटापारा निवासी है तथा नंदकुमार वर्मा और होमेश्वरी वर्मा की सुपुत्री है, पिता नंदकुमार वर्मा वर्तमान में ग्राम टेहका में प्रधानपाठक पद पर कार्यरत है। प्रियंका वर्मा को हाल ही 8 मार्च अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन अंतराष्ट्रीय योग वीरांगना सम्मान 2023 से सम्मानित किया गया जिसका कार्यक्रम दिल्ली में किया गया था, उसके पहले राष्ट्रीय योग वीर सम्मान 2022 से भी सम्मानित किया जा चुका है। इस सम्मान समारोह के लिए कलेक्टर रजत बसंल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोपाल वर्मा जी, जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. एल एस ध्रुव जी ने बधाई दी।

## समाचार संक्षेप

### ब्लाक कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक में लिए गए कई निर्णय

**तिल्दा नेवरा, 8 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी तिल्दा ग्रामीण कांग्रेस के अध्यक्ष बलदाऊ साहू नेतत्व में ग्राम मोहगांव के समता चौक (पटेल पारा) में मासिक बैठक रखा गया। सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की तैलचित्र पर पूजा अर्चना एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसमें अतिथियों का स्वागत किया गया। जहां सभी वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस भूपेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जन- जन तक प्रचार प्रसार का संदेश दिया। उक्त बैठक में कांग्रेस पार्टी को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। जिसमें तिल्दा ब्लॉक कांग्रेस पदाधिकारी, कांग्रेसजन, आसपास के जनप्रतिनिधियों गणमान्य नागरिक आदि सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में भूपेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे इस बैठक में अगले चुनाव में कांग्रेसी विधायक बना कर पुनः बघेल सरकार बनाने की बात हुई। छत्तीसगढ़ भूपेश बघेल सरकार की विभिन्न योजनाओं किसानो की कर्जा माफ़ किसानों की बोनस, गौठान में गोबर खरीदी, जिसका एक डिसमिल जमीन नहीं उसे भी सात हजार रुपये, बिजली बिल हाफ़ और युवा राजीव मितान क्लब, ने मासिक बैठक में अपनी-अपनी विचार व्यक्त किए। जिसमें केंद्र की मोदी सरकार की जमकर खिंचाई की गई, चुनाव के समय की वादा काले धन को लाना हर आदमी के खाता में लाखों रुपए जमा कराने की बात, डीजल पेट्रोल कम, महंगाई काम की बात को लेकर मोदी सरकार को कोसा गया, कार्यक्रम का संचालन बलदाऊ साहू ने की।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधायक बलौदाबाजार मा. जनक राम वर्मा जी, पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी, छत्तीसगढ़ सिंधी अकादमी के अध्यक्ष राम गिड़लानी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी तिल्दा ग्रामीण के अध्यक्ष बलदाऊ साहू, कृषि उपज मंडी बलोदा बाजार के अध्यक्ष तुलसी राम वर्मा, विधानसभा बलौदाबाजार युवा कांग्रेस के अध्यक्ष गजानंद साहू, कृषि उपज मंडी नेवरा अध्यक्ष प्रतिनिधि पुनाराम वर्मा, सोसायटी अध्यक्ष सरफेगा डिगेश्वर वर्मा, नीरज राठी, जिला उपाध्यक्ष सुनील सोनी, देवेंद्र वर्मा, सदीप पांडेय, गोवर्धन यदु, नेम सिंह कटारिया, अशोक कश्यप, धर्मेंद्र वर्मा, योगेंद्र साहू, रेखराम देवांगन, देव कुमार वर्मा, राजेंद्र ठाकुर, माखनलाल साहू, योगेंद्र पटेल, प्रदीप नामदेव, हेमंत राम वर्मा, परदेसी वैष्णव, दुर्गेश वर्मा, निखिल मांडले, सालिक सिंह साहू, राधेश्याम साहू, दुर्योधन यदु, केजू लाल वर्मा, केजउ साहू, लेखराम सेन, कमल लाल वर्मा, प्रेमलाल यादव, रघुनंदन, संतराम वर्मा, बिहारी राम, केवलराम वर्मा, संतोष कुमार वर्मा, शिव कुमार वर्मा, दल्लू राम वर्मा, बलदाऊ वर्मा, लखन लाल वर्मा, अजेंद्र वर्मा, ओमलता वर्मा, सरिता वर्मा, कविता वैष्णव, ओमी साहू, तिलेश्वरी वर्मा, भुनेश्वरी पाल, प्रमिला वैष्णव, मीरा वर्मा, नंदनी साहू, पुष्पा वर्मा, उर्मिला साहू, पूर्णिमा वैष्णव, रुखमणी वर्मा, त्रिवेणी चौहान, सावित्री वर्मा, रुखमणी वर्मा, अमरिका वर्मा, नीरा वर्मा, कुमारी वर्मा, तीजमति वर्मा, दुरपत वर्मा, कुंज बत्ती वर्मा, सतरूपा वर्मा, गोंदा साहू, रंजना वर्मा, कुंती वर्मा, तामेश्वर रात्रे, ताकेश्वर वर्मा, कैलाश लहरें, सहित भारी जनसंख्या में कांग्रेसजन उपस्थित हुए।

### जिला पंचायत सदस्य प्रभा साहू एवं जनपद उपाध्यक्ष नरेंद्र वर्मा ने हनुमान मंदिर निर्माण की नींव रखी

**डोंगरगढ़, 8 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** विकासखंड के ग्राम पंचायत मेढा में राम भक्त हनुमान समिति के द्वारा हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें भगवान हनुमान जी का जन्म उत्सव मंत्रोच्चार के साथ बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया साथ ही जिला पंचायत सदस्य प्रभा साहू एवं जनपद उपाध्यक्ष नरेंद्र वर्मा के द्वारा हनुमान मंदिर निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया जिला पंचायत सदस्य प्रभा साहू जी ने कहा कि आज बहुत ही शुभ दिन है कि प्रभु की कृपा से उनके ही जन्मदिन के अवसर पर मंदिर निर्माण हेतु 5 लाख की राशि से नवीन मंदिर का निर्माण करेंगे जो ग्राम मेढ़ा में भव्य मंदिर शोभायमान होगाऔर आज उनके ही कृपा से हम सब मिलकर उनके मंदिर निर्माण हेतु भूमि पूजन कर रहे हैं जिसमें साथ में सरपंच ग्राम मेडा रोहित मंडावी जी जनक सिन्हा अमिला देवांगन पप्पू देवांगन देव लाल साहू फिरतू सिन्हा भूतपूर्व सरपंच शीतल साहू मिंटू दुबे हिमांशु सेन सोनू सिन्हा संदीप सिन्हा हेमंत यादव पप्पू देवांगन पवन देवांगन एवं बड़ी संख्या में ग्राम वासियों की उपस्थिति रही।

### थाना निरीक्षक सुरेन्द्र स्वर्णकार को थाना स्टाफ व नगरवासियों ने दी विदाई

**डोंगरगढ़, 8 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।** थाना निरीक्षक सुरेंद्र स्वर्णकार को पुलिस स्टाफ़ नगर के वरिष्ठ नागरिकों के साथ-साथ ऑटो चालक यूनियन, ट्रक यूनियन के सदस्यों, मां बमलेश्वरी मंदिर के पदाधिकारियों, नगर के व्यापारी संघ और पत्रकार गणों ने नम आंखों से भावभीनी विदाई दी। थाना निरीक्षक सुरेंद्र स्वर्णकार ने डोंगरगढ़ थाने में अपने 10 महीने पूर्ण किए इस 10 महीनों में उन्होंने अपने उच्च अधिकारियों के दिशा निर्देश का पालन करते हुए थाना स्टाफके साथ साथ आम जनों से भी अपने अच्छे व्यवहार और अच्छे कार्य के चलते अत्यधिक मान सम्मान पाया। सबसे अच्छी बात धर्म नगरी में थाना निरीक्षक सुरेंद्र स्वर्णकार के आने के बाद यह रही कि वह यूथ आईकॉन के रूप में नगर में अपनी पहचान अच्छी तरह बना लिए जिससे वर्तमान यूथ ने उनको बहुत प्यार दिया। थाना निरीक्षक के द्वारा अपने 10 महीनों के कार्यकाल में दो नवरात्र के मेले पूर्ण किए जिसमें किसी भी प्रकार की कोई घटना घटित हुवे बिना शांतिपूर्ण तरीके से मेले का संचालन किया। उनके द्वारा दो से तीन मर्डर के मामलों को अपने उच्च अधिकारियों के आदेश का पालन करते हुए अपने स्टाफ के साथ मिलकर पूर्ण तरीके से निपटा कर आरोपियों को सजा भी दिला दी गई गुमशुदा लोगों को अपने परिवार से सही सलामत मिलाने में भी अपने स्टाफके साथ साथ अपनी भूमिका निभाई है। अपने कार्यकाल के जितने भी मामले थे उन सभी मामलों को पूर्ण तरीके से निपटा कर आरोपियों को सजा तक पहुंचा दिया गया। थाना निरीक्षक सुरेंद्र स्वर्णकार के थाने से विदाई के 2 महीने पहले थाना स्टाफ थाने में हनुमान जी महाराज और भोलेनाथ की प्रतिमा को स्थापित कर मंदिर बनाने की अपनी मंशा को उन्हें बताया और उनके द्वारा 2 महीनों में मंदिर का निर्माण कर कलश यात्रा मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा कर भव्य भंडारे का आयोजन किया गया।

## वन्देमातरम् के गायक बंकिमचन्द्र चटर्जी पुण्यतिथि पर विशेष

# बंकिमचंद्र के गीत ने स्वाधीनता संग्राम में दिया था अतुलनीय योगदान

✍ नरेन्द्र शर्मा

भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम में वन्देमातरम् नामक जिस महामन्त्र ने उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक जन-जन को उद्वेलित किया, उसके रचियता बंकिमचन्द्र चटर्जी का जन्म ग्राम काँतलपाड़ा, जिला हुगली, पश्चिम बंगाल में 26 जून, 1838 को हुआ था। प्राथमिक शिक्षा हुगली में पूर्ण कर उन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय के प्रेसीडेंसी कालिज से उच्च शिक्षा प्राप्त की। पढ़ाई के साथ-साथ छात्र जीवन से ही उनकी रुचि साहित्य के प्रति भी थी।

शिक्षा पूर्ण कर उन्होंने प्रशासनिक सेवा की परीक्षा दी और उसमें उत्तीर्ण होकर वे डिप्टी कलेक्टर बन गये। इस सेवा में आने वाले वे प्रथम भारतीय थे। नौकरी के दौरान ही उन्होंने लिखना प्रारम्भ किया। पहले वे अंग्रेजी में लिखते थे। उनका अंग्रेजी उपन्यास 'राजमोहन्स वाइफ' भी खूब लोकप्रिय हुआ; पर आगे चलकर वे अपनी मातृभाषा बंगला में लिखने लगे।

1864 में उनका पहला बंगला उपन्यास 'दुर्गेश नन्दिनी' प्रकाशित हुआ। यह इतना लोकप्रिय हुआ कि इसके पात्रों के नाम पर बंगाल में लोग अपने बच्चों के नाम रखने लगे। इसके बाद 1866 में 'कपाल कुण्डला' और 1869 में 'मृणालिनी' उपन्यास प्रकाशित हुए। 1872 में उन्होंने 'बंग दर्शन' नामक पत्र का सम्पादन भी किया; पर उन्हें अमर स्थान दिलाया 'आनन्द मठ' नामक उपन्यास ने, जो 1882 में प्रकाशित हुआ।

आनन्द मठ में देश को मातृभूमि मानकर उसकी पूजा करने और उसके लिए तन-मन और धन समर्पित करने वाले युवकों की कथा थी, जो स्वयं को 'सन्तान' कहते थे। इसी उपन्यास में वन्देमातरम् गीत भी समाहित था। इसे गाते हुए वे युवक मातृभूमि के लिए मर मिटते थे। जब यह उपन्यास बाजार में आया, तो वह जन-जन का कण्ठहार बन गया। इसने लोगों के मन में देश के लिए मर मिटने की

भावना भर दी। वन्देमातरम् सबकी जिह्वा पर चढ़ गया।

1906 में अंग्रेजों ने बंगाल को हिन्दू तथा मुस्लिम आधार पर दो भागों में बाँटने का षड्यन्त्र रचा। इसकी भनक मिलते ही लोगों में क्रोध की लहर दौड़ गयी। 7 अगस्त, 1906 को कोलकाता के टाउन हाल में एक विशाल सभा हुई, जिसमें पहली बार यह गीत गाया गया। इसके एक माह बाद 7 सितम्बर को वाराणसी के कांग्रेस अधिवेशन में भी इसे गाया गया। इससे इसकी गूँज पूरे देश में फैल गयी। फिर क्या था, स्वतन्त्रता के लिए होने वाली हर सभा, गोष्ठी और आन्दोलन में वन्देमातरम् का नाद होने लगा।

यह देखकर शासन के कान खड़े हो गये। उसने आनन्द मठ और वन्देमातरम् गान पर प्रतिबन्ध लगा दिया। इसे गाने वालों को सार्वजनिक रूप से कोड़े मारे जाते थे; लेकिन प्रतिबन्धों से भला भावनाओं का ज्वार कभी रुक सका है अब इसकी गूँज भारत की सीमा पारकर विदेशों में पहुँच गयी। क्रान्तिवीरों के लिए यह उपन्यास गीता तथा वन्देमातरम् महामन्त्र बन गया। वे फाँसी पर चढ़ते समय यही गीत गाते थे। इस प्रकार इस गीत ने भारत के स्वाधीनता संग्राम में अतुलनीय योगदान दिया।

बंकिम के प्रायः सभी उपन्यासों में देश और धर्म के संरक्षण पर बल रहता था। उन्होंने विभिन्न विषयों पर लेख, निबन्ध और व्यंग्य भी लिखे। इससे बंगला साहित्य की शैली में आमूल चूल परिवर्तन हुआ। 8 अप्रैल, 1894 को उनका देहान्त हो गया। स्वतन्त्रता मिलने पर वन्देमातरम् को राष्ट्रगान के समतुल्य मानकर राष्ट्रगीत का सम्मान दिया गया।

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

# माताओं- बहनों और बच्चों के स्वास्थ्य का पूरा ख्याल

**2.65** लाख बच्चे
कुपोषण मुक्त

**1.50** लाख महिलाएं हुईं
एनीमिया मुक्त

**1.42** दाई दीदी क्लीनिक योजना
लाख से अधिक महिलाओं और
बालिकाओं का नि:शुल्क इलाज

**No.1** लैंगिक समानता के मामले में
देश का नंबर एक राज्य

## छत्तीसगढ़ सरकार- भरोसे की सरकार

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprCg.gov.in


छत्तीसगढ़ संवाद-आर.ओ./ 36010/1

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरूण छत्तीसगढ़, तरूण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2021-23